मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	25.1	14.5
जमशेदपुर	27.0	12.4
डालटनगंज	26.4	9.5

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

शुभम संदेश

धनबाद, रांची एवं पटना से प्रकाशित

एक राज्य - एक अखबार

* * * * *

पेज 14

भारतीय टीम टेस्ट के पहले दिन 400 से अधिक रन बनाने वाली दूसरी टीम बनी

www.lagatar.in | शुक्रवार, 15 दिसंबर 2023 ● मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष 03, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 237 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

सुर्खियां

इंटरनेशनल
- यूक्रेन पर रूस के लक्ष्यों में कोई बदलाव नहीं : पुतिन
- ब्रिटेन में नीतिगत दर 5.25 प्रतिशत पर स्थिर
- बिलावल भुट्टो-जरदारी को पीएम उम्मीदवार घोषित किया
- पोप ने एआई विनियमित के लिए संधि का किया आह्वान

नेशनल
- नरेंद्र मोदी ने पोलैंड के नए प्रधानमंत्री टस्क को दी बधाई
- महाराष्ट्र में पुलिस के साथ मुठभेड़ में दो नक्सली ढेर
- ईडी ने 2014 से अब तक 1.16 लाख करोड़ कुर्क किया
- शाहरुख व सुहाना शिरडी साईबाबा मंदिर पहुंचे

स्टेट
- अब टीवीएनएल को चाहिए 632.08 करोड़ का राजस्व
- सीएम के काफिले की कार से टकराया बाइक सवार
- झामुमो को बहुमत से दूर रखने की बन रही रणनीति
- आपातकालीन सहायता : डायल 112 और कारगर होगा

स्पोर्ट्स
- इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में भारत ने स्टंप तक बनाये 410 रन
- जू. हॉकी विश्व कप सेफा में जर्मनी से हारा भारत
- द. अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शमी का खेलना संदिग्ध
- पेरिस सेंट जर्मन चैंपियस लीग के राउंड 16 में पहुंचा

किसने क्या कहा

- जल जीवन मिशन में झारखंड का काम संतोषजनक नहीं –गजेंद्र सिंह शेखावत
- सरकार विपक्ष के सभी सवालों का शत-प्रतिशत जवाब देगी –आलमगीर
- पक्ष और विपक्ष दोनों के सहयोग से चलता है सदन –रवींद्र नाथ महतो

सर्राफा

सोना (बिक्री)	59,100
चांदी (किलो)	77,000

ब्रीफ खबरें

बाजार में चौतरफा तेजी सेंसेक्स नए शिखर पर

मुंबई। शेयर बाजारों में गुरुवार को चौतरफा तेजी से लगातार दूसरे दिन मजबूती आई और सेंसेक्स 929 से अधिक उछल कर नये रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ. निफ्टी भी उच्चतम स्तर पर पहुंच गया. अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के नीतिगत दर को यथावत रखने और अगले साल इसमें कटौती के संकेत के बाद मुख्य रूप से आईटी, प्रौद्योगिकी और रियल्टी कंपनियों के शेयरों में तेज लिवाली से बाजार में उछाल आया. इसके अलावा विदेशी निवेशकों की लिवाली और कच्चे तेल के दाम में नरमी से भी समर्थन मिला.

बैरेनबोइम और अव्वाद को इंदिरा गांधी शांति पुरस्कार

नयी दिल्ली। इजराइल और फिलीस्तीन संघर्ष के अहिंसक समाधान की दिशा में प्रयासों के लिए डैनियल बैरेनबोइम और अली अबू अव्वाद को इस वर्ष के इंदिरा गांधी शांति पुरस्कार का विजेता घोषित किया गया है. इंदिरा गांधी मेमोरियल ट्रस्ट ने एक बयान में कहा कि डैनियल अर्जेंटीना में जन्मे शास्त्रीय पियानोवादक और कंडक्टर हैं, जबकि अव्वाद एक फलस्तीनी शांति कार्यकर्ता हैं, जो पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए फलस्तीन और इजराइल के लोगों के साथ अथक प्रयास कर रहे हैं.

छत्तीसगढ़ में विस्फोट बीएसएफ जवान शहीद

कांकेर। छत्तीसगढ़ के नक्सलग्रस्त कांकेर में गुरुवार को नक्सलियों ने बारूदी सुरंग में विस्फोट कर दिया, जिसमें बीएसएफ का जवान शहीद हो गया. पिछले दो दिन में यह दूसरी घटना है. पुलिस ने यह जानकारी दी. घटना परतापुर पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत सड़कटोला गांव के पास उस समय हुई, जब बीएसएफ और पुलिस का एक संयुक्त दल को गश्त कर रहा था. नक्सलियों द्वारा किए गए विस्फोट में बीएसएफ के प्रधान आरक्षक अखिलेश राय घायल हो गए. राय को प्रारंभिक उपचार दिया गया और बेहतर इलाज के लिए पखांजूर भेजा गया, लेकिन उन्होंने रास्ते में ही दम तोड़ दिया.

राजस्थान में आज से भजन लाल का राज

जयपुर। भजनलाल शर्मा शुक्रवार को यहां राजस्थान के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगे. ऐतिहासिक अल्बर्ट हॉल के बाहर होने वाले समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह तथा भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा भी शामिल होंगे. राज्यपाल कलराज मिश्र, भजन लाल शर्मा को सीएम पद की शपथ दिलाएंगे. साथ ही दीया कुमारी और प्रेमचंद बैरवा को मंत्रिमंडल सदस्य की शपथ दिलाएंगे. समारोह के लिए व्यापक सुरक्षा बंदोबस्त किए गए हैं और तैयारियों को अंतिम रूप देने का काम गुरुवार को भी जारी रहा. समारोह में बड़ी संख्या में लोगों के आने की संभावना है.

झामुमो कार्यकर्ता हर परिस्थिति से निबटने को रहें तैयार : सीएम

हम डरने वाले नहीं

विशेष संवाददाता। रांची

झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष सह सीएम हेमंत सोरेन ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से नसीहत दी है कि वो हर परिस्थिति से निपटने के लिए तैयार रहें. झामुमो किसी भी स्थिति और परिस्थिति से न डरने वाला है, न घबराने वाला. झामुमो का जन्म ही संघर्ष से हुआ और संघर्ष यात्रा की बदौलत 2019 में पूर्ण बहुमत की सरकार बनायी थी.

ये बातें सीएम ने गुरुवार को अपने आवास पर आयोजित जिला, प्रखंड अध्यक्षों और केंद्रीय पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहीं. बैठक में केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडेय, फागु बेसरा, अभिषेक प्रसाद पिंटू, संजीव बेदिया, महुआ माजी, भूषण तिर्की भी मौजूद थे. यह जानकारी देते हुए विनोद पांडेय ने बताया कि अभी सरकार का कार्यक्रम सरकार आपके द्वार चल रहा है. सीएम कई जिलों में जा रहे हैं. उन्होंने कई जिलों में रात्रि विश्राम भी किया. जहां पर वे रात्रि विश्राम नहीं कर सके. वहां के लोगों के साथ गुरुवार को ये बैठक हुई. बैठक में सात जिलों लोहरदगा, खूंटी, सिमडेगा, गुमला, रांची, हजारीबाग, लातेहार, रामगढ़ के जिला अध्यक्ष, प्रखंड शामिल हुए.

चुनावी वर्ष में पार्टियां एकजुटता को तोड़ने का प्रयास करेंगी : सीएम ने कहा कि कार्यकर्ता पार्टी का रीढ़ हैं. आपके के कंधों पर बड़ी जिम्मेदारी है, जिम्मेदारियां का निर्वहन तत्परता और ईमानदारी से निभाएं. सीएम ने कहा कि क्योंकि वर्ष 2024 चुनावी वर्ष के रूप में आकर खड़ा है. इसी वर्ष लोकसभा के साथ-साथ विधानसभा चुनाव भी होना है. आनेवाला वर्ष अगर हम बीच के दो-चार महीने छोड़ दें तो पूर्ण रूप से आचार संहिता वाला वर्ष होगा. आप सभी को इस बात की भी जानकारी है कि इस चुनावी वर्ष में राज्य विरोधी लोग तथा पार्टियां धर्म और समुदाय के नाम पर हमारी अखंडता और एकजुट को तोड़ने का प्रयास करेंगी. ऐसी राज्य विरोधी ताकतों से हम सभी को सतर्क रहने की जरूरत है.

जरूरी नहीं कि सेमीफाइनल जीतने वाला फाइनल भी जीत जाए: सीएम

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि अगर रणनीति की अगर रणनीति का खुलासा ही कर दिया, तो हमारा आगे का काम ही खत्म हो जाएगा. अभी बहुत कुछ सामने आना बाकी है. तीन राज्यों के चुनाव में जिन्होंने जीत दर्ज की वह जरूरी नहीं कि आगे लोकसभा में भी वह सफलता उन्हें मिलेगी. सीएम गुरुवार को दुमका एयरपोर्ट में मीडिया से बात कर रहे थे. उन्होंने कहा कि यह जरूरी नहीं की जिसने सेमीफाइनल जीता है, वह फाइनल में भी बाजी मार लेगा. उन्होंने खजुरिया गांव स्थित आवास पर लोगों से मुलाकात की. जाहेर थान से जुड़े लोगों ने उन्हें जनवरी महीना में सोहराय में आने का निमंत्रण भी दिया.

» 19 को दिल्ली में होने वाली इंडिया की बैठक में झामुमो शामिल होगा

» सीएम ने अपने आवास पर जिलाध्यक्षों के साथ की बड़ी बैठक, दिए अहम टिप्स

एकजुटता का ही परिणाम है, आज तक लोग अपने षड्यंत्र में सफल नहीं हुए

सीएम ने कहा कि अभी देश में जो हालात हैं उससे सबसे ज्यादा नुकसान किसान, गरीब और युवा को हुआ है. यहां के आदिवासी-मूलवासी, दलित, शोषित अल्पसंख्यक सहित विभिन्न वर्ग समुदाय के लोगों को विपक्षी दलों द्वारा झामुमो के प्रति भड़काया जा रहा. देश एवं राज्य विरोधी शक्तियां हमें निरंतर तोड़ने का प्रयास कर रही हैं परंतु हम सभी को सतर्कता दिखाते हुए इनके मंसूबे पर पानी फेरना है. जब से झामुमों की सरकार बनी है, विरोधी सरकार को गिराने में लगे हुए हैं. हमारी एकजुटता का ही नतीजा है कि आज तक ये लोग साजिश में सफल नहीं हो सके. आप सभी लोग हमारी बड़ी ताकत हैं.

आने वाले चुनाव में हमें सभी झारखंड विरोधी ताकतों को मुंह तोड़ जवाब देना है

हेमंत ने कहा, हम सभी बाबा अंबेडकर के संविधान को मानने वाले लोग हैं. संविधान की मर्यादा में रह कर आगे बढ़ेंगे. झारखंड देश का एक ऐसा राज्य है जो अपने पैरों में खड़ा होने की ताकत रखता है. जरूरत है कि हम इस राज्य को किस तरह नई दिशा देते हुए आगे बढ़ें. सीएम ने कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाते हुए उन्हें वर्ष 2024 में होने वाले लोस एवं विस चुनाव के लिए बेहतर रणनीति के साथ तैयारी करने का मंत्र दिया. कहा कि झारखंड के लोग हमेशा अपने हक-अधिकार एवं सम्मान की लड़ाई लड़ते आ रहे हैं. आने वाले चुनाव में भी हमें विरोधी ताकतों और दलों को मुंहतोड़ जवाब देना है.

झामुमो इंडिया गठबंधन का अहम हिस्सा है: पांडेय

विनोद पांडेय ने बताया कि इंडिया गठबंधन का झामुमो अहम हिस्सा है. हमारे सीएम हेमंत सोरेन इंडिया के संयोजक मंडल में भी शामिल हैं. इसलिए झामुमो इस बैठक में निश्चित रूप से शामिल होगा. उन्होंने कहा कि चूंकि इसी दौरान विधानसभा का सत्र भी है. इसलिए गठबंधन बैठक के कार्यक्रम और स्वरूप को देख कर तय किया जाएगा कि खुद मुख्यमंत्री जाएंगे या किसी प्रतिनिधि को भेंजेंगे. मगर बैठक में झामुमो शामिल होगा. यह तय है, इसमें कहीं कोई इफ-बट नहीं है.

संसद की सुरक्षा में चूक का मामला गरम

14 सांसद पूरे सत्र से निलंबित

एजेंसी। नयी दिल्ली

संसद की सुरक्षा में चूक के मसले पर विपक्षी पार्टियों ने गुरुवार को संसद के दोनों सदनों में जम कर हंगामा किया और गृह मंत्री अमित शाह से बयान देने की मांग की. स्पीकर ओम बिरला ने हंगामा करने के आरोप में 13 सांसदों को सत्र से निलंबित कर दिया. राज्यसभा में भी टीएमसी के सांसद डेरेक ओ ब्रॉयन को सभापति जगदीप धनकड़ ने निलंबित करने की घोषणा की. निलंबन के बाद भी सदन से बाहर न जाने पर सभापति ने डेरेक का मामला विशेषाधिकार समिति को भेज दिया.

लोकसभा में सुबह विपक्षी सदस्यों ने गृह मत्री के बयान की मांग को ले हंगामा शुरू कर दिया. स्पीकर ने कांग्रेस सदस्यों टीएन प्रतापन, हिबी इडेन, जोतिमणि, रम्या हरिदास और डीन कुरियाकोस को निलंबित कर दिया. इसके बाद भी हंगामा नहीं थमा तो बाद में स्पीकर ने 8 और सदस्यों को भी सत्र से निलंबित कर दिया. इनमें बेनी बेहनन (कांग्रेस), मो. जावेद (कांग्रेस), पीआर नटराजन (माकपा), कनिमोझी (डीएमके), वीके श्रीकंदन (कांग्रेस), के सुब्रमण्यम, वेंकटेशन (माकपा) और मनिकम टैगोर (कांग्रेस) शामिल हैं.

–शेष पेज 13 पर

दोनों सदनों में हुआ जोरदार हंगामा

विपक्ष की मांग गुरुवार को संसद का सत्र शुरू होने से पहले आगे की रणनीति पर विपक्षी दलों की बैठक हुई. बैठक के बाद कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा, इंडिया की पार्टियां मांग कर रही हैं- संसद में हुई बेहद गंभीर और सुरक्षा चूक पर दोनों सदनों में गृह मंत्री बयान दें और फिर इसपर चर्चा हो. घुसपैठ करने वालों को विजिटर पास दिलाने वाले भाजपा सांसद प्रताप सिम्हा के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो. सरकार ने इन वैध मांगों को मानने से इंकार कर दिया. जिससे संसद की कार्यवाही स्थगित हो गई.

7 दिनों की पुलिस रिमांड पर भेजे गए चारों आरोपी

संसद की सुरक्षा में बड़ी चूक के मामले में 4 आरोपियों को पटियाला हाउस कोर्ट ने 7 दिनों की रिमांड पर भेज दिया है. ये चार आरोपी नीलम आजाद, अमोल शिंदे, सागर शर्मा और मनोरंजन डी हैं. दिल्ली पुलिस ने 15 दिन की रिमांड मांगी थी. चारों के कड़ी सुरक्षा के बीच अदालत में पेश किया गया था. उनके चेहरों पर किसी तरह की परेशानी नहीं दिखी.

क्या दलीलें दी गईं

दिल्ली पुलिस के वकील ने कोर्ट से कहा कि कैन को महाराष्ट्र से खरीदा गया. आरोपी अलग-अलग जगहों से हैं. ऐसे में आरोपियों को लखनऊ, गुरुग्राम और मैसूर से लेकर कई जगहों पर लेकर इन्हें जाना है. इनसे पूछताछ करनी है. इस कारण 15 दिनों की रिमांड दी जाए. वहीं दिल्ली पुलिस की इस दलील पर आरोपियों के रिमांड वकील ने कहा कि जांच के लिए 5 दिन काफी है.

केंद्र के साथ नहीं गए, इसलिए ईडी के टॉर्गेट पर: सीएम

विनीत आभा उपाध्याय/ सौरभ सिंह। रांची

ईडी के छठे समन के बावजूद सीएम हेमंत सोरेन बुधवार को उपस्थित नहीं हुए और पूर्व निर्धारित कार्यक्रम में भाग लेने दुमका चले गए. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इसके जवाब में ईडी को एक पत्र भेजा है.

बताया जाता है कि उसमें हेमंत ने कई गंभीर आरोप लगाए हैं. सीएम ने अपने पत्र में कहा है कि पिछले कुछ समय से ईडी उन्हें लगातार टॉर्गेट कर रही है. बार-बार लगातार एक के बाद एक समन भेज कर उनकी छवि को धूमिल की जा रही है, और राज्य की मौजूदा सरकार को अस्थिर करने की कोशिश की जा रही है. क्योंकि उन्होंने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के साथ गठबंधन नहीं किया. बताते चलें कि ईडी ने इसी हफ्ते मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को छठा समन भेजा था और बुधवार को उपस्थित होने को कहा था . इस समन के बावजूद सीएम ईडी ऑफिस नहीं गए और अपने विशेष दूत सूरज कुमार से एक पत्र ईडी कार्यालय को भिजवा दिया. सीएम हेमंत सोरेन द्वारा ईडी को भेजे गए दो पन्ने के उस पत्र की कॉपी लगातार मीडिया के पास उपलब्ध है. पत्र में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने ईडी के समन को लेकर कई बातें कहीं हैं.

ईडी को लिखे मुख्यमंत्री के पत्र की कॉपी शुभम संदेश के पास मौजूद

क्यों बुलाया गया स्पष्ट नहीं

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पत्र में लिखा है कि उन्होंने अपने और अपने परिवार के सदस्यों की चल-अचल संपत्ति की पूरी जानकारी पिछले साल ही आयकर विभाग को दे दी थी. एक साल बीतने के बाद भी एजेंसी (ईडी) ने संपत्ति के ब्योरे को लेकर किसी तरह का स्पष्टीकरण नहीं मांगा है. जिस मामले में उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया जा रहा है, उसमें उनकी क्या भूमिका है, इसकी जानकारी समन में स्पष्ट नहीं है. ईडी मुझे किस लिए बुला कर पूछताछ करना चाहती है, समन में यह भी साफ नहीं है.

संपत्ति की जानकारी आईटी के पास है

वहीं सीएम ने पत्र में आगे लिखा है कि उनके पास जो भी संपत्ति है, उसकी जानकारी वह आयकर विभाग को देते हैं. आयकर विभाग उनके द्वारा दी गई सभी जानकारियों को स्वीकार करता है. इन सबके बाद भी उन्हें बार-बार समन किया जा रहा है, जिससे उनकी छवि धूमिल हो रही है. करीब एक साल से चल रही जांच में अब तक यह पता नहीं चला है कि मैंने (मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन) ऐसी एक भी ऐसी संपत्ति अर्जित की है, जिसमें मनी लॉड्रिंग के जरिए कमाए गए पैसों को लगाया हो. पत्र के अंत में उन्होंने साफ लिखा है कि उन्हें टॉर्गेट किया जा रहा है.

धीरज साहू का मामला पहुंचा झारखंड हाईकोर्ट

रांची। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद धीरज साहू से के ठिकानों से 351 करोड़ रुपए बरामदगी का मामला हाईकोर्ट पहुंच गया है. जमशेदपुर के दानियाल दानिश ने इसकी जांच सीबीआई और ईडी से करवाने के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है. उन्होंने जनहित याचिका दायर की है. याचिका में कहा गया है कि एक सांसद के ठिकानों से इतनी बड़ी नकदी का पकड़ा जाना गंभीर मामला है और यह आर्थिक अपराध है. यह पैसा कहां से आया और इसमें किसका-किसका हिस्सा है यह जांच का विषय है, इसलिए पूरे मामले की जांच सीबीआई और ईडी से करायी जानी चाहिए. बता दें कि आईटी की टीम ने छह दिसंबर को धीरज साहू से संबंधित कई ठिकानों पर छापेमारी कर रुपयों से भरे 30 अलमीरा बरामद किया था. जानकारी के अनुसार, अब तक की गिनती में आंकड़ा 300 करोड़ रुपये को पार कर गया है. नोटों के अलावा 17 किलोग्राम जेवरात भी मिले हैं. हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि आयकर विभाग की ओर से नहीं की गई है. यह छापेमारी अब भी उनके रांची और लोहरदगा के आवास पर जारी है.

मथुरा की शाही ईदगाह का भी अब होगा सर्वे

प्रयागराज। श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह परिसर विवाद में हिंदू पक्ष को गुरुवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है. काशी के बाद अब मथुरा की शादी ईदगाह परिसर में सर्वे को लेकर हाईकोर्ट ने मंजूरी दे दी है. बता दें, शाही ईदगाह में सर्वे को लेकर काफी समय से हिंदू पक्ष सर्वे को लेकर मांग कर रहा था. सर्वे को लेकर हिंदू पक्ष ने जिला कोर्ट से लेकर हाईकोर्ट तक का दरवाजा खटखटा चुका है. हाईकोर्ट में लंबे समय से श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह को लेकर विवाद चल रहा था. गुरुवार को हाईकोर्ट ने 18 याचिकाओं पर सुनवाई करने के बाद ये फैसला दिया. याचिका में मथुरा में श्री कृष्ण जन्म भूमि से सटी हुई जो मस्जिद है, उसमें किसी वकील से सर्वे कराने की मांग की गई थी. सर्वे में हाईकोर्ट ने मस्जिद के सर्वे के दौरान साफ फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी के लिए कहा है. हालांकि, यह सर्वे ज्ञानव्यापी से थोड़ा अलग होगा. क्योंकि वहां पर कोर्ट ने साइंटिफक सर्वे कराया था, जो कि शाही ईदगाह मस्जिद पर यह सर्वे अभी नहीं होगा. इस पर इलाहाबाद हाई कोर्ट में सुनवाई 18 दिसंबर को होगी

आपन झुलनी संभालूं कि तोहे बालमा

बैजनाथ मिश्र

वरिष्ठ पत्रकार और झारखंड के पूर्व सूचना आयुक्त

> कांग्रेस की समस्या यह है कि भाजपा तमाम मुद्दों पर कांग्रेस से ही सवाल पूछ रही है और कांग्रेस करूं मैं क्या करूं के ऊहापोह में माथा पीट रही है. उसे समझ नहीं आ रहा कि वह करे तो क्या करे.

प्रसंगवश

कांग्रेस पसोपेश में है. बड़ी उलझन है. शायद दिल खोया-खोया-सा है. उम्मीद थी कि राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश जीत कर वह विपक्षी गंठबंधन को लीड करेगी. लेकिन करम का लेख मिटे रे ना भाई. कांग्रेस को यह टीस अभी साल ही रही थी कि द्रमुक सांसद सैंथिल कुमार और तेलंगाना के नये-नवेले मुख्यमंत्री रेवंता रेड्डी ने नयी जहमत पैदा कर दी. सैंथिल ने लोकसभा में कह दिया कि भाजपा गो मूत्र प्रदेशों में ही जीतती है. इस पर स्वाभाविक हंगामा हुआ और उन्हें माफी मांगनी पड़ी. इसी बीच रेवंता रेड्डी के ज्ञान चक्षु खुल गये. उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री बीआरएस प्रमुख केसीआर को बिहारी कुर्मी बताते हुए उनके डीएनए को दोयम दर्जे का बता दिया. रेवंता रेड्डी का कहना है कि केसीआर के पूर्वज बिहार से विजयनगर आये थे. वह मूलतः कुर्मी हैं और यह भी कि उनके मुकाबले मूल तेलंगाना का डीएनए अव्वल है. इस पर बिहार के नेता भड़क गये. इससे पहले उदयनिधि स्टालिन ने सनातन के समूल नाश का संकल्प व्यक्त किया था और द्रमुक के दूसरे नेता सनातन को डेंगू, मलेरिया आदि भांति-भांति के विशेषणों से विभूषित कर चुके थे.

देश को उत्तर-दक्षिण में बांटने की साजिश : उत्तरप्रदेश, बिहार के दो अगड़धत्त नेता राम, रामचरितमानस और सनातन के खिलाफ विष वमन कर ही रहे हैं. यानी एक तरफ देश को उत्तर-दक्षिण में बांटने की साजिश रची जा रही है, तो दूसरी तरफ सनातन पर घमसान का कुत्सित प्रयास किया जा रहा है. कांग्रेस की समस्या यह है कि भाजपा इन सभी मुद्दों पर कांग्रेस से ही सवाल पूछ रही है और कांग्रेस करूं मैं क्या करूं के ऊहापोह में माथा पीट रही है. वह इजराइल-हमास युद्ध में मुस्लिम मतों के थोक राजनीतिक व्यापार के लिए प्रस्ताव तो पास कर सकती है, लेकिन संघर्ष के जो हालात उसके अपने और विपक्षी गंठबंधन के नेताओं के बयानों से पैदा हो रहे हैं, उस पर कन्नी काटने का प्रयास करने लगती है. कांग्रेस विपक्षी गंठबंधन का नेतृत्व करेगी या नहीं, लेकिन सिरमौर तो वही रहेगी. इसलिए प्रत्येक अनर्गल, खुराफाती बयान का ठीकरा उसी के सिर फूटेगा. कांग्रेस की समस्या यह है कि वह अपने बयानवीरों को संभाले या साथी दलों के बिगड़ैल नेताओं को. इसी कशमकश की हालत के लिए लोक नायिका कहती है कि आपन झुलनी संभालूं कि तोहे बालमा...

तमिलनाडु में तैयार हो रही वैचारिक संघर्ष की नयी पिच : दक्षिण भारत में खासतौर से तमिलनाडु में हिंदू और हिंदी विरोध पेरियार के समय से ही चल रहा है. यह समय-समय पर तेज होता रहता है और मंद भी पड़ जाता है. इस समय प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अन्नामलाई ने पेरियारवादियों के विरुद्ध और सनातन के समर्थन में एक मुहिम चला रखी है. इस मुहिम के कारण ही अन्नाद्रमुक भाजपा से अलग हो गई, लेकिन भाजपा ने अन्नामलाई को न रोका न टोका, न हटाया. यानी तमिलनाडु में वैचारिक संघर्ष की नयी पिच तैयार हो रही है. इसलिए उत्तर-दक्षिण, सनातन द्रविड़, हिंदी-तमिल आदि के नाम पर विवाद का नया दौर शुरू हो रहा है. इस विवाद की ज्वाला में बयानों की समिधाएं डाली जाएंगी और उसकी तपिश से उत्तर भारत की राजनीति भी गरमाएगी. इससे कांग्रेस का नुकसान होगा.

–शेष पेज 13 पर

बोकारो विकास के क्षेत्र में बन सकता है आदर्श जिला

संवाददाता। रांची

राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि बोकारो विकास के क्षेत्र में देश में एक आदर्श जिला बन सकता है. सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अफसरों ने हाल ही में 'विकासित भारत' पहल के तहत मूल्यांकन के लिए बोकारो और रामगढ़ का दौरा किया था. पीएम मोदी ने 15 नवंबर को खूंटी से 'विकसित भारत संकल्पयात्रा' को हरी झंडी दिखाई थी. इस का उद्देश्य यह पक्का करना है कि सरकार की कल्याणकारी योजना का लाभ लक्षित लाभार्थियों तक पहुंचें.

सूचना और प्रसारण मंत्रालय में अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) शंभु नाथ चौधरी ने कहा, बोकारो देश के लिए विकास का एक आदर्श जिला बन सकता है. हमने पाया कि वहां केंद्रीय योजनाओं का कार्यान्वयन बेहतर है. चौधरी ने बताया कि पेटरवार में 100 एकड़ बंजर को महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा लगाए गए आम, अमरूद जैसे पेड़ों और सब्जियों के साथ कृषि योग्य भूमि में बदला जा रहा है. गोमिया में ऐसे 42 घर देखे, जिनमें दो कमरे, रसोईघर, शौचालय के साथ ही बिजली भी थी. इन्हें पीएम आवास योजना के तहत पासी समुदाय को मुहैया कराया गया है. प्रत्येक जिले में 75 अमृत सरोवरों के लक्ष्य की तुलना में बोकारो में 92 अमृत सरोवर हैं.

खास बातें

- जिले में केंद्रीय योजनाओं का कार्यान्वयन बेहतर
- 75 की जगह बोकारो जिले में हैं 92 अमृत सरोवर

ब्रीफ खबरें

सभी सवालों का जवाब देगी सरकार: आलमगीर

रांची। संसदीय कार्य मंत्री आलमगीर आलम ने कहा है कि सरकार विपक्ष के सभी सवालों का शत-प्रतिशत जवाब देगी. आलमगीर गुरुवार को विधानसभा परिसर में मीडिया से बात कर रहे थे. उन्होंने कहा कि पक्ष हो या विपक्ष दोनों का काम है कि जनहित के मुद्दों का निष्पादन हो. दोनों को जनहित में ही काम करना है. किसी भी मुद्दे को लेकर सदन नहीं चलने देने से जनता को निराशा हाथ लगती है. सदन में जनता से जुड़े मुद्दों को ही उठाना चाहिए.

एबीवीपी की महगामा नगर अध्यक्ष भाजपा में शामिल

रांची। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की महगामा (गोड्डा) नगर अध्यक्ष निक्की राय गुरुवार को भाजपा में शामिल हो गईं. रांची के भाजपा प्रदेश मुख्यालय में उन्होंने अपने समर्थकों के साथ भाजपा का दामन थामा. पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने निक्की राय का पार्टी में स्वागत किया. उन्होंने कहा कि निक्की के आने से गोड्डा जिले में संगठन मजबूत होगी. वहीं निक्की ने कहा कि पार्टी उन्हें जो भी जिम्मेदारी देगी, उसका वे ईमानदारी से निर्वहन करेंगी.

मेडिका हॉस्पिटल को ने भेजा लीगल नोटिस

रांची। सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता अनिल कुमार साहू ने महावीर मेडिका हॉस्पिटल रांची पर अपने 14 वर्षीय पुत्र के इलाज में चिकित्सीय लापरवाही का आरोप लगाया है. उन्होंने अपने अधिवक्ता अरविंद गुप्ता के माध्यम से जारी नोटिस में यह आरोप लगाया है कि उनके पुत्र को अस्पताल और डॉ अंजना गांधी की लापरवाही व गलत दवा देने की वजह से तीन-तीन सर्जरी से गुजरना पड़ा, जिससे मरीज को शारीरिक पीड़ा हुई और परिवार को मानसिक परेशानी के साथ आर्थिक क्षति हुई है.

आजसू छात्र संघ ने 8 सूत्री मांगें रखीं

रांची। आजसू छात्र संघ ने अपनी आठ सूत्री मांगों को लेकर राम लखन सिंह यादव सिंह कॉलेज के प्रिंसिपल से मिला और ज्ञापन दिया. कॉलेज के वॉशरूम की स्थिति दयनीय है. गर्ल्स वॉशरूम में सैनिटरी पैड उपलब्ध नहीं रहता है. अधिकतर कक्षाओं के करकट हुए हैं, कॉलेज का जेनरेटर खराब पड़ा हुआ है इन सभी को ठीक करने को कहा. आजसू छात्र संघ ने कहा कि अगर इन समस्याओं का समाधान 15 दिनों के अंदर करे. नहीं तो आजसू आंदोलन करेगी.

डीएसपीएमयू में पीआर पर की गयी चर्चा

रांची। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्यूनिकेशन विभाग परिचय सेशन का आयोजन किया गया. इस में यूजी इसमें सेमेस्टर 3 में पढ़ रहे द रोल ऑफ पब्लिक रिलेशन इन मोडर्न सोसाइटी पर चर्चा किया गया. और आपस में अपने विचारों को रखा. कार्यक्रम में स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन विभाग के निदेशक राजेश कुमार सिंह, विभागीय शिक्षक प्रणव प्रियदर्शी, दीप्ति गौरव के साथ इतिहास विभाग कि शिक्षिका हनी कुमारी ने अपनी अपनी बातों को रखा. इस महत्वपूर्ण विषय पर परिचर्चा और संवाद कार्यक्रम में बीजेएमसी सेम 3 के विद्यार्थी, मनोजित, विक्रम, श्रेया, राज, आर्य, सृष्टि का अलावा अन्य ने भी अपने विचारों को साझा किया.

ग्रामीण इलाकों में 3 से 6 घंटे नहीं रहती बिजली

बिजली वितरण निगम को घरेलू उपभोक्ताओं से चाहिए 5276 करोड़ का राजस्व

रवि भारती । रांची

झारखंड में अब तक किसी भी जिले में जीरो कट पावर नहीं हो पाया है. राज्य के 24 जिलों से शहरी और ग्रामीण इलाकों में रोजाना छह से लेकर तीन घंटे तक बिजली नहीं रहती है. राजधानी रांची में अब तक जीरो कट पावर नहीं हो पाया है. ट्रिपिंग की समस्या बरकरार है. क्वालिटी बिजली नहीं मिलने के बावजूद झारखंड राज्य बिजली वितरण निगम को घरेलू बिजली उपभोक्ताओं से 5276.31 करोड़ रुपए का राजस्व चाहिए. राज्य में सभी श्रेणी के 58 लाख से अधिक उपभेक्ता हैं, जिसमें घरेलू उपभेक्ताओं की संख्या 50 लाख से अधिक है. वितरण निगम ने यह ब्योरा झारखंड राज्य नियामक आयोग को सौंपा है.

ट्रिपिंग की समस्या बरकरार, कहीं भी नहीं हो पाया जीरो कट पावर

किस जिले में कितने घंटे बिजली

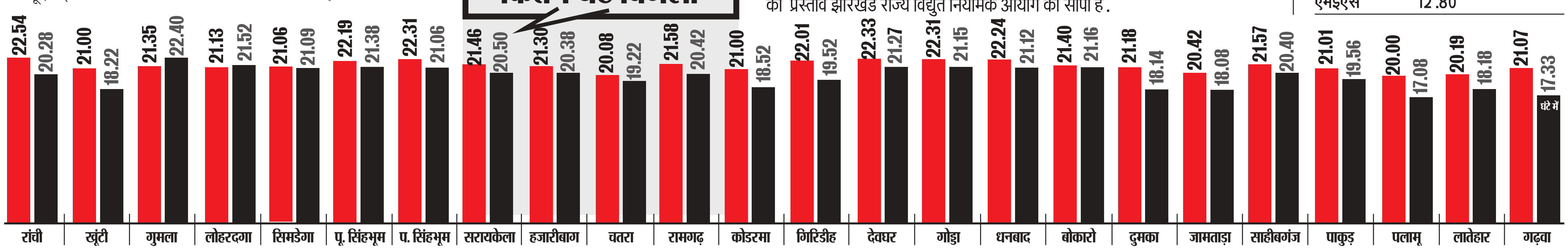

9 जिलों के ग्रामीण इलाकों में 7 से 5 घंटे तक बिजली नहीं

झारखंड के नौ जिले ऐसे हैं, जिनके ग्रामीण इलाकों में सात से छह घंटे तक बिजली नहीं रहती है. इन जिलों में गढ़वा, दुमका, जामताड़ा, पलामू, लातेहार, कोडरमा, चतरा, गिरिडीह और खूंटी शामिल हैं. गढ़वा के ग्रामीण इलाकों में सबसे अधिक रोजाना सात घंटे तक बिजली नहीं रहती है. लातेहार में छह घंटे तक बिजली नहीं रहती है.

उद्योगों से चाहिए 3106.15 करोड़ रुपये राजस्व

झारखंड राज्य बिजली वितरण निगम को राज्य में स्थापित इंडस्ट्रीज से 3106.15 करोड़ का राजस्व चाहिए. इसमें एलटी कनेक्शन वाले उद्योगों से 371.14 करोड़ और एचटी कनेक्शन वाले उद्योगों से 2735.91 करोड़ का राजस्व चाहिए. वहीं कॉमर्शियल (व्यावसायिक) उपभोक्ताओं से 1080.92 करोड़ का राजस्व चाहिए. रेलवे से 74 करोड़ रुपये राजस्व प्राप्ति का प्रस्ताव झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग को सौंपा है.

किस श्रेणी के उपभोक्ताओं से कितने राजस्व का प्रस्ताव

श्रेणी	राजस्व प्राप्ति का प्रस्ताव (करोड़ में)
घरेलु	5276.31
कॉमर्शियल	1080.29
एसएस कटेगरी	81.92
एलटी कनेक्शन	371.14
सिंचाई	161.49
एचटी	2735.01
रेलवे	74
एमईएस	12.80

लोबिन और चमरा लिंडा को अपने खेमे में लाने की तैयारी कर रहे एनोस-अजीत

झामुमो को विस चुनाव में बहुमत से दूर रखने की बन रही रणनीति

कौशल आनंद। रांची

झारखंड में लोकसभा चुनाव के साथ-साथ विधानसभा चुनाव की रणनीति बननी शुरू हो गयी है. अंदर ही अंदर एक ऐसा ग्रुप तैयार किया जा रहा है, जिसका लक्ष्य अगले विधानसभा चुनाव में झामुमो और उसके गठबंधन को सत्ता के बहुमत से दूर रखने का है. बताया जाता है कि खेल में अंदर ही अंदर एक राष्ट्रीय पार्टी का भी समर्थन है. झारखंड पार्टी सुप्रीमो एनोस एक्का और कार्यकारी अध्यक्ष अजीत कुमार सिन्हा इसकी पटकथा लिख रहे हैं. झापा सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अजीत कुमार सिन्हा के सॉफ्ट टॉर्गेट में झामुमो से नाराज चल रहे विधायक लोबिन हेंब्रम और चमरा लिंडा हैं. सिन्हा इन दोनों विधायकों से लागातार बातचीत कर रहे हैं, ताकि वे उनके पाले या नए ग्रुप में शामिल हो जाएं. सिन्हा न केवल झामुमो के नाराज विधायकों के संपर्क में हैं, बल्कि कुछ ऐसे लोकल संगठनों से भी बातचीत कर रहे हैं, जिनकी आदिवासी-मूलवासी वोट बैंक में अच्छी पकड़ है और जिन्हें चुनावी समर में उतारा जा सकता है.

खास बातें

- एनोस एक्का और अजीत कुमार सिन्हा हो रहे लामबंद
- अन्य छोटे संगठन और दलों से भी चल रही बात

एनोस एक्का.

अजीत कुमार सिन्हा.

विधायक चमरा लिंडा.

लोबिन हेंब्रोम.

अधिक सीटें हासिल करना नहीं, झामुमो को नुकसान पहुंचाना है मकसद

झापा के रणनीतिकारों का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक से सीटें पाना नहीं, बल्कि झामुमो गठबंधन को 5-10 सीटों पर नुकसान पहुंचाने का है, ताकि झामुमो बहुमत से दूर रहे और उसकी सरकार न बन पाए. यहां बतातें चलें कि अजीत कुमार सिन्हा पूर्व सीएम रघुवर दास की सरकार में महाधिवक्ता रह चुके हैं. भाजपा से उनका संबंध पूर्व से ही रहा है. इसलिए सिन्हा को इस काम में लगाया गया है. रही बात एनोस एक्का की, तो उनकी पहली पंसद एनडीए ही रहा है. अर्जुन मुंडा सरकार में पार्टी फरमान की परवाह किए बिना उन्होंने एनडीए को सपोर्ट किया था और मंत्री बने थे. बाद में उन्होंने झापा को तोड़ कर खुद एक झापा गुट बना कर अध्यक्ष बन बैठे और स्व. एनई होरो को ही पार्टी अध्यक्ष से बेदखल कर दिया. इसलिए इन दोनों को ही राष्ट्रीय पार्टी ने अभियान में लगा रखा है.

छोटानागपुर-कोल्हान की 10-15 सीटों पर फोकस करेगी झापा, चमरा की नजर लोहरदगा संसदीय सीट पर

झारखंड पार्टी छोटानागपुर और कोल्हान की 10 से 15 सीट पर फोकस कर रही है, जहां पर वह झामुमो का खेल बिगाड़ सकती है. इसके अलावा लोबिन के जरिए संथाल में भी सेंधमारी का प्रयास करेगी, ताकि झामुमो को नुकसान हो. चमरा लिंडा की नजर इस बार लोहरदगा संसदीय सीट पर है. इसका दबाव वे झामुमो पर बनाए हुए हैं. मगर यह सीट झामुमो की नहीं है. इस सीट से कांग्रेस चुनाव लड़ती रही है. इसलिए अगर लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन के तहत झामुमो चुनाव लड़ा, तो लोहरदगा सीट झामुमो या चमरा लिंडा को मिलना मुश्किल लग रहा है. इसका एहसास चमरा लिंडा को भी है. इसलिए झापा या नए ग्रुप में चमरा लिंडा शामिल होकर लोहरदगा से चुनाव लड़ सकते हैं.

आपकी बात

नाम : कालेश्वर
पद : कथाकार
जन्मस्थल : हेसालौंग, डाड़ी, हजारीबाग
कार्यक्षेत्र : संपूर्ण झारखंड

गांव में मास्टरजी के नाम से मशहूर 74 वर्षीय कथाकार कालेश्वर का जन्म हजारीबाग जिले के डाड़ी प्रखंड स्थित हेसालौंग गांव में हुआ. उनकी साहित्यिक कृतियां, सहज व सरल व्यक्तित्व, चेहरे पर विनम्रता का भाव, गंवई वेश-भूषा, सादगी और सामान्य लहजे में बड़ी से बड़ी बात कह जाने की उनकी खासियत लोगों को काफी प्रभावित करती है. कालेश्वर को झारखंड के प्रेमचंद के उपनाम से भी जाना जाता है. खास बात यह है कि उनकी रचनाओं पर केरल और बेंगलुरु के शिक्षण संस्थानों में शोध भी हो चुका है. अबतक दो शोधकर्ता कालेश्वर द्वारा लिखित कहानी संग्रह 'मैं जीती हूं' पर एमफिल कर चुके हैं. कथाकार कालेश्वर ने वर्ष 1964 में गांधी प्लस टू उच्च विद्यालय, रामगढ़ से मैट्रिक और 1967 में इंटर की पढ़ाई पूरी की. वर्ष 1970 से करीब 35 वर्षों तक एक राजनीतिक कार्यकर्ता के रूप में कार्य रहते हुए झारखंड आंदोलनों में महती भूमिका निभायी. उन्होंने महाजनी, जमींदारी के खिलाफ लंबा संघर्ष किया. आइपीएफ ने उन्हें वर्ष 1985 में आईपीएफ ने कालेश्वर को मांडू विधानसभा के लिए उम्मीदवार घोषित किया था. 'मैं जीती हूं' इनकी पहली कहानी संग्रह है.

रांची के हरमू बाईपास की घटना

सीएम के काफिले की पायलट कार से टकराया बाइक सवार, पूछताछ जारी

संवाददाता। रांची

सीएम हेमंत सोरेन के काफिले के सामने गुरुवार को अचानक एक बाइक सवार आ गया. यह घटना गुरुवार की दोपहर डोरंडा थाना क्षेत्र के हरमू बाईपास रोड स्थित डीपीएस चौक के पास हुई. जहां विधानसभा से सीएम अपने कांके रोड स्थित आवास जा रहे थे. इसी दौरान सेल टाउनशिप से निकले सीएम के काफिले के सामने अचानक से बाइक सवार आ गया और वह सीएम के काफिले के पायलट वाहन से टकरा गया. जिसके बाद वह गिर गया. युवक को मामूली चोट भी आई. युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है. यह भी पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि सुरक्षा की चाक-चौबंद व्यवस्था के बावजूद युवक कैसे सड़क पर आ गया.

सीएम के काफिले को ब्रेक लगाना पड़ा था : इससे ठीक कुछ दिन पहले भी शहर की अति व्यस्त सड़क और संवेदनशील किशोरगंज चौक से ठीक पहले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के काफिले को ब्रेक लगाना पड़ा था. दरअसल बीते नौ दिसंबर को सीएम हेमंत सोरेन देवघर से बिरसा मुंडा एयरपोर्ट लैंड करने के बाद अपने आवास के लिए रवाना हुए थे. जैसे ही उनका काफिला हरमू मुक्तिधाम से आगे बढ़ा, तो सड़क जाम थी. ट्रैफिक बाधित रहने के कारण सीएम के काफिले को ब्रेक लगाना पड़ा था. वहीं सीएम की सुरक्षा में तैनात अधिकारी दौड़ पड़े. जिसके बाद किशोरगंज ट्रैफिक पोस्ट पर तैनात ट्रैफिक के जवान भी हरकत में आए. जिसके बाद जाम हटवाया गया और काफिले को गंतव्य के लिए रवाना किया गया था.

केंद्रीय कोयला मंत्री से मिले सांसद संजय सेठ

रांची। सांसद संजय सेठ और चंद्रप्रकाश चौधरी ने दिल्ली में केंद्रीय कोयला मंत्री प्रहलाद जोशी और केंद्रीय कानून राज्यमंत्री अर्जुन राम मेघवाल से मुलाकात की. इस दौरान सांसद कोयला मंत्री को खलारी क्षेत्र में सीएसआर के तहत हुए कार्यों और डीएमएफटी के तहत हो रहे कार्यों की जानकारी दी.

प्रस्ताव सौंपा वाटर चार्ज के रूप में चाहिए 12 करोड़ रुपये

टीवीएनएल को चाहिए 632.08 करोड़ का राजस्व

रांची। झारखंड में सरकारी उपक्रम के एकमात्र पावर प्लांट तेनुघाट विद्युत निगम लिमिटेड (टीवीएनएल) को 632.08 करोड़ रुपये का राजस्व चाहिए. टीवीएनएल ने इसका प्रस्ताव झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग को सौंप दिया है. वहीं प्लांट के ऑपरेशन और मेनटेनेंश के लिए 326.60 करोड़ रुपये का प्रस्ताव दिया है. पानी के लिए 12 करोड़ रुपये का प्रस्ताव दिया है.

नियामक आयोग को सौंपा प्रस्ताव

हर महीने 80 करोड़ की बिजली देता है निगम को

टीवीएनएल हर महीने 80 करोड़ रुपए की बिजली झारखंड राज्य बिजली वितरण को देता है. टीवीएनल की दो यूनिटें 210-210 मेगावाट की है. फिलहाल इसके विस्तारीकरण की प्रक्रिया शुरू की गई है. 3.54 रुपए प्रति यूनिट की दर से बिजली वितरण निगम को देता है.

साल दर साल बढ़ता गया खर्च

साल	कितना खर्च (करोड़ में)
2022	464.99
2023	519.23
2024	570.58 (प्रस्तावित)
2025	598.38 (प्रस्तावित)
2026	632.08 (प्रस्तावित)

ऑपरेशन और मेंटीनेंश का खर्च

साल	कितना खर्च (करोड़ में)
2022	269.82
2023	288.45
2024	307.54 (प्रस्तावित)
2025	326.60 (प्रस्तावित)
2026	347.29 (प्रस्तावित)

वर्किंग कैपिटल के लिए कितनी राशि की जरूरत

साल	राशि (करोड़ में)
2022	322.52
2023	396.98
2024	411.10
2025	421.09
2026	432.93

CLASSIFIED

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

पेज 16

www.lagatar.in | शुक्रवार, 15 दिसंबर 2023 ● मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष 03, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 237 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

लोन की किशत जमा न करने पर महिला का अपहरण कर ले जाने लगा एजेंट

» फाइनेंस कंपनी का एजेंट की मनमानी, किश्त नहीं देने पर महिला को जबरन साथ ले जाने लगा

» ग्रामीणों ने एजेंटों को घेरा, पुलिस को फोन किया, तो महिला को छोड़ कर भाग निकले

संजीत यादव। पलामू

पलामू जिले के छतरपुर थाना क्षेत्र में माइक्रो फाइनांस कंपनी के एजेंट ने महिला के अपहरण का प्रयास किया. ऋण की किश्त नहीं चुकाने पर माइक्रो फाइनांस कंपनी के एजेंट महिला को जबरन उसके घर से उठाकर साथ ले जा रहे थे. तभी ग्रामीणों की नजर महिला को जबरन साथ ले जा रहे एजेंटों पर पड़ी, तो उन्होंने एजेंटों को घेर लिया. कुछ लोगों ने पुलिस को मामले की जानकारी दे दी.

खुद को ग्रामीणों से घिरा देख एजेंट महिला को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गए. पुलिस का कहना है कि मामले की जानकारी तो मिली है, लेकिन महिला ने थाने में शिकायत दर्ज नहीं करायी है. फिर पुलिस अपने स्तर से

ग्रामीणों की शिकायत के आधार पर मामले की जांच कर रही है.

ग्रामीणों ने बताया कि एक दलित महिला ने माइक्रो फाइनांस कंपनी से 40 हजार रुपये का ऋण लिया था. आर्थिक परेशानियों के कारण महिला कर्ज ली गयी राशि का किश्त नहीं जमा कर पा रही थी. किश्त की रकम वसूलने के लिए कई बार फाइनांस कंपनी की तरफ से फोन किया गया, लेकिन महिला कुछ समय देने की मांग की. जब महिला ने लोन की किश्त जमा नहीं की, तो वसूली के लिए कंपनी के एजेंट गुरुवार री सुबह उसके घर पर आ धमके. कुछ देर तक महिला से बात करने के बाद फाइनांस कंपनी के एजेंट जबरन उन्हें उठाकर साथ ले जाने लगे थे. महिला को जबरन उठाते देख स्थानीय ग्रामीण उग्र हो गए और एजेंट को घेर लिया. ग्रामीणों के विरोध, हंगामे और गुस्से को देखते हुए एजेंट परेशान हो गए. हो हंगामे के दौरान स्थानीय लोगों ने पूरे मामले की जानकारी पुलिस को भी दे दी. पुलिस से शिकायत किये जाने की जानकारी मिलते ही एजेंटों के हाथ-पांव फुल गए. घबराए एजेंटों ने महिला को छोड़ दिया और किसी तरह ग्रामीणों के चंगुल से खुद को निकाल कर भाग निकले.

लोन नहीं चुकाने पर माइक्रो फाइनांस कंपनी के कर्मचारी बना रहे दबाव

सौरभ सिंह। रांची

लोन नहीं चुकाने पर माइक्रो फाइनांस कंपनियों के कर्मचारी गरीब लोगों कर्ज देती हैं और लौटाने के लिए गरीबों पर ऐसा दबाव बनाती हैं कि लोग परेशान होकर आत्महत्या तक कर ले रहे हैं. फाइनांस कंपनियों ने कर्ज की वसूली के लिए हट्ठे-कट्ठे युवाओं की टीम खड़ी कर रखी है, जो कर्ज लिए गरीबों पर दबाव डाल कर पैसों की वसूली करते हैं. पैसे नहीं वापस करने पर कर्जधारक को न सिर्फ परेशान किया जाता है, बल्कि सार्वजनिक तौर पर उसकी ऐसी बेइज्जती की जाती है कि वह आत्महत्या करने को मजबूर हो जाते हैं. हाल के महीनों में झारखंड में इस तरह के कई मामले सामने आए हैं, जिसमें माइक्रो फाइनांस कंपनियों के एजेंटों के दबाव में लोन नहीं चुकाने पर एजेंटों के दबाव की वजह से कई लोगों ने आत्महत्या कर ली है. कर्ज के बोझ में फंसा कर आम लोगों का शोषण करने व आत्महत्या करने के लिए मजबूर करने वाली माइक्रो फाइनेंस कंपनियों के खिलाफ पुलिस सबकुछ जानते हुए भी कोई कार्रवाई नहीं कर रही है. पुलिस के पास शिकायत करने के बावजूद पुलिस चुप्पी साधी रहती है.

जानिए माइक्रो फाइनांस कंपनी की ज्यादती से परेशान लोगों की दास्तान

- **10 अक्टूबर 2023 :** फाइनांस कंपनी की ओर से लोन की किस्त चुकाने के दबाव और कथित रूप से कंपनी के अफसरों-कर्मियों की प्रताड़ना से तंग गिरिडीह जिले के बेंगाबाद थाना क्षेत्र के खंडोली गांव निवासी बबलू अंसारी की पत्नी जैबुन खातून ने आत्महत्या कर ली. इस घटना के दो दिन बाद उसके पति ने भी सदमे में दम तोड़ दिया था.
- **18 अक्टूबर 2023:** गिरिडीह जिले के पचंबा थाना क्षेत्र में पूनम देवी नाम की महिला ने आत्महत्या कर ली की थी. महिला ने एक माइक्रो फाइनांस कंपनी से लोन लिया था. कंपनी के एजेंट उस पर लोन की किश्तें चुकाने का दबाव बना रहे थे. लोन की किश्त नहीं चुका पाने और ऐजेंटों द्वारा तंग किए जाने से वे परेसान हो चुकी थीं. आखिर उन्होंने एजेंटों की प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या कर ली.
- **03 अक्टूबर 2023 :** चतरा जिले में 17 वर्षीय किशोरी भाई के ऋण की 585 रुपये की किस्त कुछ घंटे देर से भुगतान करने पाई, जिस कारण उसे फाइनांस कंपनी के एजेंटों ने काफी अपमानित किया. अपमानित होने के बाद किशोरी नेअपने घर में ही जहर खा लिया, जिससे उसकी मृत्यु हो गई.
- **01 नवंबर 2020 :** फाइनांस कंपनी का 51 हजार रुपये लोन नहीं चुकाने के दबाव में हजारीबाग जिले के डंडई गांव निवासी किसान अवधेश कुमार सिंह ने रात में घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी. मृतक के भाई नीतेश कुमार सिंह ने उज्ज्वल स्मॉल फाइनांस बैंक के कर्मियों के खिलाफ मुफ्फसिल थाना में मामला दर्ज कराया था.
- **30 अगस्त 2021:** सिमडेगा जिले के ठेठईटांगर इलाके के केरिया गांव में में युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी. जानकारी के अनुसार राजकुमार नायक ने ऑटो खरीदने के लिए बैंक से लोन लिया था. लोन की किशत जमा करने का बहुत ज्यादा दबाव था. वह समय पर लोन जमा नहीं कर पा रहा था. आखिरकार दबाव व तनाव में आत्महत्या कर ली.
- **19 सितंबर 2022:** हजारीबाग के इचाक में फाइनांस कंपनी के वसूली एजेंट कर्ज का किस्त भुदतान में विलंब होने पर ट्रैक्टर जब्त करने आए थे. बकाए को लेकर विवाद के बाद जबरन ट्रैक्टर ले जाने लगे. किसान मिथिलेश की बेटी मोनिका ने रोकना चाहा, तो एजेंटों ने उसी ट्रैक्टर से रौंद डाला और ट्रैक्टर लेकर चलते बने.
- **24 अक्टूबर 2021:** जमशेदपुर में सोनारी की महिला ने लोन न चुका पाने के दबाव में नदी में कूद की आत्महत्या कर ली थी. वीणा देवी ने माइक्रो फाइनांस कंपनी से दर्जनों महिलाओं को लोन दिलाया था. महिलाएं लोन नहीं चुका पा रही थीं और उनपर लोन चुकाने का दबाव था.

ब्रीफ खबरें

टाटा पवार के समक्ष ठेका मजदूरों ने किया प्रदर्शन

जमशेदपुर। टाटा पावर के अंतर्गत कार्यरत अभिषेक कंस्ट्रक्शन प्रा. लि. के ठेका मजदूर तीन माह से वेतन नहीं मिलने पर हड़ताल पर चले गए. मांगों के समर्थन में टाटा पवार गेट के समक्ष प्रदर्शन किया. मजदूर नेता अंबुज ठाकुर ने मांगों को जायज बताया. बकाया वेतन देने की मांग पर अड़े थे. कंपनी के प्रतिनिधि बिट्टू और अंबुज ठाकुर से वार्ता हुई. जिसमें तय हुआ की 15 तक मजदूरों का वेतन मिल जाएगा. इस पर सहमति बनने के बाद सभी मजदूर काम पर वापस लौट गए.

अमन हत्याकांड के आरोपी बजरंगी की बिगड़ी तबीयत

धनबाद। यूपी के कुख्यात शूटर अमन सिंह हत्याकांड के आरोपी बजरंगी की तबीयत अचानक बिगड़ गई है. भारी सुरक्षा के बीच गुरुवार को उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज ले जाया गया. बता दें कि विकास बजरंगी अमन सिंह हत्याकांड का आरोपी है. अमन सिंह को गोली मारने के आरोपी रितेश यादव उर्फ सुंदर महतो ने पुलिस के समक्ष दिए अपने इकबालिया बयान में अपने सहयोगी के रूप में सतीश साव उर्फ गांधी व विकास बजरंगी का नाम बताया है. सीसीटीवी फुटेज में भी विकास और गांधी की संलिप्तता दिख रही है.

करीम सिटी कॉलेज में गुफ्तगू का आयोजन

जमशेदपुर। करीम सिटी कॉलेज में वीमेन सेल की ओर से गुफ्तगू का आयोजन हुआ. इसका शीर्षक मेन विल बी मेन, बट डिफरेंटली सो था. शुरुआत मासूम पॉल के स्वागत नृत्य के साथ हुई. इस अवसर पर मुख्य वक्ता हर्ष नील ने कार्यक्रम के विषय-वस्तु पर चर्चा की. वहीं सना वकील ने प्रेजेंटेशन के जरिए स्टूडेंट्स को वीमेंस सेल के बारे में बताया और औपचारिक रूप से सभी को नई समिति से परिचित कराया. कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ मोहम्मद रेयाज ने स्पीकर हर्ष नील का आभार जताया. डॉ अनवर शादाब ने प्रतीक चिह्न भेंट किया.

सीयूजे में विकसित भारत 2047 क्रार्यक्रम शुरू

रांची। झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय में गुरुवार को विकसित भारत 2047 - युवाओं की आवाज क्रार्यक्रम का शुभारंभ किया गया. इस अवसर पर कुलपति प्रो. केबी दास ने विश्वविद्यालय के छात्रों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि हम इनक्रेडिबल इंडिया से इनवेटिबल इंडिया की ओर बढ़ रहे हैं. ये समस्त बदलाव हमें आर्थिक उन्नति की ओर ले जाते हैं, जिससे हम 2047 में विकसित राष्ट्र बनेंगे. उन्होंने देश की इकोनॉमी के 5वीं सबसे बड़ी बनने से लेकर आत्मनिर्भर बनने व अन्य जनसामान्य के विकास के लिए हुए कार्यों का उदाहरण प्रस्तुत किया.

धनबाद मंडल के 10 हजार रेलवे क्वार्टरों पर कब्जा

सिर्फ 7 पर कार्रवाई

रंजीत कुमार। धनबाद

धनबाद रेल मंडल के 25673 क्वार्टरों में से 10 हजार पर अवैध कब्जा है, जिसमें मात्र 7 पर ही अब तक कार्रवाई हुई है. रेलवे सूत्रों के अनुसार क्वार्टरों में रहनेवाले गैर रेलकर्मियों से दबंगों के साथ यूनियन के नेता, रेलकर्मी और अधिकारी भी किराया वसूलते हैं. पिछले साल मुख्यालय को सौंपी गई चीफ विजिलेंस की रिपोर्ट के बाद भी क्वार्टरों से कब्जा नहीं हट सका है. पूर्व की भांति खानापूर्ति ही हुई है. रेलवे में 73 रेल मंडल सबसे अधिक कमाई करने वाला धनबाद रेल मंडल हर साल नंबर वन का खिताब हासिल करता है.

इस मंडल में लगभग 30 हजार रेलकर्मी कार्यरत हैं. जैसे ही रेलकर्मी रिटायर्ड होकर क्वार्टर को छोड़ कर चले जाते हैं, दूसरे या तीसरे दिन ताला तोड़ कर दूसरा व्यक्ति कब्जा कर लेता है. कब्जा करने वालों में इलाके के दबंग युवकों के साथ-साथ रेलकर्मी, यूनियन का नेता और अधिकारी भी होता है. कब्जा किए गए क्वार्टरों में अधिकतर टाइप वन हैं. टाइप टू बहुत कम हैं. टाइप वन क्वार्टर को 2000 से 3000 हजार और टाइप टू क्वार्टर को 4000 से 5000 हजार रुपये में किराए पर लगाते हैं. सूत्र बताते हैं कि क्वार्टरों से किराया वसूली का पैसा बड़े अधिकारियों की टेबल तक भी पहुंचता है. यही वजह है कि क्वार्टरों पर कब्जा बरकरार है.

किराया वसूलते हैं दबंग, यूनियन के नेता, रेलकर्मी व अधिकारी

चीफ विजिलेंस ऑफिसर की रिपोर्ट के साल भर बाद भी नहीं हटा क्वार्टरों से कब्जा

2000 से अधिक क्वार्टरों पर कब्जा

सूत्रों के अनुसार धनबाद शहर में लगभग दो दर्जन रेलवे कॉलोनियां हैं, जिसमें लगभग दो हजार क्वार्टरों पर गैर रेलकर्मियों का कब्जा है. कॉलोनियों में रांगाटांड़, न्यू स्टेशन रेलवे कॉलोनी, पुराना स्टेशन रेलवे कॉलोनी, न्यू मटकुरिया, डायमंड क्रॉसिंग, भूली रेलवे कॉलोनी, हिल कॉलोनी, डीएस कॉलोनी, बेकारबांध, तेतुलतल्ला व वाच एंड वार्ड रेलवे कॉलोनी है, इन कॉलोनियों में 6 हजार से अधिक रेलवे क्वार्टर है.

189 स्टेशनों के निकट हैं 25673 रेलवे क्वार्टर

सूत्रों के अनुसार धनबाद रेल मंडल में 189 स्टेशन व हॉल्ट हैं, जिनमें दर्जनों स्टेशनों के पास लगभग 25673 रेलवे क्वार्टर हैं. रेल मंडल में धनबाद हो या फिर कोई अन्य स्टेशन, वहां की लगभग सभी कॉलोनियों के कई क्वार्टरों पर कब्जा है. क्वार्टरों में रहनेवाले गैर रेलकर्मियों से दबंगों के साथ-साथ यूनियन के कुछ नेता, रेलकर्मी और अधिकारी वसूली करते हैं. हालांकि अधिकारी का एक खास व्यक्ति होता है, जो उसके लिए वसूली का काम करता है.

सऊदी अरब में फंसे 45 मजदूरों की नहीं हुई वतन वापसी, सरकार से फिर लगाई गुहार

मदद की गुहार

संवाददाता। बेरमो

सऊदी अरब में गिरिडीह, बोकारो और हजारीबाग के 45 मजदूर फंसे हैं. एक हफ्ते पहले मजदूर सोशल मीडिया पर वतन वापसी की गुहार सरकार से लगाई थी. लेकिन अब तक मजदूरों की वतन वापसी नहीं हुई. एक बार फिर मजदूरों ने वीडियो बना कर सरकार से वतन वापसी की गुहार लगाई है. कहा है कि वे एंबेसी में जाकर मिले, लेकिन राहत नहीं मिली. अब उनके पास खाने-पीने की भी दिक्कत हो रही है.

उन्होंने कहा है कि सऊदी अरब ले जाते समय उनके साथ एग्रीमेंट किया गया कि लाइनमैन को 1500 रियाल, ओवरटाइम का 700 रियाल मिलेंगे. लेकिन सात महीने काम करने के बाद सिर्फ दो महीने का वेतन दिया गया है. उन्हें बकाया भी नहीं दिया जा रहा. जब मजदूरी की मांग करते हैं तो उन्हें धमकी दी जाती है. जबरन काम कराया जाता है. जिसके कारण मजदूर दाने-दाने को मोहताज हो गये हैं.

दुबई में फंसे मजदूरों ने सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीर डाली है.

गुजरात से पहुंचा प्रवासी मजदूर का शव

बोकारो। गुजरात के पनौली से प्रवासी मजदूर नरेश महतो का शव गुरुवार को पेटरवार प्रखंड के सदमा कला स्थित पैतृक घर में पहुंचा. शव पहुंचते ही परिजन चीत्कार मार कर रोने लगे. घर के कमाऊ सदस्य की मौत के बाद परिजनों के समक्ष विकट स्थिति पैदा हो गई है. 10 दिसंबर को उसकी मौत एक सड़क हादसे में हो गयी थी. दर्जा प्राप्त मंत्री योगेंद्र महतो की मदद से लावारिस नरेश का शव उसके गांव लाया जा सका. मृतक की विधवा ने पति का शव लाने की गुहार दर्जा योगेंद्र से लगाई थी. उनकी तत्परता से शव गांव लाया जा सका. हजारीबाग के प्रदीप नामक व्यक्ति काम करने के लिए एक महीना पूर्व गुजरात के पनौली उसे ले गया था, लेकिन उसे कंपनी के सुपरवाइजर की ओर से हमेशा प्रताड़ित किया जाता था. मृतक की पत्नी बार-बार बेहोश हो रही थी. शव आने की सूचना पर जिप सदस्य प्रह्लाद महतो, लालदेव महतो सहित काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे.

उधवा के मजदूर की मुंबई में हत्या

संवाददाता। साहिबगंज

खास बातें

- पहले लहसुन चोरी का आरोप लगाया, फिर कर दी हत्या
- मुंबई के बोरीवली में हुई वारदात, आरोपी गिरफ्तार

उधवा प्रखंड राधानगर थाना क्षेत्र के दक्षिण बेगमगंज सीताराम टोला के एक दिहाड़ी मजदूर की मुंबई के बोरीवली थाना क्षेत्र में बुधवार की रात अज्ञात लोगों ने बेरहमी से पीट पीट कर हत्या कर दी. युवक की पहचान स्व. विशंभर मंडल के पुत्र पंकज मंडल (35) के रूप में हुई है. उक्त युवक मुंबई के उपनगर बोरीवली थाना क्षेत्र में कुली का काम करता था. घटना के बाद पुलिस ने हत्यारोपी को गिरफ्तार कर लिया है.पुलिस फिलहाल घटना की छानबीन में पुलिस जुटी है. बताया जाता है कि राधानगर थाना क्षेत्र के मजदूर बड़ी संख्या में मुंबई के विभिन्न हिस्सों में मजदूरी करने जाते हैं. पंकज मंडल भी करीब पांच माह पूर्व मजदूरी करने मुंबई गया था. वह बोरीवली थाना क्षेत्र के बीएमसी में कुली का काम करता था. जानकारी के अनुसार बुधवार के

देर शाम घनश्याम बाघरी नामक व्यक्ति उसे एक बोरी लहसुन चोरी के आरोप में पकड़ कर एक गोदाम के पास गाली-गलौज व मारपीट करने लगा. जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है.

मौके पर मौजूद लोगों ने उक्त व्यक्ति को समझा-बुझा कर वहां से भेज दिया. वहीं पंकज मंडल के साथ कोई अनहोनी घटना न घटे, इसके बाद उक्त युवक के साथ काम कर रहे अन्य लोगों ने पंकज मंडल को गोदाम से करीब 200 मीटर की दूरी पर भेज दिया. थोड़ी देर बाद घनश्याम बाघरी और उसके पुत्र वहां पहुंचे और युवक को लात-घूसों से बेरहमी से पीट-पीट कर उसे मौत के घाट उतार दिया. पंकज मंडल के शव को सड़क पर फेंक कर दोनों फरार हो गए. घटना की सूचना पाकर बोरीवली थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों से घटना की जानकारी ली. इसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया. इधर मृतक युवक के साथ काम कर रहे अन्य लोगों ने घटना की सूचना मृतक के परिजनों को दी. सूचना मिलते ही मृतक के स्वजनों में मातम छा गया.

गहने चमकाने के नाम पर महिला से ठगी

10 लाख रुपये के गहने ले उड़े ठग

संवाददाता। जमशेदपुर

एमजीएम थाना अंतर्गत रिपीट कॉलोनी में गुरुवार को शातिर बदमाशों ने गहने साफ करने के नाम पर एक घर में घुस कर महिला से लाखों मूल्य के जेवरात की ठगी कर ली. घटना को बाइक सवार दो शातिर ठगों ने अंजाम दिया. पुलिस मौके पर पहुंची और पीड़ित परिवार से पूछताछ की. सीसीटीवी की भी जांच की.

सीसीटीवी फुटेज की मदद से पुलिस बदमाशों का पता लगाने में जुट गई है. रिपीट कॉलोनी की रहने वाली ब्यूटी सिंह के घर बाइक सवार दो युवक पहुंचे. उन्होंने खुद को पतंजलि कंपनी का कर्मचारी बता कर उन्हें प्रलोभन देकर गहने साफ करने की बात बताई. इसके बाद महिला ने अपने सारे गहने साफ करने के लिए उन्हें दे दिए.

पुलिस कर रही मामले की जांच : इस मामले में थाना प्रभारी राजू ने कहा कि मामला संज्ञान में आने के बाद कार्रवाई शुरू कर दी गई है. मामले की छानबीन की जा रही है.

सिल्ली में क्षेत्रीय गूंज महोत्सव का आगाज

राहे। सिल्ली में क्षेत्रीय गूंज महोत्सव का गुरुवार को आगाज हो गया. तीन दिवसीय यह महोत्सव सिल्ली स्टेडियम में होगा, जिसमें कई कार्यक्रम होंगे. उद्घाटन समारोह में कला संस्कृति के कार्यक्रमों के साथ समाज कल्याण और गरीब के उत्थान के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए गए. झारखंड की कला संस्कृति को प्रदर्शित करती हुई इस महोत्सव में एक साथ 500 कलाकारों ने छऊ नृत्य की अद्भुत पेशकश की. इसके अलावा 400 स्कूली छात्रों का सामूहिक नृत्य कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया.

कब्जा मुक्त नौकरी की मांग को लेकर कपंनी परिसर में डेरा जमाए बैठे थे आदिवासी समाज के रैयत

23 दिन बाद पुलिस ने माइनप कंपनी परिसर को खाली कराया

संवाददाता। बरोरा(धनबाद)

बीसीसीएल बरोरा क्षेत्र के मुराईडीह में भूमिगत खदान माइनप आउटसोर्सिंग कंपनी के मुख्य गेट को बंद कर 23 दिनों से कब्जा जमाए आदिवासियों और रैयतों से परिसर को गुरुवार को पुलिस बल की तैनाती में मुक्त करवाया गया.

पुलिस को देख कर लोग आक्रोशित हो गए. नेतृत्व कर रहे मनसा टूडू, मानो देवी, सहित लोग पारंपरिक हथियार दिखा कर ललकारने लगे. पुलिस के समझाने के बाद भी कंपनी का दरवाजा खोलने को तैयार नहीं हुए. पुलिस तथा लोगों में कहा-सुनी भी हुई. घंटों तनाव का माहौल रहा. पुलिस ने कड़े तेवर दिखाते हुए अंततः कंपनी गेट पर लगे ताले को तोड़ कर अंदर प्रवेश किया.

आंदोलन का नेतृत्व कर रहे मनसा टूडू व उसकी पत्नी मानो देवी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

पुलिस बल को देख रैयतों का तेवर नरम पड़ गया

पुलिस ने बल पूर्वक पुरुष आंदोलनकारियों को बाहर निकाला. साथ ही आंदोलन का नेतृत्व कर रहे मनसा टुडू एंव उनकी पत्नी मानो देवी को पुलिस गिरफ्तार कर थाने ले गई. वहीं पुलिस ने भारी मात्रा में पारंपरिक हथियारों को जब्त किया है. इसके बाद महिला पुलिस ने एक- एक कर महिलाओं को कंपनी परिसर से बाहर निकालने के बाद गेट पर ताला बंद किया और चाबी माइनप प्रबंधन को सौंप दिी. मालूम हो कि जमीन के बदले नियोजन की मांग को लेकर रैयत मानो देवी एवं उनके पति मनसा टुडू माइनप परिसर में कब्जा जमा कर 23 दिनों से धरने पर बैठे हुए थे. इस दौरान पुलिस प्रशासन एवं प्रबंधन कई बार वार्ता करने का आमंत्रित किया. लेकिन रैयत आदिवासी मानने को तैयार नहीं थे. कंपनी बंद रहने से डिवाटरिंग सहित अन्य कार्य बाधित हो गए थे.

पुलिस ने भारी मात्रा में पारंपरिक हथियार जब्त किया, आउट सोर्सिंग कंपनी हुई चालू

23 दिनों बाद पटरी पर लौटी माइनप कंपनी

कब्जा मुक्त होने से 23 दिनों बाद माइनप का कार्य पटरी पर लौट आया है . शाम को मुराईडीह परियोजना पदाधिकारी काजल सरकार के नेतृव में माइंस की गैस एवं पानी की जांच कर इमरजेंसी कार्य जैसे डिवाटरिंग कार्य एवं पंखा घर चालू किया गया. इसके बाद कंपनी प्रबंधन ने राहत की सांस ली.

समरेश सिंह की बहू परिंदा भाजपा में शामिल हो गयीं

प्रमुख संवाददाता। रांची

- **प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के समक्ष समर्थकों के साथ ग्रहण की पार्टी की सदस्यता**

वनांचल आंदोलन के प्रमुख नेता और पूर्व मंत्री समरेश सिंह की बहू डॉ परिंदा सिंह भाजपा में शामिल हो गई हैं. अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ रांची के प्रदेश भाजपा मुख्यालय में उन्होंने गुरुवार को भाजपा की सदस्यता ग्रहण की. इस मौके पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, विधायक दल के नेता अमर बाउरी, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी भी मौजूद थे. डॉ परिंदा सिंह ने कहा कि उनके ससुर (स्व समरेश सिंह) और भाजपा की विचारधारा एख जैसी है. इसी विचारधारा को धरातल पर उतारने के लिए उन्होंने भाजपा का दामन थामा है.

ब्रीफ खबरें

स्वयं सहायता समूह को दिया गया ऋण

धनबाद । टुंडी प्रखंड के कोलहर पंचायत में गुरुवार को आयोजित आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम में जेएसएलपीएस अंतर्गत संचालित स्वयं सहायता समूह को 06 लाख 80 हजार का ऋण प्रदान किया गया. साथ ही समूह के सदस्यों के बीच पहचान पत्र एवं फलदार पौधे भी बांटे गए.समूह की महिलाओं ने बताया कि इस ऋण की राशि से गौ पालन, बकरी पालन, राशन दुकान का संचालन किया जाएगा. सभी ने मुख्यमंत्री एवं जिला प्रशासन को आभार व्यक्त किया.

मुखिया ने निजी खर्च से चालू कराई मास्ट लाइट

महुदा । महुदा मोड़ स्थित बिनोद बिहारी महतो स्मारक स्थल पर वर्षों से बंद पड़े हाई मास्ट लाइट को कांड्रा पंचायत के मुखिया रिंकु देवी ने अपने निजी खर्च से मरम्मत कराकर चालू कराई. गुरूवार को महुदा मोड़ में एक कार्यक्रम आयोजित कर बाघमारा विधायक प्रतिनिधि शत्रुधन महतो एवं मुखिया रिंकु देवी के द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर व नारियल फोड़कर हाईमास्ट लाइट का उदघाटन किया. मौके पर भाजपा के जिला उपाध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि धनेश्वर महतो और अन्य उपस्थित थे.

लोन के लिए आए 400 से अधिक आवेदन

धनबाद । शहरी क्षेत्र में आयोजित आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम में लाभुकों को आवेदन देने के बाद भी स्वरोजगार के लिए ऋण की राशि नहीं मिल रही है. अलग अलग शिविरों से अभी तक 400 से अधिक आवेदन आए हैं. लेकिन एक भी लाभुक को ऋण प्राप्त नहीं हुआ है. इस संबंध में निगम के अधिकारियों ने बताया कि अलग अलग शिविरों से स्वरोजगार के लिए 10 हजार से लेकर 2 लाख रुपए तक के लोन के आवेदन आए हैं.

डुमरा दक्षिण पंचायत में सरकार आपके द्वार

बाघमारा। बाघमारा प्रखण्ड के डुमरा दक्षिण ग्राम पंचायत के डुमरा स्थित सम्पूर्ण शिक्षा केंद्र परिसर में गुरुवार के दिन आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के तहत शिविर का आयोजन किया गया. इस मौके पर शिविर का उद्‌घाटन डीआरडीए के निदेशक मुमताज अली, बाघमारा प्रमुख गीता देवी, बाघमारा प्रखण्ड विकास पदाधिकारी डॉ सुषमा आनंद, डुमरा दक्षिण पंचायत मुखिया आनंद कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया.

सिपाही अंबिका की ड्यूटी के दौरान मौत

धनबाद । एसएसपी आवास में सुरक्षा गार्ड के रूप में तैनात एक सिपाही (आरक्षी/1989) की ड्यूटी के दौरान मौत हो गई. मृतक सिपाही अंबिका सिंह गढ़वा का रहने वाला था. गुरुवार की सुबह अचानक उसकी तबीयत खराब हो गई. इलाज के लिए कुछ लोग उसे तत्काल पीएमसीएच ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया. अस्पताल के चिकित्सक ब्लड प्रेशर से ब्रेन हेमरेज की आशंका जताई है. वह 2021 से एसएसपी आवास में सुरक्षा गार्ड की ड्यूटी में था.

अयोध्या से कतरास पहुंचा अक्षत कलश

कतरास। अयोध्या से कतरास आए पवित्र अक्षत कलश का विहिप व आरएसएस के कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को नगर भ्रमण कराया. कलश यात्रा का नेतृत्व भाजपा कतरास मंडल के मंत्री और विहिप नेता रामकुमार साहू उर्फ छोटू कर रहे थे.सबसे पहले कतरास सत्यनारायण मंदिर में कलश की विधिवत पूजा की गई. इसके बाद जुलूस की शक्ल में कलश का नगर भ्रमण कराया गया. जो लखी नारायण मंदिर पहुंचा. जहां बसंती देवी को पवित्र कलश सौंपा गया.

खान मंत्रालय की टीम ने किया सिंफर का दौरा

धनबाद । भारत सरकार के खान मंत्रालय के सचिव बीएलके राव और उनकी टीम ने 14 दिसंबर को सीएसआईआर सिंफर का दौरा किया. इस दौरान टीम के सदस्यों ने सिंफर के कार्यों की जानकारी ली. सिंफर निदेशक प्रो. एके मिश्रा ने अतिथियों का स्वागत किया एवं खनन में संस्थान के योगदान की जानकारी दी. संस्थान के वैज्ञानिकों ने अधिकारियों के समक्ष खनन और ईंधन अनुसंधान में की जा रही कटिंग एज रिसर्च प्रौद्योगिकी और टेक्निकल डेवलपमेंट व इनोवेशन की जानकारी दी.

संसद की सुरक्षा में सेंध ने सभी को स्तब्ध कर दिया, इस घटना पर जनप्रतिनिधियों ने कहा

जब संसद की सुरक्षा ही खतरे में, तो आम आदमी का क्या होगा

धनबाद । 13 दिसंबर को संसद हमले की 22 वीं बरसी पर जहां एक ओर पूरे देश ने घटना में शहीद हुए सुरक्षा कर्मियों को श्रद्धांजलि दी ,वहीं शाम होते-होते हुई घटना ने देश को स्तब्ध कर दिया. साथ ही देश के सबसे अधिक सुरक्षित माने जाने वाले संसद की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए. यह आतंकी घटना होती या युवाओं द्वारा उड़ाई गई धुंआ जहरीली होती तो बड़ा हादसा हो सकता था. घटना की जांच व कार्रवाई केवल प्रकिया मात्र है. सवाल यह है कि संसद की सुरक्षा पर ही इतने सवाल उठ रहे हैं तो सोचिए कि आम लोगों का क्या होगा. इस मामले में जनप्रतिनिधियों के क्या विचार हैं, यह सभी को जानना जरुरी है. इस पर शुभम संदेश की स्पेशल रिपोर्ट....

दुर्भाग्यपूर्ण है इस तरह की घटना : राज सिन्हा

धनबाद विधायक राज सिन्हा का कहना है कि लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर में से एक संसद में इस तरह की घटना का होना दुर्भाग्यपूर्ण है . सुरक्षा व्यवस्था पर पहले से ज्यादा ध्यान देने और पिछली गलतियों से सबक लेने की जरूरत है . घटना की सुरक्षा एजेंसियों के द्वारा जांच करने और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करने की भी जरूरत है .

यह तो सुरक्षा में भारी चूक है : चंद्रशेखर सिंह

भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर सिंह ने कहा कि सभी पार्टी के नेताओं ने एकमत से यह स्वीकार किया है कि यह सुरक्षा में भारी चूक है . सुरक्षा को चाक-चौबंद बनाने के लिए लोकसभा के अध्यक्ष ने कई निर्णय लिए हैं . इस घटना के बाद सुरक्षा को लेकर सरकार कड़े कदम उठाएगी . जांच एजेंसी जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करे .

अचंभित करने वाली घटना है : पूर्णिमा नीरज सिंह

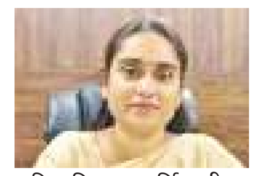

झरिया विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह ने कहा कि यह अचंभित करने वाला मामला है, यह सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है . उन्होंने कहा कि दोषियों पर कड़ी-से-कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए . साथ ही सुरक्षा एजेंसियों को इस ओर विशेष ध्यान देने की जरुरत है . ताकि आने वाले दिनों में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो .

दोषियों पर कड़ी कर्रवाई की जाए : रागिनी सिंह

भाजपा नेत्री रागनी सिंह ने कहा कि जांच के बाद दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए . उन्होंने कहा कि यह जांच का विषय है, जांच के बाद ही कुछ हो सकता है . संसद की सुरक्षा व्यवस्था पर कहा कि पहले से ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता है . ताकि इस तरह की घटनाएं फिर न हो .सुरक्षा के स्तर पर काफी सजग रहने की जरुरत है .

देश के लिए दुर्भाग्यपूर्ण घटना है : संतोष सिंह

कांग्रेस के धनबाद जिलाध्यक्ष संतोष सिंह ने कहा कि ये देश के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है . बड़ी-बड़ी बातें करने वाली इस सरकार की यही हकीकत है . जब देश का संसद सुरक्षित नहीं है तो देश के लोगों की जान की सुरक्षा की उम्मीद इनसे कैसे की जाए . संसद भवन में दोनों बार भाजपा सरकार के कार्यकाल में ही ऐसे दिन देखने पड़े हैं .

आंतरिक सुरक्षा की खुली पोल : अशोक

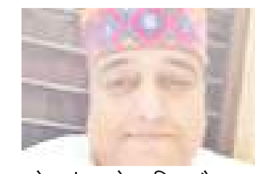

प्रदेश इंटक के सचिव और कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष अशोक लाल कहते हैं, अंतराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा का ढिंढोरा पीटने वाली सरकार की देश के अंदर की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खुल गई है . भाजपा के कार्यकाल में दोनों बार संसद भवन को शर्मसार होना पड़ा है . नेपाल और चाइना जैसे देश हमें आंख दिखा रहे हैं .

दो दिनों से कंपनी के एमडी महेंद्र समेत दर्जनों कर्मियों से पूछताछ कर रही टीम

अंकुर से धीरज साहू के कनेक्शन होने के कागजात खंगाल रहा आयकर विभाग

संवाददाता । निरसा

पिछले 48 घंटे से निरसा के तेतुलिया में शराब बनाने में इस्तेमाल होनेवाले स्प्रिट और बॉटलिंग कंपनी अंकुर बॉयोकेम से धीरज साहू के कनेक्शन होने की आशंका को लेकर कोलकाता और आसनसोल की आयकर विभाग की टीम छापामारी कर जांच पड़ताल कर रही है.

सूत्रों के अनुसार दो दिनों से कंपनी के एमडी महेंद्र शर्मा समेत दर्जनों कर्मियों से आयकर अधिकारियों की टीम पूछताछ कर रही है. दो दिनों से न तो कोई बाहर आ रहा है और न ही कोई भीतर जा पा रहा है. बुधवार सुबह पांच बजे से कंपनी में भीतर से जो ताला बंद है, दोबारा खुला ही नहीं है. लोगों के बीच चर्चा है कि ऐसा पहली हुआ है कि दो दिनों तक किसी कंपनी में आयकर विभाग की टीम लगातार छापामारी कर जांच पड़ताल कर रही है.

खास बातें

- टीएमसी के पूर्व विधायक के ठिकानों पर छापेमारी जारी
- छापेमारी टीम में एक दर्जन से अधिक अधिकारी-कर्मचारी

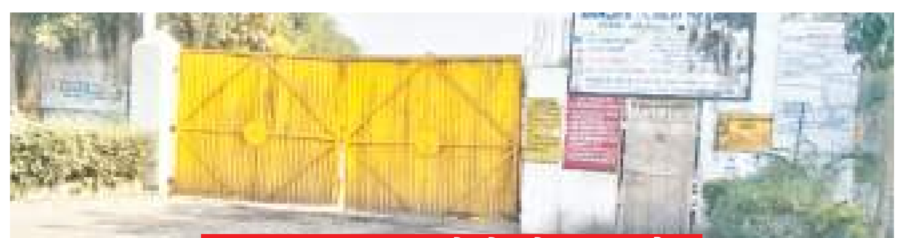

तार अंकुर कंपनी से तो जुड़े हुए नहीं है

संभावना जतायी जा रही है कि कहीं सांसद धीरज साहू के ठिकानों से मिले करोड़ों रुपये और कागजात के तार अंकुर कंपनी से तो जुड़े हुए नहीं है . वरना रूटीन छापामारी होती तो टीम कुछ ही घंटे में चली जाती . सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार टीम ने निरसा के साथ-साथ आसनसोल के टीएमसी नेता और पूर्व विधायक सोहराब अली के घर पर भी छापेमारी कर कारोबार से जुड़े दस्तावेज खंगालने में जुटी है . टीम में एक दर्जन से ज्यादा अधिकारी और कर्मचारी शामिल है . टीम ने बुधवार सुबह से गुरुवार रात तक कंपनी का गेट बंद किये हुए हैं . जांच पूरी होने के बाद ही मामले का खुलासा हो सकता है . आयकर के अधिकारी कुछ भी बताने को तैयार नहीं है .

आओ जानें

सामान्य ज्ञान

- प्लास्टर ऑफ़ पेरिस किससे बनता है - **जिप्सम**
- मधुमक्खी पालन क्या कहलाता है - **एपीकल्चर**
- बाल पेन किस सिद्धांत पर काम करता है - **पृष्ठीय तनाव**
- किसे सीमांत गांधी कहा जाता है - **खान अब्दुल गफ्फार खान**
- राजस्थान में खेतड़ी किसके लिए प्रसिद्ध है - **तांबे की खान**
- विटामिन्स की खोज किसने की - **फंक**
- संसार का विशालतम स्तनधारी है - **व्हेल मछली**
- भारत की सर्वाधिक बड़ी जनजाति है - **गोंड**
- भारत में भाषा के आधार बनने वाला पहला राज्य - **आंध्रप्रदेश**
- यूनेस्को द्वारा कलिंग पुरस्कार किस क्षेत्र के लिए दिया जाता है - **विज्ञान**

पानी, बिजली, विस्थापन पर परियोजना का काम रोका

संवाददाता ।कतरास

पानी बिजली सहित विस्थापन की मांग को लेकर सिजुआ 6/10के ग्रामीणों ने गुरुवार को मोदीडीह कोलियरी अंतर्गत 22/12 में संचालित परियोजना के विस्तारीकरण का विरोध करते हुए रास्ता बनाने का कार्य रोक दिया. इस दौरान ग्रामीणों ने जमकर हंगामा करते हुए प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी की.करीब दो घंटे के बाद प्रबंधन व ग्रामीणों के बीच वार्ता हुई, जहां अन्य दिनों की तरह पानी टेंकर से आपूर्ति कराने तथा शुक्रवार को विस्थापन को लेकर सिजुआ क्षेत्रीय कार्यालय में महाप्रबंधक के साथ वार्ता कराने पर सहमति बनी . बताया जाता है कि हिलटाप आउटसोर्सिंग कंपनी द्वारा 6/10 पेच के पास जैसे ही पीसी मशीन के साथ पहुंचे और हंगामा करने लगे. **मांगों पर पहल होगी तभी हटेंगे :** ग्रामीणों का कहना था कि जब तक उनकी मांगों पर पहल नहीं की जाएगी तब तक वे लोग नहीं हटेंगे. सूचना पाकर परियोजना पदाधिकारी एके झा, मैनेजर दशरथ सिंह, आउटसोर्सिंग के जीएम अंजय सिंह, जोगता थाना प्रभारी दीपक कुमार सहित सीआईएसएफ के जवान मौके पर पहुंचे. आंदोलनकारियों को काफी समझाने का प्रयास किया लेकिन वे लोग एक बात मानने को तैयार नहीं थे. इस बीच प्रबंधन के साथ ग्रामीणों की नोकझोख हुई.

थानेदार ने समझाने का प्रयास किया

महिलाओं के आक्रोश को देखते हुए बीसीसीएल अधिकारी व बल के जवान हट गये .जोगता थानेदार ने काफी समझाने का प्रयास किया . लेकिन लोग समझने को तैयार नहीं हो रहे थे अंतत : मशीन को मौके पर ही छोड़कर प्रबंधन वापस लौटना पड़ा जोगता थानेदार दीपक कुमार के हस्तक्षेप पर प्रबंधन वा ग्रामीणों के बीच वार्ता हुई .समाचार लिखे जाने तक काम बंद है .आंदोलन में अनिता देवी, रामू भुइयां, अरुण भुइयां, रजनी देवी, किरण कुमारी, गुड़िया प्रवीण, दुरगी देवी, सरस्वती देवी, उर्मिला देवी मौजूद थी .

नाबालिग से छेडखानी में तीन वर्ष की कैद

धनबाद । नाबालिग से छेड़छाड़ करने के आरोपी रायगंज निवासी दिनेश कर्मकार को अदालत ने सजा सुनाई है. धनबाद पोक्सो के विशेष न्यायाधीश प्रभाकर सिंह की अदालत ने दिनेश को तीन वर्ष की कैद की सजा सुनाई है. प्राथमिकी पीड़िता के पिता की शिकायत पर तोपचांची थाने में दर्ज की गई थी. प्राथमिकी के मुताबिक 19 फरवरी 2023 को दिन के दो बजे पीड़िता नदी में कपड़ा धोने जा रही थी कि उसी वक्त बाइक से आए दिनेश ने उसके साथ जबरदस्ती करने का प्रयास किया था. अनुसंधान के बाद पुलिस ने 28 फरवरी23 को आरोप पत्र दायर किया था.

'मानदेय वृद्धि को लेकर धरना पर बैठेंगे सहायक अध्यापक'

संवाददाता ।कतरास

सहायक अध्यापक संघ ने नया प्राथमिक विद्यालय खास गोबिंदपुर में गुरुवार को पत्रकार वार्ता का आयोजन किया.इस दौरान सहायक अध्यापक संघ के अध्यक्ष चंदन मोदक ने बताया कि लगभग तीन महीनों से 4 प्रतिशत वार्षिक मानदेय वृद्धि को लेकर हम सभी सहायक अध्यापक पत्रचार कर रहे हैं.

जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला उपायुक्त, नगर आयुक्त एवं राज्य के परियोजना निदेशक तथा शिक्षा सचिव को भी लिखित ज्ञापन दिया गया. परन्तु अब तक किसी तरह की कोई पहल नहीं की गई है.विवस होकर हम अध्यापक आंदोलन का रास्ता चुन रहे हैं . मांगों को लेकर शनिवार को एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया जाएगा. जिसमें शहरी क्षेत्र के सहायक अध्यापक, अध्यापिकाओं की उपस्थित होंगी.साथ ही कहा गया कि आगामी 19 दिसंबर को समन्वय समिति के आह्वान पर सभी सहायक अध्यापकों को एक दिन का अवकाश लेकर रांची विधानसभा घेराव में अपनी उपस्थिति दर्ज करते हुए आंदोलन को धारदार बनाए.

बीसीसीएल के सिजुआ कार्यालय में 26 दिसंबर को तालाबंदी की चेतावनी

रैयतों की हकमारी नहीं होने देंगे : इसराफिल

संवाददाता ।तेतुलामारी/धनबाद

बीसीसीएल एरिया पांच की तेतुलमारी कोलियरी में संचालित चेन्नई राधा आउटसोर्सिंग कंपनी में रैयतों को मुआवजा व नियोजन को लेकर उत्पन्न विवाद सुलझने का नाम नहीं ले रहा है. जिला परिषद सदस्य इसराफिल उर्फ लाला ने गुरुवार को तेतुलामारी रंगलीटांड़ हरी मंदिर परिसर में पत्रकार वार्ता में कहा कि बंदूक का भय दिखाकर रैयतों को डराया जा रहा है. धारा 144 लगाकर उनकी हकमारी का षड्‌यंत्र रचा गया है. रैयतों की जमीन से प्रबंधन कोयला तो निकालना चाहता है, लेकिन उन्हें जमीन का मुआवजा और नियोजन देने को तैयार नहीं है. बंदूक के बल पर किसी भी सूरत में रैयतों का हक छीनने नहीं दिया जाएगा.

घेराव किया जाएगा : लाला ने कहा कि प्रबंधन की तानाशाही के खिलाफ 26 दिसंबर को बीसीसीएल के सिजुआ क्षेत्रीय कार्यालय में तालाबंदी और घेराव किया जाएगा.उन्होने क्षेत्र के जिला परिषद सदस्य, मुखिया व पंचायत समिति सदस्य से इस आंदोलन में सहयोग की अपील की. कहा कि यदि इसके बाद भी मांग की पूर्ति नहीं हुई, तो उपायुक्त कार्यालय पर धरना दिया जायेगा. मौके पर रंजीत महतो, भागीरथ महतो, धनेश्वर प्रसाद महतो, राजू महतो व अन्य मौजूद थे.

लापरवाही डॉक्टर और टेक्नीशियन भी नहीं, टीबी मरीजों की बढ़ी परेशानी

11 माह बाद भी टीबी सेंटर का नहीं हुआ स्थानांतरण

संवाददाता ।धनबाद

सदर अस्पताल प्रांगण में स्थित एमडीआर टीबी सेंटर को शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में शिफ्ट करना था. इसके लिए जनवरी 2023 की तारीख तय की गई थी, लेकिन लगभग साल बीतने वाला है, अभी तक इस पर कोई ठोस पहल नहीं की जा सकी है. अभी जहां पर यह सेंटर संचालित है वहां पर कोई डॉक्टर और टेक्नीशियन नहीं है. ऐसे में यहां गंभीर मरीजों को भर्ती नहीं कराया जा पा रहा है. इसे गंभीर मरीजों को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है. यह स्थिति तब है जब जिले से लगातार टीबी के मरीज मिल रहे हैं.

क्या है एमडीआर

मालूम हो कि सामान्य टीबी के मरीजों को छह महीने दवा खानी होती है, लेकिन एमडीआर टीबी के मरीजों को लगातार दो साल तक दवा खानी पड़ती है . मरीज डॉक्टर निगरानी में दवा शुरू करते हैं . इसके लिए उन्हें कम से कम एक सप्ताह भर्ती किया जाता है . इस दौरान डॉक्टर मरीज के शरीर पर दवाओं के प्रभाव का आकलन करते हैं . साइडइफेक्ट होने पर मरीज की दवाएं बदली जाती हैं . लेकिन धनबाद में ऐसा नहीं हो रहा है . यहां दिखाने के लिए डॉट प्लस सेंटर तो खोल दिया गया है लेकिन वहां मरीजों को भर्ती नहीं लिया जाता . यह सेंटर दवा वितरण केंद्र बनकर रह गया है . दिन में यह सेंटर खुलता है और शाम होते ही बंद हो जाता है . यहां आने वाले मरीजों को दवा दे दी जाती है और उन्हें घर भेज दिया जाता है . जिला में एमडीआर टीबी का करीब 20 एक्टिव केस हैं .

2025 तक टीबी के खात्मे का लक्ष्य

केंद्र सरकार ने वर्ष 2025 तक टीबी (यक्ष्मा) के खात्मे का लक्ष्य रखा है . इसके लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा कई योजनाएं चलाई जा रही हैं . बावजूद जिला में मल्टी ड्रग रेसिस्टेंट (एमडीआर) टीबी के मरीजों के साथ इलाज के नाम पर मजाक किया जा रहा है . इन मरीजों के इलाज को सिविल सर्जन कार्यालय कैंपस में बना डॉट प्लस सेंटर सिर्फ दिखावे के लिए है . इस सेंटर में न डॉक्टर हैं और न यहां मरीजों को भर्ती लिया जाता है .

अस्पताल में अलग वार्ड तक नहीं

मरीजों की संख्या लगातार बढ़ने के बावजूद 700 बेड वाले एसएनएमएमसीएच में टीबी से पीड़ित मरीजों के लिए अलग वार्ड तक नहीं है . उनका इलाज सामान्य रोगियों के बीच किया जाता है . पुरुष मरीजों को मेल मेडिसिन और महिलाओं को फीमेल मेडिसिन वार्ड में रखा जाता है . सामान्य रोगी अक्सर इस व्यवस्था का विरोध करते हैं, लेकिन अस्पताल प्रबंधन ने इस मुद्दे पर कभी गंभीरता नहीं दिखाई . सेंटर में आने वाले मरीजों को खाने की कोई व्यवस्था नहीं है .

जागरूकता के अभाव में तेजी से फैल रहा संक्रमण

डॉट्स सेंटर के मेडिकल अफसर डॉ.सत्यम का कहना है कि टीबी संक्रामक बीमारी है . इससे पीड़ित मरीज के खांसने से ही यह तेजी से फैलता है . काफी संख्या में ऐसे मरीज भी हैं, जो इलाज अधूरा छोड़कर सेंटर आना छोड़ देते हैं .

कोर्ट कॉलम

कानून के रक्षक भी अपने को सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे

न्याय तक पहुंचने की सीढ़ी हमारे अधिवक्ता हैं. समाज के हर वर्ग को न्याय दिलाते हैं, लेकिन सरकार की इनके प्रति भी कुछ जिम्मेदारियां हैं. इनमें जिम्मेवारियों में सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है, खुद अधिवक्ता वर्ग अपनी सुरक्षा को लेकर कई बार आवाज बुलंद कर चुके हैं लेकिन इनको अब तक घोषणाओं और वादों के अलावा कुछ नहीं मिला. जबकि धनबाद में तो जेल जैसी जगह भी सुरक्षित नहीं रही. ऐसे में एक बार फिर धनबाद के अधिवक्ता शुभम संदेश के साथ अपनी आवाज को बुलंद कर रहे हैं.....

अधिवक्ताओं को भी मिले सुरक्षा : जावेद

मो . शाहिद उर्फ जावेद का कहना है कि न्यायिक व्यवस्था की सबसे मजबूत कड़ी अधिवक्ता होते हैं, ऐसे में जब वे खुद सुरक्षित नहीं रहेंगे तो फिर दूसरों को न्याय कैसे दिलाएंगे . सरकार से यही मांग है कि जल्द से जल्द अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम को लागू किया जाए . ताकि काम करने में सुविधा हो .

नए दोस्त तो नए दुश्मन भी : धनंजय कुमार सिंह

धनंजय कुमार सिंह कहते हैं कि मुकदमा दो पक्षों में होता है और एक पक्ष ही जीतता है, जबकि हम अधिवक्ता दोनों तरफ से लड़ते हैं . ऐसे में हर दिन नए दोस्त और नए दुश्मन भी खड़े होते हैं . इसलिए अधिवक्ताओं की सुरक्षा को देखते हुए अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम को लागू किया जाए .

कानून के रक्षकों की हो सुरक्षा : सुमन पाठक

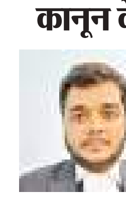

सुमन पाठक का कहना है कि कानून के रक्षकों की सुरक्षा काफी जरूरी है . सरकार को इस ओर ध्यान देना होगा, तभी अधिवक्ता समाज खुलकर काम कर सकेगा . अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम को जल्द से जल्द से धरातल पर लाने की आवश्यकता है .

हर दिन नई चुनौतियों से सामना : संदीप कुमार

संदीप कुमार का कहना है कि िअधिवक्ता समाज हर दिन नई चुनौतियों से रूबरू होता है . कानून की लड़ाई में कई दुश्मन बन जाते हैं, ऐसे में कोर्ट परिसर में सख्त सुरक्षा व्यवस्था होना चाहिए . यदि अधिवक्ता समूदाय को कोई नाहक परेशान करता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए .

ताकि हम बेखौफ कर सके काम : अभिषेक

इस संबंध में अभिषेक प्रताप सिंह कहते हैं कि हम थानों में जाते हैं तो पुलिस का सलूक अवश्वहारिक होता है . ऐसे में कोई अधिवक्ता यदि अपने दायित्वों का सही से निर्वहन करे तो विवाद हो जाएगा . ऐसा में हम अधिवक्ताओं को कानूनी रूप से इस बात की सुरक्षा मुहैया होनी चाहिए कि हम कानून का काम पूरी हिफाजत के साथ कर सके .

रिश्वत का आरोपी दरोगा गया जेल

धनबाद । केस डायरी हल्का कर देने के नाम पर दस हजार रुपए रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़े गए लोयाबाद थाना के एएसआई मनोज मिश्रा को एसीबी ने गुरुवार को कोर्ट में पेश किया. एसीबी के विशेष न्यायाधीश नीरज विश्वकर्मा की अदालत ने दरोगा मनोज को चौदह दिनों के न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है. प्राथमिकी शकील की शिकायत पर एसीबी ने दर्ज की थी. प्राथमिकी के मुताबिक लोयाबाद थाना क्षेत्र में शकील और उसके पड़ोसियों के साथ कुछ विवाद हुआ था. जिसको लेकर एफआईआर दर्ज की गई थी.इसी मामले में लोयाबाद थाना के एएसआई मनोज कुमार मिश्रा ने केस हल्का करने और एफआईआर से दो लोगों का नाम हटाने के एवज में शकील से तीस हजार रुपए की मांग की थी.

ब्रीफ खबरें

अबुआ आवास के लाभुकों का हुआ सर्वे

बेंगाबाद (गिरिडीह)। बेंगाबाद प्रखंड के चपुआडीह पंचायत में गुरुवार को अबुआ आवास योजना के लाभुकों के चयन के लिए जांच कमेटी ने सर्वे किया. जांच कमेटी ने पंचायत के फूच्चो गांव में लाभुकों के आवास पर जाकर सर्वे किया. जांच दल में नोडल पदाधिकारी मुजफ्फर अली, पंचायत के मुखिया मो शमीम समेत अन्य लोग उपस्थित थे. इस संबंध में मुखिया ने बताया कि फूच्चो गांव में 9 लाभुकों के घर का सर्वे किया गया है. सर्वे के बाद जांच रिपोर्ट पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है.

अंतर्विभाग समन्वय समिति की हुई बैठक

बोकारो । सिविल सर्जन कार्यालय के सभागार में गुरुवार को सहायक नगर आयुक्त मुक्ति कीरो एवं सिविल सर्जन डॉ दिनेश कुमार की अध्यक्षता में नगर स्तरीय अंतर्विभाग अभिसरण समन्वय समिति की बैठक हुई. इस दौरान सिविल सर्जन डॉ दिनेश कुमार ने कहा कि शहरी क्षेत्र में रहने वाले झुग्गी बस्तियों के लोगो तक स्वस्थ्य सेवाएं पहुंच रह है या नहीं इसकी जानकारी ली जाएगी साथ ही 4 तरह के जांच किट के द्वारा मरीजों की जांच की जाएगी.

फाइनल में तुलबुल ने 3 गोल से मैच जीता

बेरमो। गोमिया प्रखंड के आईईएल ग्राउंड में दो दिवसीय मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया. जिसका फाइनल मैच गुरुवार को तुलबुल पंचायत की टीम एवं धवैया पंचायत की टीम के साथ खेला गया. संघर्षपूर्ण मुकाबले में तुलबुल पंचायत की टीम 3 गोल से विजयी रही. इस टूर्नामेंट के फाइनल मैच के विजेता एवं उप विजेता टीम के खिलाड़ियों को प्रखंड प्रमुख प्रमिला चौड़े, कौशल्या देवी, बीडीओ महादेव महतो, सीओ प्रदीप महतो आदि ने सम्मानित किया.

शिविर संयुक्त रूप से करने का किया विरोध

कसमार (बोकारो)। कसमार प्रखंड मुख्यालय में आगामी 18 दिसंबर को आयोजित होनेवाले आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम का विरोध गर्री पंचायत के ग्रामीणों ने की है. ग्रामीणों ने इसकी लिखित शिकायत कसमार बीडीओ से करते हुए कार्यक्रम में बदलाव करने की बात कही है. गर्री पंचायत के ग्रामीणों ने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन इसलिए सरकार कर रही है ताकि अंतिम व्यक्तियों तक सरकार की योजनाएं पहुंच सके.

ओवरब्रिज का काम रोकना दुर्भाग्यपूर्ण

बेरमो। विस्थापित संघर्ष समिति, गोमिया की बैठक समिति के अध्यक्ष विनय महतो की अध्यक्षता में हुई संपन्न. बैठक में उपस्थित सचिव राकेश कुमार ने कहा कि गोमिया में रेल ओवरब्रिज गोमिया की जनता की वर्षों पुरानी मांग थी, ओवरब्रिज का काम शुरू होने के बाद निर्माण कार्य को रोका जाना दुर्भाग्यपूर्ण है. उन्होंने कहा जैसे ही इस रेल ओवरब्रिज का काम शुरू हुआ था गोमिया के लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई थी, क्योंकि ओवरब्रिज की वर्षों पुरानी मांग व जरूरत थी.

फुसरो नप के वार्ड 22 में हुआ कार्यक्रम

बेरमो। फुसरो नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड नंबर 22 पटेल नगर स्थिति मंचमुखी महाविर मंदिर समीप गुरुवार को आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इसका उद्घाटन बेरमो विधायक कुमार जयमंगल सिंह, बीडीओ मधु कुमारी, सीओ संजीत कुमार, गोपेश कुंभकार, राकेश कुमार सिंह, छेदी नोनिया आदि ने संयुक्त रूप से किया. कुल 18 विभाग के लाभुकों के बीच परिसंपत्ति का वितरण अतिथियों द्वारा किया गया.

वार्ड सदस्य के पति को जान से मारने की धमकी

गावां (गिरिडीह)। गावां थाना क्षेत्र स्थित नीमाडीह पंचायत के गोरियांचु निवासी वार्ड सदस्य 11 के पति ब्रह्मदेव टुडु ने गावां थाना को आवेदन देकर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है. आवेदन में कहा गया है कि बुधवार की देर शाम मेरे मोबाइल पर फोन करके धमकी दी गई कि तुम बहुत तेज बनते हो तुम्हें जान से मार देंगे. साथ ही साथ मोबाइल पर काफी गाली-गलौज भी की गई. उन्होंने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है.

प्रोस्टेट का ऑपरेशन करवाकर कसमार लौटे बुजुर्ग मांदर वादक प्रयाग महतो

अब आपूर्ति विभाग से हर महीने मिलेगा फ्री राशन

शुभम संदेश इंपैक्ट

शेखर शरदेंदु। बोकारो

खास बातें

- छह साल से कार्यालयों का चक्कर लगा रहे थे
- रांची के एक निजी क्लीनिक में हुआ ऑपरेशन

बोकारो जिले के कसमार प्रखंड के सुदूरवर्ती गांव सिंहपुर निवासी 70 वर्षीय प्रयाग महतो काफी खुश हैं, क्योंकि जो कार्य 6 साल से सरकारी कार्यालयों व बाबुओं का चक्कर लगाने के बाद नहीं हुआ, वह सिर्फ शुभम संदेश की खबर के असर से चुटकी में समस्या का हल हो गया. उनका प्रोस्टेट का ऑपरेशन रांची के एक निजी क्लिनिक में आयुष्मान कार्ड से निःशुल्क हो गया. बताते चलें कि सिंहपुर निवासी प्रयाग महतो झारखंड के चर्चित मांदर वादक लोक कलाकार हैं. उन्होंने दर्जनों बार रांची स्थित आकाशवाणी एवं दूरदर्शन में अपनी प्रस्तुति दी. लगभग सात साल से वे राशन कार्ड में नाम चढ़ाने के लिए सरकारी दफ्तरों का चक्कर लगा रहे थे, लेकिन नहीं बना. तीन माह पहले जब वे प्रोस्टेट की बीमारी व दर्द से परेशान हो गए, तो आयुष्मान कार्ड के बगैर चिकित्सा नहीं करवा पा रहे थे. आयुष्मान कार्ड बनवाने की शर्त है कि राशन कार्ड में नाम रहना अनिवार्य होता है.

इस स्थिति में समाचार संकलन करने कसमार प्रखंड कार्यालय पहुंचे शुभम संदेश के संवाददाता को उन्होंने अपनी आपबीती सुनाई. एक नवंबर के अंक में शुभम संदेश अखबार ने आयुष्मान कार्ड के लिए ठोकरें खा रहे हैं प्रयाग महतो शीर्षक के साथ प्रमुखता के साथ प्रकाशित की. खबर छपते ही बेरमो के सामाजिक कार्यकर्ता विकास कुमार गुप्ता की ट्वीट के बाद सूबे के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने इसपर संज्ञान लेते हुए अविलंब राशन कार्ड में नाम जोड़ने व आयुष्मान कार्ड बनाकर स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने का निर्देश बोकारो डीसी को दिया. इसके बाद पुनः 2 नवंबर के अंक में मंत्री ने लिया संज्ञान, प्रयाग महतो के इलाज का दिया निर्देश शीर्षक के साथ खबर छपी. इसके बाद बोकारो डीसी कुलदीप चौधरी ने जिले के आपूर्ति पदाधिकारी व सिविल सर्जन को ट्वीट कर प्रयाग महतो से संपर्क कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया. दो सप्ताह की सरकारी प्रक्रिया के बाद आखिर प्रयाग का राशन कार्ड में नाम चढ़ा और आयुष्मान कार्ड भी बन गया था.

आओ जानें
सामान्य ज्ञान

- चीन की मुद्रा कौनसी है – युआन
- संविधान की 8वीं अनुसूची में कितनी भाषाओं को मान्यता है – 22
- हैदराबाद किस नदी पर बसा है – मूसी
- पृथ्वी दिवस कब मनाया जाता है – 22 अप्रैल
- ओलंपिक ध्वज में कितने गोले हैं – 5
- स्वेज नहर किन दो सागरों को जोड़ती है – भूमध्यसागर व लाल सागर
- कोशिका का पावरहाउस किसे कहा जाता है – माइटोकोंड्रिया
- योजना आयोग का अध्यक्ष कौन होता है – प्रधानमंत्री
- भिलाई इस्पात संयंत्र का निर्माण किस देश के सहयोग से हुआ था – रूस
- संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिंदी में भाषण देने वाले भारतीय – अटल बिहारी वाजपेयी

झारखंड की नयी कमेटी का किया गया गठन

डॉ गंगवार चेयरमैन, सोमेन चक्रवर्ती बने वाइस चेयरमैन

- विद्यार्थियों को आत्मरक्षा के गुर सिखाएगा एसोसिएशन

संवाददाता। बोकारो

शिक्षित, स्वस्थ एवं सशक्त युवा पीढ़ी तैयार करने की सोच के साथ खेल कराटे एसोसिएशन ऑफ झारखंड ने एक अनूठी पहल की है. एसोसिएशन ने पूरे राज्य में स्कूली विद्यार्थियों के साथ-साथ अन्य जगहों से जुड़े इच्छुक बच्चों को कराटे का निःशुल्क प्रशिक्षण देकर सबल बनाने का बीड़ा उठाया है. इसके लिए संगठन को पूरे झारखंड में एक नया आकार व स्वरूप दिया जा रहा है. इसी कड़ी में गुरुवार को कराटे एसोसिएशन ऑफ इंडिया (केएआई) से संबद्ध खेल कराटे एसोसिएशन, झारखंड की प्रदेश कमेटी का पुनर्गठन किया गया. नई कमेटी में डीपीएस बोकारो के प्राचार्य एवं डॉ राधाकृष्णन सहोदया स्कूल कॉम्प्लेक्स के अध्यक्ष डॉ एएस गंगवार चेयरमैन, गुरु गोविन्द सिंह पब्लिक स्कूल, सेक्टर-5 के प्राचार्य सोमेन चक्रवर्ती वाइस चेयरमैन, राजेन्द्र प्रसाद पब्लिक स्कूल के प्राचार्य मुकेश कुमार प्रेसिडेंट तथा सिंहान खेदु गोराईं महासचिव बनाए गए हैं. इनके अलावा, संगठन में मोहन कुमार कोंदंगकल को कोषाध्यक्ष तथा लखीकांत साहु एवं आनंद शंकर को संयोजक बनाया गया है.

भावी रणनीति पर हुआ विचार-विमर्श

नवगठित कमेटी के पदाधारियों ने गुरुवार को डीपीएस बोकारो में एक बैठक के दौरान संगठन की भावी योजनाओं व रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया. चेयरमैन डॉ गंगवार व अन्य पदाधारियों ने बताया कि एसोसिएशन स्कूली बच्चों के साथ-साथ अन्य खिलाड़ियों को भी जोड़ते हुए कराटे को खेल के रूप में राज्य स्तर से ओलंपिक यानी विश्व स्तर तक ले जाने की दिशा में काम करेगा. बच्चा-बच्चा आत्मरक्षा की कला से युक्त बन सके, इसके लिए विद्यार्थियों को एसोसिएशन पूर्णतया नि:शुल्क प्रशिक्षित करेगा. उन्होंने कहा कि कराटे न केवल एक खेल, बल्कि शारीरिक स्फूर्ति प्रदान करने वाला आत्मरक्षा का बेहतर जरिया भी है. विशेषकर, बेटियों के लिए यह एक वरदान से कम नहीं है. उन्हें इस खेल में निपुण बनाना आवश्यक है. बैठक में प्रेसिडेंट मुकेश कुमार ने बताया कि अगले तीन महीने के भीतर झारखंड के सभी जिलों में नई कमेटियां बनाकर एसोसिएशन का विस्तार किया जाएगा.

कराटे को नया आयाम मिलेगा

महासचिव सिंहान खेदु गोराईं ने कहा कि ऐसे कई प्रशिक्षक हैं, जो अलग-थलग होकर जहां-तहां कराटे का प्रशिक्षण दे रहे हैं. एसोसिएशन की प्राथमिकता होगी कि उन सभी को एक साथ एक मंच पर जोड़कर झारखंड में कराटे को एक नया आयाम दिलाया जाय. सभी के प्रयास व सहयोग से ही हम इस खेल को राज्य से विश्व स्तर तक ले जा सकते हैं. उन्होंने बताया कि आगामी 20-21 जनवरी 2024 को कोलकाता में होने वाले ईस्टर्न इंडिया कराटे चैंपियनशिप के लिए एसोसिएशन झारखंड के खिलाड़ियों की सशक्त टीम तैयार कर उसे राज्य का प्रतिनिधित्व करने भेजेगा. आनेवाले समय में संगठन कराटे की विभिन्न स्पर्द्धाओं का आयोजन करेगा.

मुखिया नूरउद्दीन अंसारी ने बच्चों के बीच बांटे स्वेटर

डुमरी (गिरिडीह)। कल्हाबार पंचायत के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में संचालित आंगनबाड़ी केंद्र दुधमटिया में नामांकित 30 बच्चों के बीच विभाग द्वारा उपलब्ध कराये गये स्वेटर का वितरण गुरुवार को पंचायत के मुखिया नूरउद्दीन अंसारी ने किया. मुखिया नूरउद्दीन अंसारी ने बच्चों से नियमित आंगनबाड़ी केंद्र आने एवं उसमें मिलने वाली सुविधाओं का लाभ लेने की अपील की साथ ही केंद्र की आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिका को नौनिहालों के साथ साथ मातृ-धातृ को मिलने वाले सुविधाओं से पोषक क्षेत्र के महिलाओं को लाभान्वित करने के लिए निर्देश दिया. वहीं, मुखिया ने कहा कि ठंड से बचाव में स्वेटर अहम होगा. इस दौरान आंगनबाड़ी केंद्र सेविका मालती देवी सहायिका शोभा देवी आदि उपस्थित थे.

सिविक एक्शन प्रोग्राम के तहत ग्रमीणों को कई सामान दिए गए

संवाददाता। पीरटांड़ (गिरिडीह)

पीरटांड़ प्रखंड के खखरा थाना क्षेत्र के कई गांवों में सीआरपीएफ 154 बटालियन द्वारा जरूरतमंद लोगों एवं खिलाड़ियों के बीच सामग्री का वितरण किया गया. बता दें कि यह कार्यक्रम सीआरपीएफ कमांडेंट अच्युता नंद के निर्देश पर किया गया. खुखरा थाना क्षेत्र के गारदी, मारनी, दुदकीटाड, सौरैया, मधुकंटा गांव में सिविक एक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया. जिसमें प्राथमिक विद्यालय गारदी में उपरोक्त गांवों के लोगों के बीच घरेलू उपयोग के सामान के साथ-साथ बच्चों की पढ़ाई हेतु नोट वुक, पैंसिल और स्कूल वैग सहित बच्चों को खेल सामग्री का वितरण किया गया. इसके अतिरिक्त गांव की महिलाओं को साड़ी, कंबल, बर्तन, मच्छरदानी व सोलर लालटेन का भी वितरण किया गया. इस अवसर पर ई/154 समवाय के अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी एवं जवानों ने गांव के स्थानीय लोगों के साथ मिलकर सिविक एक्शन कार्यक्रम वितरण की प्रक्रिया को पूर्ण किया.

इस अवसर पर ई/154 समवाय के कमान अधिकारी विजय सिंह मीना (सहा. कमा.) ने बताया कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से स्थानीय लोगों व पुलिस बल के बीच आपसी भाईचारे की भावना को बढ़ावा मिलेगा. इस अवसर पर डीएस भाटी, विजय सिंह मीना, अजित कुमार महतो, केशव पाठक, राम सागर किस्कू, राजेंद्र ठाकुर शामिल थे.

आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम

सरकार की योजनाएं सभी को मिले : पूर्व विधायक

संवाददाता। गावां (गिरिडीह)

गावां के माल्डा में आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए पूर्व विधायक निजामुद्दीन अंसारी ने कहा कि आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का उद्देश्य सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है. शिविर में जितने भी आवेदन ग्रामीणों ने दिए हैं, पदाधिकारियों का कर्तव्य है कि समय सीमा के अंदर उसका निपटारा करें.

जरूरतमंदों की सहायता के लिए अलग से स्टॉल लगाया गया जा रहा है जहां पूछताछ कर सकते हैं. बीडीओ महेंद्र रविदास ने सरकार की योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि वे उसका लाभ उठाएं. शिविर में लाभुकों के बीच धोती, साड़ी, लूंगी और कंबल का वितरण किया गया. केंद्र की ओर से स्वास्थ्य शिविर लगाया गया जहां शिविर में आए रोगियों का इलाज किया गया और दवा दी गई. शिविर में सीओ अविनाश रंजन, बीस सूत्री अध्यक्ष अजय कुमार सिंह, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष रणधीर चौधरी, झामुमो जिला उपाध्यक्ष इमरान अंसारी, मुखिया गायत्री देवी, पंसस पिंटू कुमार, अजित तिवारी, दिनेश पांडेय, प्रभारी बीएओ प्रदीप राम, मनरेगा बीपीओ भीखदेव पासवान, नंदकिशोर सिन्हा, रवींद्र बर्णवाल, पंकज कुमार, मनी यादव, सतीश चौधरी, सीआई सुखदेव वर्मा, परमेश्वर उरांव, पप्पू राय, बीपीओ गंगाधर पांडेय मौजूद थे.

जनप्रतिनिधि को जनता से कोई लेना-देना नहीं : राजेश यादव

भाकपा माले की बैठक में कई मुद्दों पर हुई चर्चा

संवाददाता। बेंगाबाद (गिरिडीह)

बेंगाबाद प्रखंड के बदवारा में गुरुवार को भाकपा माले की एक बैठक ग्रामीणों के साथ हुई. बैठक में इलाके के ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा की गई. बैठक में ग्रामीणों ने बदवारा जाने वाली सड़क की जर्जर हालत पर चर्चा करते हुए कहा कि बिहार को जोड़ने वाली इस महत्वपूर्ण सड़कों के नहीं बनने से स्थानीय लोगों को बहुत परेशानी हो रही है. सरकार के नुमाइंदे जनता के बुनियादी सवालों पर भी ध्यान नहीं दे रहे हैं. बैठक में भाकपा माले नेता सह का अखिल भारतीय किसान महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश यादव ने कहा कि जन प्रतिनिधि जन सवालों पर चुप्पी साधे हुए हैं. उन्हें जनता की तकलीफों से कोई लेना-देना नहीं. इसलिए लोगों को एकजुट होकर अपने सवालों पर संघर्ष शुरू करना होगा. उन्होंने बैठक में उपस्थित लोगों से आगामी 18 दिसंबर को धनवार में होने वाले भाजपा हटाओ देश बचाओ संकल्प सभा में भाग लेने की अपील की.

बैठक में यह निर्णय लिया गया कि 18 दिसंबर की सभा के बाद जन सवालों पर संघर्ष शुरू करने के लिए संगठन विस्तार का काम शुरू किया जाएग. बैठक की अध्यक्षता रामलाल मुर्मू ने की, जबकि संचालन कमरुद्दीन अंसारी ने किया. मौके पर नकुल यादव, चरकू मियां, बलदेव वर्मा, गंगा विश्वकर्मा, कांग्रेस दास, बलदेव राय, सहदेव राय, शिवलाल हेंब्रम, रामचंद्र राय, राजेश हेंब्रम, गौरीशंकर राय, मुमताज आदि मौजूद थे.

किसानों को मिला तरबूज लगाने का प्रशिक्षण

कसमार (बोकारो)। कसमार प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में प्रदान संस्था की ओर से किसानों को तरबूज लगाने एवं उसके उत्पादन के तौर तरीकों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है. इसी के तहत गुरुवार को कसमार प्रखंड के मुरहुलसुदी पंचायत सचिवालय में क्षेत्र के दर्जनों किसानों को प्रशिक्षण दिया गया. इस दौरान सोलर सिस्टम एवं आम बागवानी की भी जानकारी दी गयी. इस अवसर पर प्रदान संस्था जैनामोड़ एवं ग्रामीण हरित क्रांति महिला फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी के प्रशिक्षक विभा कुमारी के द्वारा आम आम बागवानी एवं छोटे छोटे जमीन के भू-भाग में नई तकनीक से तरबूज की खेती लगाने की विधि, बीज उपचार, जमीन का चयन, देख-रेख, दवा का छिड़काव एवं बाजार के सुविधा के लिए एफपीसी के साथ मिलकर व्यापार को बढ़ावा देने से संबंधित विस्तृत जानकारी दी गई.

युवा महोत्सव सभ्यता व संस्कृति का महापर्व

- मुख्य अतिथि विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग की कुलपति शामिल थे

संवाददाता। धनवार (गिरिडीह)

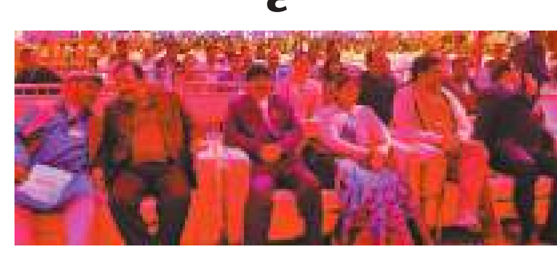

आदर्श कॉलेज राजधनवार में विनोबा भावे विवि अंतर महाविद्यालय 27वां युवा महोत्सव झूमर 23 का गुरुवार को भव्य आगाज हुआ. समारोह में गिरिडीह, कोडरमा, हजारीबाग, चतरा, रामगढ़ जिले में अवस्थित विभिन्न महाविद्यालय से लगभग 700 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं.

कार्यक्रम की शुरुआत पुनीत राय स्टेडियम से गांधी चौक तक सांस्कृतिक झांकी निकाली गई. अधिष्ठाता छात्र कल्याण विभाग विनोबा भावे विवि प्रो डॉ मिथलेश कुमार सिंह, प्राचार्य प्रो डॉ विमल कुमार मिश्र, डॉ रामानंद पांडेय समेत गणमान्य अतिथियों ने झांकी का फीता काट कर उद्घाटन किया. झांकी में झारखंड की कृषि अर्थव्यवस्था, चंद्रयान मिशन, साइबर सुरक्षा, स्वच्छ भारत की प्रस्तुति की गई थी. उद्घाटन सत्र मुख्य पंडाल में 11: 30 बजे शुरू हुई. समारोह की मुख्य अतिथि विनोबा भावे विवि हजारीबाग की कुलपति सह उत्तरी छोटानागपुर की आयुक्त सुमन कैथरिन किस्पोट्टा का स्वागत महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा पुष्प वर्षा कर की गई. प्राचार्य प्रो डॉ विमल कुमार मिश्र द्वारा कुलपति वित्त सलाह सुनील कुमार सिंह, छात्र कल्याण संकाय अध्यक्ष प्रो डॉ मिथिलेश कुमार सिंह को पौधा, शॉल एवं सोहराई कला से सुसज्जित सूप को भेंट कर सम्मानित किया गया. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि युवा महोत्सव संस्कृति और सभ्यता का महापर्व है. झारखंड के लोगों का बोलना ही गीत है और चलना ही नृत्य है. वित्त सलाहकार ने कहा कि आदर्श कॉलेज राजधनवार आज के समय में विनोबा भावे विवि का लीडिंग कॉलेज है. युवा महोत्सव एक सांस्कृतिक पर्व है. छात्र कल्याण संकाय ने कहा कि युवा महोत्सव में भाग लेने वाले प्रतिभागी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन जोनल स्तर तथा राष्ट्रीय स्तर पर विनोबा भावे विश्वविद्यालय का नाम रौशन करेंगे.

साहिबगंज वार्ड नंबर 19 का किया निरीक्षण

साहिबगंज। गुरुवार को सिविल सर्जन साहिबगंज डॉ अरविंद कुमार के द्वारा साहिबगंज शहरी क्षेत्र अंतर्गत अटल मोहल्ला क्लिनिक रसूलपुर दहला वार्ड नंबर 4 एवं अटल मोहल्ला क्लिनिक नया टोला पुरानी वार्ड नंबर 19 का औचक निरीक्षण किया गया. जिसमे अटल मोहल्ला क्लिनिक रसूलपुर दहला वार्ड नंबर 4 में सभी स्वास्थ्य कर्मी अनुपस्थित पाए गए जिसे देखकर सिविल सर्जन डॉक्टर अरविंद कुमार काफ़ी रोष प्रकट किए और सभी कर्मियों को स्पष्टीकरण पूछने का निर्देश भी दिए की किन परिस्थितियों में आपलोग अनुपस्थित थे. साथ ही सदर प्रखंड साहिबगंज का भी निरीक्षण किए.

---

5 दिवसीय बतौर मुख्य अतिथि के तौर पर गांडेय के पूर्व विधायक हुए शामिल

श्री राम जानकी विवाह महोत्सव के लिए निकाली शोभा यात्रा

संवाददाता। जमुआ (गिरिडीह)

पांच दिवसीय श्री राम जानकी विवाहोत्सव के लिए गुरुवार को श्री रामकृष्ण ठाकुरबाड़ी रेम्बा से शोभायात्रा निकाली गई. शोभा यात्रा में वैदिक पंडितों की टोली शंखध्वनि और वेद ध्वनि करती सबसे आगे चल रही थीं. उसके पीछे महिलाएं और पुरुष चल रहे थे. भगवा ध्वज लिये युवक जय श्री राम, राम लखन जानकी जय बोलो हनुमान जी के नारे लगाते चल रहे थे. गाजेबाजे के साथ भगवा ध्वज से पटे शोभायात्रा में शंख की आवाज वातावरण को पवित्र कर दिया. शोभायात्रा में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे गांडेय के पूर्व विधायक प्रो जयप्रकाश वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि भगवान राम के उपदेश आज भी दुनियां के लिए प्रासंगिक है. भगवान राम मर्यादा पुरुषोत्तम कहलाये, उन्होंने कहा कि भगवान राम ने मर्यादा की लक्ष्मण रेखा को कभी नहीं लांघा. उन्होंने जंगल में रहकर निषाद कोलभील, जटायु, हनुमान, सुग्रीव, जामवंत जैसे अभी वंचितों से मैत्री की.

कहा कि भगवान राम के चरित्र एवं उपदेशों से सीखने की जरूरत है. शोभा यात्रा में शामिल लोग दुखिया महादेव, देवी मंडप रेम्बा, दुर्गा मंदिर, बजरंगबली मंदिर, गणेश मंदिर, शिवालय, हनुमान मंदिर पतारडीह, देवी मंदिर पतारडीह में पूजा-अर्चना करते हुए श्री रामकृष्ण ठाकुरबाड़ी पहुंचे. शोभा यात्रा में जेपी कॉलेज भंडारों के प्राचार्य विवेकानंद, देवराज, आचार्य कन्हैयालाल शास्त्री, समीर कृष्ण शास्त्री, विक्रम शास्त्री, ठाकुर बाड़ी समिति के संत शरण, बलबीर गुप्ता, सुबोध गुप्ता, मणिकांत द्विवेदी, भोलानाथ द्विवेदी, रामेवश्वर मण्डल, गोपाल राम, संजय गुप्ता, गुलाब मण्डल, संजीव गुप्ता, प्रभात गुप्ता, अभिमन्यु राम, विजय राम अजीत दुबे, मुन्ना राम, हर्षित गुप्ता, नीलकांत गुप्ता सहित कई लोग थे. इस बाबत समिति के अध्यक्ष संत शरण ने बताया कि शोभायात्रा से शुरू विवाहोत्सव 18 दिसंबर को भंडारे के साथ पूर्ण होगा. वैवाहिक कार्यक्रम को इस वर्ष पहली बार पांच दिवसीय कर दिया गया है. भव्य पंडाल, मंच एवं तोरणद्वार बनाये गए हैं. प्रवचन के लिए भव्य पंडाल व स्टेज बनाये गए हैं.

केएन बक्शी कॉलेज में कार्यशाला का आयोजन

बेंगाबाद (गिरिडीह)। बेंगाबाद के कर्माटांड़ स्थित केएन बक्शी कॉलेज ऑफ एजुकेशन में गुरुवार को प्रभावी संचार विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ अजीत कुमार सिंह ने प्रभावी संचार विषय पर प्रकाश डालते हुए कहा की जब किसी व्यक्ति के वक्तव्य को सुनने वाला सही ढंग से समझ पाता है तो उसे प्रभावी संचार कहते हैं. मौके पर प्रो बिनोद कुमार सुमन ने कहा कि प्रभावी संचार में स्पीकर की बात अर्थपूर्ण और समझने योग्य होनी चाहिए. कार्यक्रम में कॉलेज के अन्य शिक्षकों ने इस विषय पर प्रकाश डालते हुए संचार को प्रभावशाली और अर्थपूर्ण बनाने को लेकर अपने अपने विचार प्रकट किए. मौके पर प्रो पवन कुमार सुमन, प्रो नीलेश लकड़ा, शंकर सिंह ने अपने विचार रखें हैं.

BEFORE THE NOTARY PUBLIC, DHANBAD

AFFIDAVIT

I, MANOJ KUMAR, S/O SRI JAGDISH SINGH, Aged about 45 years, by faith-Hindu, by occupation — business, resident of Co-Opereative Colony, P.O. Koyla Nagar, P.S. Saraidhela, Dist-Dhanbad, (Jharkhand) do hereby solemnly affirm on oath and declare as follows :

1. That, on 01.12.2023 I was carrying the Deed No.2754 dtd.10.05.2014 for flat No. 4 on the ground floor located in SHANTI APARTMENT forgetting Xerox copy of the same.
2. That, the above Deed No.2754 dtd.10.05.2014 got misplaced somewhere near the Dhanbad Civil Court and despite of my best efforts it could not be found .
3. That, I am swearing this affidavit for submitting the same to the competent authority so that my above Deed could not be misused.
4. That, the contents of this Affidavit is true correct and genuine and I have not concealed anything.

Aff. No. 26/14.12.23

ब्रीफ खबरें

दहेज मामले के आरोपी को पुलिस ने भेजा जेल

बरोरा। दहेज उत्पीड़न के मामले के आरोपी बिनोद चौहान को बरोरा पुलिस गुरुवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. बताया जाता है कि मुराईडीह कॉलोनी की पूजा की शादी कुछ वर्ष पूर्व बोकारो केदला निवासी महेंद्र चौहान के पुत्र बिनोद चौहान के साथ हुई शादी के कुछ ही दिनों के बाद बिनोद चौहान दहेज को लेकर अपनी पत्नी को गाली-गलौज व मारपीट किया करता था. महिला के शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी बिनोद चौहान को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया.

जेवरात दुकान में लाखों की चोरी

झरिया। जोड़ापोखर थाना क्षेत्र के डिगवाडीह बाजार स्थित खालसा मार्केट के गायत्री ज्वेलर्स की दुकान का शटर तोड़ कर चोरों ने बुधवार रात दो हजार नगद सहित 2 लाख 70 हजार रुपये मूल्य की सोना एवं चांदी के जेवरात की चोरी कर ली. दुकान मालिक दिलीप वर्मा ने थाना में लिखित शिकायत दर्ज की है. बताया है कि बुधवार की रात चोरों का दल मार्केट के पिछले गेट का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश कर गये. इसके बाद ज्वेलर्स दुकान के शटर को रॉड से तोड़ दिया.

जमीन विवाद में मारपीट, मामला दर्ज

धनसार। पतराकुली निवासी राकेश कुमार श्रीवास्तव ने उसके मुहल्ले के ही अनिश सिंह व उमेश सिंह के खिलाफ मारपीट कर अंगुली तोड़ने व गले से सोने का चेन छीनने का आरोप लगाया है. मामला जमीन विवाद बताया जा रहा है. शिकायत पर पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है. राकेश का आरोप है कि वह अपने दोस्त राजकिशोर सिंह के साथ बेरा कोलियरी स्थित बैंक ऑफ इंडिया जा रहे थे उसी समय रास्ता रोक मारपीट करने लगे.

सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत

सरिया (गिरिडीह)। गुरुवार देर रात सरिया थाना क्षेत्र के निमाटांड़ में सड़क दुर्घटना में 30 वर्षीय राजेश बद्री दास का सड़क दुर्घटना में घटना स्थल पर ही मौत हो गई. घटना के बारे में बताया जाता है कि युवक सरिया से राजधनवार की ओर जा रहा था. इस दौरान सड़क के किनारे खड़े ट्रैक्टर को टक्कर मार दिया, जिससे घटना स्थल पर ही मौत हो गई. सड़क दुर्घटना की सूचना मिलते ही सरिया पुलिस मौके पर पहुंच शव व वाहन को जब्त कर लिया.

ट्यूशन पढ़ने गई छात्रा से बैड टच, एफआईआर

पलामू। सदर थाना क्षेत्र चियांकी के एक प्रतिष्ठित स्कूल के एक सीनियर टीचर के खिलाफ ट्यूशन पढ़ाने के दौरान बैड टच करने का मामला सामने आया है. इस संबंध में शहर थाना में मामला दर्ज कराया गया है. पुलिस पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर छानबीन कर रही है. दरअसल] मामला कई महीने पहले का है. ट्यूशन पढ़ने के दौरान 11 वर्षीय नाबालिग छात्रा के साथ स्कूल के सीनियर शिक्षक ने बैड टच किया था जिससे नाबालिग सहम गई थी.

हादसे में बाइक सवार पंकज पांडेय घायल

बेंगाबाद (गिरिडीह)। बेंगाबाद-मधुपुर मार्ग पर बुधवार की रात बाइक से गिरकर बेंगाबाद थाना क्षेत्र के भंवरडीह निवासी पंकज पांडेय गंभीर रूप से घायल हो गए. घायल अवस्था में उन्हें इलाज के लिए देवघर ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है. घटना के संबंध में बताया जाता है कि पंकज पांडेय अपनी बाइक से देवघर स्थित मोहनपुर से बेटी के जन्मदिन में शामिल होने गिरिडीह आ रहे थे. इसी दौरान डाकबंगला चौक के पास अचानक एक कुत्ता उनकी बाइक के सामने आ गया.

एक ही रात दो बाइक की चोरी, शिकायत दर्ज

बरोरा (धनबाद)। मुराईडीह आदर्श कॉलोनी से बुधवार की रात चोरों ने घर के बाहर खड़ी दो बाइक की चोरी कर ली. इस संबंध में भुक्तभोगी मधुसूदन महतो व टेकलाल शर्मा ने बरोरा थाने में लिखित शिकायत देकर चोरों का पता लगाकर बाइक बरामद करने की मांग की है. शिकायत में लिखा है कि दुपहिया दोनों वाहन अपने-अपने घर के बाहर खड़ा कर रात में घर में सोने चले गए. सुबह उठे तो दोनों बाइक गायब थीं.

शहर में बढ़ी चोरी की घटनाएं : पुलिस सिर्फ चोरी की समान का लिस्ट बनाकर फाइल तैयार करने में जुटी

टाइगर-पेट्रोलिंग जवान ठंड में पड़े ठंडे, चोर के मंसूबे बुलंद

संवाददाता। धनबाद

अगर आप घर में ताला लगाकर कहीं जाने का सोच रहे हैं तो सावधान हो जाएं. क्योंकि चोरों की नजर आपके घर की तिजोरी पर है. शहर में ऐसी ही कई घटनाएं घटित हो रही है. अगर आप कहीं बाहर जाते हैं और घर में कोई नहीं है, तो आपके घर में चोरी की घटना घट सकती है. पुलिस सिर्फ और सिर्फ चोरी की समान की लिस्ट बनाकर फाइल तैयार करने में लगी हुई है. मंगलवार 12 दिसंबर 2023 की रात दो बंद घरों का ताला तोड़कर चोरों ने करीब सवा लाख नगद और गहने-बर्तन चुरा लिए. पिछले एक सप्ताह में धनबाद थाना क्षेत्र में चोरों ने तांडव मचा रखा है धनबाद थाना क्षेत्र का इलाका सबसे ज्यादा चोरों के निशाने पर है. जिन क्षेत्रों में चोरी की वारदात हुई अभी एक सप्ताह भी नहीं बीता है उन क्षेत्रों में चोर दूसरी और तीसरी बार चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं. सात दिसंबर की रात तेलीपाड़ा के बगल में लॉ कॉलेज के पास चोरों ने सेना के जवान शशि कुमार के घर से लाखों रुपए के जेवर उड़ा लिए और पांच दिन ही बीते थे कि चोर ने मंगलवार की रात फिर तेलीपाड़ा में ही चोर ने टोटो चालक सिंधु चंद्र दा के घर दबिश देकर एक लाख 10 हजार नगद और कांसा के बर्तन की चोरी कर ली. इस तरह धनबाद थाना क्षेत्र में 10 दिसंबर की रात ही बारामुड़ी असर्फी अस्पताल के पास रहने वाली छाया राय भट्ट के घर से चोरों ने लाखों रुपए के जेवर चुरा लिए थे. 12 दिसंबर को चोरों ने बारामुड़ी में ही पेट्रोल पंप के पास निर्मला निवास में घुस कर 22 हजार रुपए नगद और 15 हजार रुपए के गहने व 16 हजार रुपए की इंवर्टर की बैटरी पर हाथ साफ कर दिया. 9 दिसंबर की रात चोरों ने धैया के प्रभातम मॉल के पीछे भी एक घर को निशाना बनाया. विनोद नगर के त्रिमूर्ति मंदिर के पास भी एक सप्ताह पहले चोरों ने शादी समारोह में गए एक परिवार के घर से गहने और रुपए चुराए थे.

पेट्रोलिंग व टाइगर जवान भी ठंड में ठंड पड़ गए : धनबाद थाने में सिर्फ चोरी की एफआईआर की फाइलें मोटी हो रही हैं. पुलिस की निष्क्रियता के कारण चोरों का मनोबल सातवें आसमान पर है. टाइगर के जवान और पेट्रोलिंग गाड़ी भी ठंड में ठंड पड़ गए हैं, और चोरी का मनोबल ऊंचा होता जा रहा है.

आओ जानें

देशभर के पुलिस स्टेशनों में लगे कैमरे

अरुणाचल	99	मेघालय	25
असम	329	मिजोरम	40
बिहार	957	नगालैंड	28
छत्तीसगढ़	443	ओडिशा	584
गोवा	44	पंजाब	425
गुजरात	622	राजस्थान	01
हरियाणा	381	सिक्किम	13
हिमाचल	136	तमिलनाडु	1578
कर्नाटक	1052	तेलंगाना	842
केरला	538	त्रिपुरा	73
मध्यप्रदेश	859	यूपी	1533
महाराष्ट्र	663	उत्तराखंड	159
मणिपुर	00	वेस्ट बंगाल	637

पत्नी पति को खोजती है तो परिजन बोलते हैं- काम से बाहर गए हैं

पति की मौत के 18 दिनों बाद भी पत्नी को पता नहीं

- वैज्ञानिक की पत्नी निभा विश्वास एसएसएलएनटी महिला कॉलेज में प्रोफेसर थीं, जो 20 साल पहले रिटायर हो चुकी हैं

संवाददाता। धनबाद

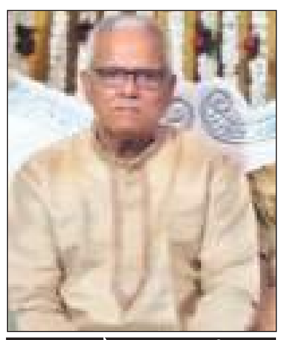

सिंफर वैज्ञानिक अभिजीत विश्वास (फाइल फोटो)

हीरापुर दुर्गा मंडप निवासी अभिजीत विश्वास की मौत के 18 दिनों बाद भी उनकी पत्नी निभा विश्वास को पता तक नहीं चला. रेल पुलिस के अनुसार ऐसा नहीं है कि सिंफर वैज्ञानिक अभिजीत विश्वास की पत्नी घर पर नहीं थी. वह फ्लैट के एक कमरे में थी, लेकिन बीमार होने की वजह से रिश्तेदारों ने उन्हें जानकारी नहीं थी. वह नाती-नत्नी के साथ थी. वह बार-बार रिश्तेदारों से पूछ रही थी, लेकिन रिश्तेदार यही कहते रहे कि वे घर के बाहर किसी काम से गए हैं, लौट आएंगे. सिंफर वैज्ञानिक ने 27 नवंबर को दोपहर में बरमसिया फाटक के निकट ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी थी.

पोस्टमार्टम के बाद रात में पत्नी के घर में रहते पति की लाश पहुंची. लाश को घर के बजाय दरवाजे के बाहर ही रखा गया. मृतक के तीन भाई व उनके परिवार वहीं फ्लैट में रहते हैं. उनलोगों ने वैज्ञानिक के बेटी-दामाद को सूचना देकर दिल्ली से धनबाद बुलाया, दूसरे दिन दाह संस्कार और उसके कुछ दिनों बाद ब्रह्मभोज भी हो गया,

अनहोनी की आशंका से रिश्तेदार नहीं दे रहे जानकारी: फिर भी रिश्तेदारों ने इसलिए नहीं बताया कि कहीं मौत के बारे में जानकारी होने के बाद पत्नी सदमे को बर्दाश्त न कर सके. अनहोनी की आशंका से आजतक जानकारी नहीं दी गई. रेल पुलिस भी हादसे को लेकर दो बार घर जाकर पूछताछ कर चुकी है, लेकिन वह यही कहती है कि वह किसी काम से बाहर गए हैं, जल्द आ जायेंगे. उसका समय नाती-नत्नी के साथ कट जाता है. घर में काम-काज के लिए नौकरानी है. वैज्ञानिक की पत्नी निभा विश्वास एसएसएलएनटी महिला कॉलेज में प्रोफेसर थी, जो 20 साल पहले रिटायर हो चुकी है. वैज्ञानिक पति बेटी-दामाद की प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या की थी. जिसकी जांच धनबाद रेल थाना पुलिस कर रही है. पुलिस अभी तक वैज्ञानिक की बेटी अनमोना विश्वास और दामाद राजन गुप्ता से पूछताछ नहीं कर सकी है. नोटिस के बाद भी दोनों रेल थाना नहीं पहुंचे हैं.

सड़क दुर्घटना में हुई खलासी की मौत, 36 घंटे बाद भी मुआवजा नहीं

निरसा। निरसा थाना अंतर्गत जीटी रोड देवियाना के समीप एक सड़क दुर्घटना में हुए खलासी की मौत के बाद मुआवजे की मांग को लेकर ग्रामीणों का आंदोलन गुरुवार को दूसरे दिन जारी रहा. ग्रामीण खुसरी मोड़ के पास शव को सड़क पर रख आंदोलनरत है. बतातें चलें कि मंगलवार की रात देवियाना के समीप जीटी रोड पर खड़ी ट्रक में हाइवा द्वारा धक्का मार दिए जाने के बाद सिंहपुर निवासी सोहेल शेख की घटना स्थल पर ही मौत हो गई थी. इसके बाद बुधवार से मृतक के परिजन सोहेल शेख के पार्थिव शरीर को लेकर खुशरी मोड़ के समीप मुआवजे की मांग को लेकर एमपीएल का कोयला एवं छाई धुलाई ठप कर धरने पर बैठ गए. 36 घंटे बीत जाने के बाद भी प्रबंधक मृतक के परिजनों से बात तो दूर सुध लेने भी नहीं पहुंचे. प्रबंधन की उदासीन रवैया को लेकर ग्रामीणों एवं परिजनों में काफी आक्रोश है. परिजनों एवं ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि मृतक के मरे 36 घंटा बीत जाने के बाद भी उसकी शुद्ध लेने कोई नहीं पहुंचा है. अगर प्रबंधन यह सोच रही है कि समय बीतने से आंदोलन खत्म हो जाएगा तो उसका सोचना बेकार है. क्योंकि जब तक मृतक के परिजनों को मुआवजा नहीं मिल जाता धरना जारी रहेगा. हमलोगों की विशेष कुछ मांगे नहीं है. जैसा कि पूर्व में मिलता रहा है वैसा ही इसका भी मुआवजा दिया जाए. क्योंकि इसके परिवार में इसके सिवा कमाऊ व्यक्ति कोई नहीं था. पूरा परिवार के आगे भुखमरी सी स्थिति उत्पन्न हो गई है.

अवैध रूप से कोयला तस्करी का खेल जारी

बेंगाबाद (गिरिडीह)। बेंगाबाद थाना क्षेत्र में मोटरसाइकिलों में अवैध रूप से कोयला लाद कर ले जाने का सिलसिला जारी है. गिरीडीह-बेंगाबाद, गिरीडीह- महेश मुंडा मार्ग के अलावा अन्य ग्रामीण सड़कों के रास्ते कोयला लाद कर मोटरसाइकिल सवार निकलते हैं और बिहार के सीमावर्ती क्षेत्रों में जाकर बेचते हैं. मोटरसाइकिलों में क्षमता से अधिक कोयला लाद कर ले जाने से मार्ग पर सड़क दुर्घटना का खतरा बना रहता है. इस अवैध धंधे में शामिल कोयला तस्कर पुलिस से बचने के लिए ग्रामीण सड़कों एवं शॉर्ट कट रास्तों का ज़्यादातर इस्तेमाल करते हैं. बताया जाता है कि गुरुवार सुबह से ही बेंगाबाद थाना अंतर्गत बिशनपुर मोड़ से महेश मुंडा जाने वाली सड़क एवं बेंगाबाद छोटकी खरगडीहा मार्ग के अलावा पारडीह मोड़ से बदवारा जाने वाली सड़क पर अवैध कोयला लाद कर मोटरसाइकिलों के गुजरने का सिलसिला शुरू हो जाता है.

गिरिडीह के युवक की दिल्ली में ट्रेन से कट कर हुई मौत

संवाददाता। गावां (गिरिडीह)

गावां थाना क्षेत्र स्थित पिहरा पश्चिमी पंचायत के बाराडीह निवासी वंशी यादव के 40 वर्षीय पुत्र अशोक यादव की दिल्ली में ट्रेन से कटकर मौत हो गई. उक्त व्यक्ति दिल्ली के गाजियाबाद सूर्यनगर स्थित एक ट्रांसपोर्ट कंपनी में गाड़ी चलाता था. बुधवार को उसका शव पुरानी दिल्ली में रेलवे लाइन के पास कटा हुआ मिला. हालांकि घटना के कारणों का पता नहीं चल पाया है. घटना की सूचना पर झारखंड एकता संगठन के वरीय पदाधिकारी सुनील वर्मा, बबलू यादव उर्फ रंगीला, समाजसेवी संजय यादव, रवींद्र यादव, बीरेंद्र यादव, उदित यादव, रमेश यादव समेत संगठन के पदाधिकारी ट्रांसपोर्ट कंपनी से मिलकर वार्ता की व 51 हजार नगद व 50 हजार का चेक परिजनों को दिलवाया.

दो जंगली हिरण को मारते रंगेहाथ पकड़ा

संवाददाता। सिमडेगा

बानो वन क्षेत्र के बड़काडूईल गांव में दो जंगली हिरण मारने वाले को वन विभाग ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. जानकारी के अनुसार बानो वन क्षेत्र के अन्तर्गत छोटकडुईल में हिरण मारने की गुप्त सूचना मिली की बानो के बड़काडूईल गांव निवासी जगदेव सिंह के खेत में दो हिरण मारे गए हैं.

सूचना मिलते ही बानो वन क्षेत्र पदाधिकारी अभय कुमार के नेतृत्व में बानो वनरक्षी लखींद्र सिंह वनरक्षी अनुज मिंज, उदय प्रताप एवं अन्य वन कर्मियों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे. जहां आरोपी जगदेव सिंह दो कोटरा हिरण को मार कर उसके खाल और हिरण के सिंघ को निकालते हुए रंगे हाथों पकड़ा, वन कर्मियों ने तुरंत उसे गिरफ्तार कर हिरण के सिंघ और खाल सहित छूरी आदि सामानों को जब्त कर लिया. वहीं कर्मियों द्वारा पूछताछ करने पर जगदेव सिंह ने बताया कि उन दोनों हिरण को मारने में इस गांव के दसरू साय, बाल गोविंद साय, विजय सिंह एवं बलराम सिंह भी शामिल था. इन सभी अभियुक्तों पर कानूनी कार्रवाई करते हुए जगदेव सिंह को वन विभाग ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. वहीं मारे गए हिरण के अंगों को पशु चिकित्सा की उपस्थिति में पोस्टमार्टम रिपोर्ट तैयार कर अंगों को वन परिसर में दफना दिया गया.

17 वर्षीय नाबालिग किशोरी लापता, शिकायत दर्ज

संवाददाता। आदित्यपुर

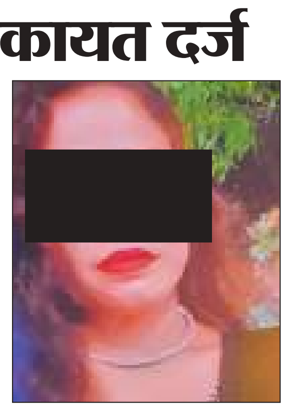

आदित्यपुर थाना क्षेत्र के सतबहनी गांव से 17 वर्षीय नाबालिग लड़की 8 दिसंबर से लापता है. लड़की के पिता ने आदित्यपुर थाना में इसकी लिखित शिकायत करते हुए अपनी नाबालिग लड़की को बिहार के औरंगाबाद के एक वीडियोग्राफर पर बहला-फुसलाकर भगाने का आरोप लगाया है. लड़की के पिता ने कहा है कि 4 दिसंबर को उसके पड़ोस में शादी का कार्यक्रम था. उसमें फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी का काम करने बिहार के औरंगाबाद से पवन कुमार नामक युवक आया था. वह मेरी नाबालिग पुत्री (17 वर्ष) को बहला-फुसलाकर 8 दिसंबर से भगा ले गया है. अब न तो उसकी पुत्री और न ही युवक पवन कुमार का कोई पता चल रहा है. पिता ने पुलिस को आरोपी युवक का मोबाइल नंबर भी उपलब्ध कराया है, जो स्विच ऑफ बता रहा है. पुलिस मोबाइल लोकेशन के आधार पर युवक-युवती को तलाशने का प्रयास कर रही है.

खास बातें

- औरंगाबाद के वीडियोग्राफर पर लगाया आरोप
- परिजन बोले-नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले गया

रेलवे लाइन के किनारे मिला एक का शव

गोमो। धनबाद रेल मंडल के गोमो एवं तेलो रेलवे स्टेशन के बीच स्थित धमनी गांव के समीप रेलवे फाटक संख्या 4/सी/ई से कुछ दूरी पर संदिग्ध अवस्था में एक व्यक्ति का शव मिला. मृतक की पहचान परसबनी गांव निवासी 35 वर्षीय सुरेश महतो के रूप में हुई है. खून से लथपथ उसका शव मिला. रेलवे लाइन के किनारे शव मिलने की सूचना इलाके में आग की तरह फैल गई. देखते ही देखते घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई. सूचना पाकर आरपीएफ गोमो एवं नावाडीह थाना (बोकारो) पुलिस पदाधिकारी महाबीर पंडित, मिथिलेश कुमार सदल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे. शव को बरामद कर पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से मृतक की पहचान की और उसके परिजनों को घटनास्थल पर बुलाया. इसके बाद पुलिस ने कागजी कार्रवाई कर पोस्टमार्टम के लिए शव को बोकारो सदर अस्पताल भेज दिया. मृतक की मां हेमिया देवी ने बताया कि उसका बेटा बुधवार को घर से निकला था.

नाबालिग के साथ दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता। गुमला

नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म मामले में घाघरा पुलिस ने आरोपी अभियुक्त को गिरफ्तार कर गुरुवार को जेल भेज दिया है. एसडीपीओ मनीष चंद्र लाल ने घाघरा थाना में पत्रकारों को जानकारी देते हुए एसडीपीओ मनीष चंद्रलाल ने बताया कि घर में दशकर्म का काम चल रहा था. घर के बाहर बच्चे खेल रहे थे. कुछ देर बाद एक बच्ची को वहां नहीं पाया गया. पूछताछ और खोजबीन शुरू हो गई. सूत्रों के अनुसार जिस स्थान पर बच्चे खेल रहे थे वहां गांव के ही बबलू उरांव नामक युवक को देखा गया था. ग्रामीणों की मानें तो बबलू उरांव का आचरण महिला के प्रति अच्छा नहीं है. परिजनों ने शक के आधार पर बबलू की खोजबीन करने लगे. गांव से कुछ दूरी पर एक सुनसान जगह पर नाबालिग बच्ची को बबलू के साथ देखा गया. टॉर्च की रोशनी से बबलू अंधेरा का फायदा उठाकर भाग गया. बच्ची को घर लाया गया और बच्ची की मां ने घटना के संबंध में जानकारी ली तब बच्ची ने स्पष्ट बता दी कि बबलू ने उसे कहा कि चलो तुम्हारी मां बुला रही है. बच्ची उस पर विश्वास कर चली गई लेकिन जब वह घर से सुनसान जगह की तरफ ले जाने लगा तो बच्ची डर गई और घर वापस जाने की जिद करने लगी. जिस पर बबलू बच्ची का मुंह दबाकर जबर्दस्ती खींचते हुए सुनसान जगह की तरफ ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया. पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बबलू को गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तार बबलू ने अपना दोष स्वीकार कर लिया है. बबलू की गिरफ्तारी में थाना प्रभारी अमित कुमार चौधरी, एसआई जयश्री मिंज, निर्मल महतो, जयनंदन राय, ब्रूनो मिंज,वीरेंद्र नाथ महतो व जैप के दो जवान शामिल थे.

खास बातें

- एसडीपीओ ने प्रेस-कांफ्रेंस कर दी घटना की जानकारी
- ग्रामीणों के अनुसार आरोपी का आचरण अच्छा नहीं था

एनसीआरबी का आंकड़ा बच्चों की गुमशुदगी बढ़े हैं मामले

रांची। झारखंड में बच्चों की गुमशुदगी के मामले बढ़े हैं. एनसीआरबी के आंकड़े के मुताबिक साल 2021 में जहां 341 बच्चे लापता हुए थे, वहीं साल 2022 में राज्य के विभिन्न जिलों से 407 बच्चे लापता हुए हैं. लड़के की तुलना में लड़कियां ज्यादा लापता हुई है. 2022 में जहां 250 लड़कियां लापता हुई, वहीं दूसरी ओर 157 लड़के लापता हुए हैं. हालांकि 2022 में 335 बच्चों को बरामद भी किया गया है.

मानव तस्करी का शिकार हो जा रहे हैं बच्चे: झारखंड से बच्चों के अधिक लापता होने की शिकायतों के बाद अब यहां मानव तस्करी व लापता लोगों की तलाश के लिए अलग सेल का गठन किया गया है. मानव तस्करी रोकने के लिए विशेष थाना भी है. इन आंकड़ों ने झारखंड में बाल अपराध, बाल मजदूरी और मानव तस्करी जैसे अपराधों की भयावह स्थिति को फिर उजागर किया है.

कवायद तेज मानगो में जमीन कारोबारी और टाइगर जवान की हत्या में फरार चल रहा है आरोपी

फरार चौड़ा राजू के घर पर अंचल ने चिपकाया नोटिस

संवाददाता। जमशेदपुर

नोटिस चस्पा करती अंचल और पुलिस की टीम

मानगो में जमीन कारोबारी और टाइगर जवान की हत्या में फरार आरोपी आजादनगर के वारिशनगर निवासी चौड़ा राजू के घर को तोड़ने की कवायद तेज हो गई है. हत्याकांड के मुख्य साजिशकर्ता के जमीन व घर की मापी दो दिनों पूर्व ही मानगो अंचलाधिकारी ब्रजेश कुमार श्रीवास्तव और डीएसपी (हेड क्वार्टर वन) बीरेन्द्र राम की मौजूदगी में अमीन ने की थी. जांच में यह बात सामने आई थी कि चौड़ा राजू का घर सरकारी जमीन पर बना है. इधर, गुरुवार को मानगो अंचल की ओर से एक नोटिस जारी किया गया है. इसमें मोहम्मद अब्दुल्लाह, मोहम्मद नेमायतुल्लाह, अब्दुल हामिद, मोहम्मद अवेदुल्लाह, मोहम्मद बाबूजान का नाम है. इसमें मानगो वार्ड नंबर 8 में कुल 10.74 डेसिमल की जमीन पर बने उक्त मकान को जेपीएलई के तहत तोड़ने का आदेश है. बताया गया है कि उक्त जमीन सरकारी है, जिस पर अतिक्रमण कर मकान बनाया गया है. भूमि अतिक्रमण अधिनियम के तहत यह कार्रवाई की जा रही है. मानगो के वार्ड नंबर 8 के प्लॉट नंबर 207, खाता नंबर 1249 पर यह नोटिस चस्पा किया गया है, जिसमें कहा गया है कि वे लोग 14 दिनों के भीतर नोटिस का जवाब दें. जमीन से संबंधित कोई कागजात है तो वह अंचल कार्यालय में प्रस्तुत करें. नहीं तो एकतरफा कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण हटा दिया जायेगा. घर पर कोई नहीं होने पर अंचल की टीम ने पुलिस के साथ मिलकर चौड़ा राजू के घर पर नोटिस चस्पा किया.

खास बातें

- आरोपी का घर सरकारी जमीन पर बना हुआ है
- उक्त मकान को जेपीएलई के तहत तोड़ने का आदेश

ट्रैक्टर और वैन में टक्कर 4 घायल, 2 धनबाद रेफर

- टक्कर इतनी जोरदार थी कि मारुति वैन सड़क किनारे खाई में जा गिरी

संवाददाता। डुमरी (गिरिडीह)

डुमरी थाना क्षेत्र के तेलखारा पुल के समीप गुरुवार सुबह ट्रैक्टर और मारुति वैन के बीच टक्कर में वैन पर सवार चार लोग घायल हो गए. घायलों को स्थानीय मुखिया नूरउद्दीन अंसारी के प्रयास से स्थानीय निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया. जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर ने गंभीर रूप से घायल दो लोगों को बेहतर इलाज के लिए धनबाद रेफर कर दिया.

जानकारी के अनुसार, मारूति वैन डुमरी से कसियाडीह की ओर जा रही थी, जबकि ट्रैक्टर बराकर नदी से बालू लोड कर डुमरी की ओर आ रहा था. तेलखरा पुल के समीप वाहनों में टक्कर हो गयी. टक्कर इतनी जोरदार थी कि मारुति वैन सड़क किनारे खाई में जा गिरी, वहीं ट्रैक्टर का इंजन टूटकर अलग हो गया. घटना में कसियाडीह के महबूब अंसारी (42 वर्ष), सैरूण खातून (35 वर्ष), मेराज अंसारी (42 वर्ष) ओर अब्राहम अंसारी (5वर्ष) घायल हो गए. प्राथमिक उपचार के बाद महबूब और अब्राहम को धनबाद रेफर कर दिया गया. घटना के बाद ट्रैक्टर ड्राइवर भागने में सफल रहा.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष समय उत्तम फल प्रदान करेगा. चंद्र भाग्य और धन वृद्धि करेगा. साझेदारी में शुरू किया गया कार्य लाभ के अवसरों को बढ़ा सकता है. स्थायी संपत्ति खरीदने का मन बनेगा. दांपत्य जीवन में विश्वास बढ़ेगा.

वृषभ किसी महिला से विवाद से बचें. धन आगमन होगा. विरोधी भी आपसे प्रभावित होंगे. कला के क्षेत्र में इच्छित सफलता मिलने के योग हैं. सरकारी राज्यपक्ष के कामों में पर्याप्त सावधानी रखें.

मिथुन व्यापार से बड़ा लाभ का योग बन रहा है. कोइ नया कार्य मे जोखिम न उठाएं. व्यावसायिक योजना के विस्तार में मित्रों से मदद मिलेगी. पुराने झंझटों से राहत रह पाएगी. क्रोध एवं उत्तेजना पर संयम रखना होगा.

कर्क कार्य होगा, जिससे आय होगी. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. मेहनत व लगन से कार्यक्षेत्र में बेहतर सफलता हासिल कर सकेंगे. अपने व्यसनों पर काबू रखना चाहिए. किसी से भी बोलने से पहले विचार कर लें.

सिंह संतान से लाभ होगा. किसी कार्य के बनाने से मन खुश होगा. रोजगार के बेहतर अवसर मिलने से आय बढ़ेगी. दांपत्य जीवन सुखद रहेगा. प्रसन्नतावर्धक समाचार मिलेंगे. व्यापार में इच्छित लाभ होगा.

कन्या किसी बात को लेकर मन में प्रसन्नता बढ़ेगी. कारोबार में वांछित तेजी आने की संभावना कुछ कम रहेगी. विवेक से निर्णय करने पर लाभ एवं सफलता प्राप्त हो सकेगी. नए कार्य का आरंभ लाभदायी रहेगा, पर सोच विचार कर ही करें.

तुला भाई-बहन के साथ कोई यात्रा हो सकती है. पर भागदौड़ रहेगी. कुछ हानि भी हो सकती है, धैर्य रखें. काम का बोझ कम करने के लिए जिम्मेदारियों को बांटना आवश्यक है. आर्थिक कामों में परेशानी आने की संभावना है.

वृश्चिक जुबान पर नियंत्रण रखें. विद्यार्थी शिक्षा में सफल रहेंगे. धनार्जन होगा. पूंजी निवेश संबंधी कार्यों में सावधानी रखें. आत्मविश्वास बना रहेगा. कारोबार में उतार-चढ़ाव बना रहेगा. पारिवारिक समस्याओं को प्राथमिकता से हल करें.

धनु समय बहुत ही अच्छा है. भावनात्मक संबंधों में जल्दबाजी में निर्णय न लें. अधिकारी आपकी कार्यशैली से नाराज हो सकते हैं. परिश्रम के अनुरूप सफलता नहीं मिलेगी. संतान की इच्छा पूरी होगी.

मकर व्यवसाय ठीक करेगा. व्यापार में नए प्रस्ताव लाभकारी रहेंगे. सही समय पर लिए गए फैसले लाभ दिला सकते हैं. आवास संबंधी समस्या हल होने के योग हैं. कुछ नया हो सकता है. आलस का त्याग करना चाहिए.

कुंभ उतावली में कोई काम न करें. पुरानी संपत्ति के रख-रखाव पर धन खर्च हो सकता है. सामाजिक, धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी. विद्यार्थियों को पढ़ाई की चिंता रहेगी. पर मेहनत से विजय पाया जा सकता है.

मीन धर्म-कर्म में रुचि रहेगी. लाभ में वृद्धि होगी. कुसंगति से बचें. परिवार में मांगलिक कार्यक्रमों की चर्चा संभव है. संतान की रोजी-रोटी की चिंता समाप्त होने के योग हैं. घर परिवार में खुशहाली होगा. सूर्य को जल दें.

आंदोलन : जाकिर हुसैन पार्क के पास दिव्यांगों और उनके परिजनों का धरना जारी

सीएम आवास घेरने निकले दिव्यांगजनों को पुलिस ने रोका

संवाददाता। रांची

झारखंड दिव्यांग आंदोलन संघ गुरुवार को मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने निकला. इसमें बड़ी संख्या में दिव्यांग शामिल थे. इससे दिव्यांग जनों ने जाकिर हुसैन पार्क के पास अपनी मांगों को लेकर धरना दिया. इसके बाद वे मुख्यमंत्री आवास घेरने निकले. जिन्हें राजभवन के पास पुलिस ने रोक लिया. इसके बाद मुख्यमंत्री सचिवालय के अधिकारियों ने आकर दिव्यांगजनों से बात की.

संघ के प्रदेश संयोजक सुरेंद्र कुशवाहा ने बताया कि राम मूर्ति सिंह नाम के अधिकारी से उनकी बात हुई. उन्होंने कहा कि हमने आपकी मांग पिछले साल भी सरकार को बतायी थी. सरकार इसपर निर्णय लेगी. तब तक आप इंतजार करें और धरना-प्रदर्शन खत्म कर दें. खत्म न करने पर हम लाठी डंडा से भी खत्म करवाना जानते हैं.

बता दें कि झारखंड दिव्यांग अपनी मांगों को लेकर बीते 1 दिसंबर से धरना पर बैठे हुए हैं. पिछले वर्ष भी इन्होंने ने 26 नवंबर से 22 दिसंबर तक धरना दिया था. उसके बाद सरकार के कई मंत्री और विधायकों ने उनसे मिलकर कहा था कि तीन महीने के भीतर उनकी मांगें पूरी कर दी जाएंगी. दिव्यांगजनों की मांग है कि उन्हें हर महीने 2500 रुपये पेंशन दी जाये. साथ ही निशक्तता आयुक्त के खाली पड़े पद को भरा जाये और खाली पड़े पदों पर जल्द नियुक्ति की जाये.

दिव्यांग आंदोलन संघ की प्रमुख मांगें

- गठबंधन सरकार के घोषणा पत्र के अनुसार दिव्यांगजनों को 2500 रु. की पेंशन.
- **पिछले 2 वर्षों से खाली पड़े राज्य नि :शक्तता आयुक्त के पद पर शीघ्र ही नियुक्ति.**
- राज्य के सभी विभागों में दिव्यांगजनों के आरक्षण के अनुसार खाली पड़े पदों की नियमानुसार नियुक्ति.
- **अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय खेलों में दिव्यांग क्रिकेट खिलाड़ी एवं पैरा खिलाड़ियों की नियुक्ति**
- अल्पसंख्यक आयोग व पिछड़ा आयोग के तर्ज पर दिव्यांगजनों के लिए अलग से आयोग गठन.
- **दिव्यांगजनों को सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थानों में उसकी योग्यता के अनुसार नौकरी.**
- सरकारी विश्वविद्यालय एवं विद्यालय में दिव्यांगजनों को निशुल्क शिक्षा देने की व्यस्था.
- **देश के अन्य कई राज्यों की तरह दिव्यांग जनों को बसों के किराया दर में 50 प्रतिशत की छूट.**
- व्यांगजनों के लिए उच्च कोटि का उपकरण समय-समय पर देकर सरकार द्वारा सहयोग.
- **शहर के सभी सरकारी संस्थान को दिव्यांगजनों की सुविधा के लिए रैम्प की व्यवस्था.**
- दिव्यांगजनों के लिए 200 यूनिट प्रति माह नि :शुल्क बिजली

फोटो : रमीज

आर्च बिशप ने आकाशवाणी रांची के कर्मियों को दी क्रिसमस की बधाइयां

रांची। रांची महाधर्मप्रांत के महाधर्माध्यक्ष फेलिक्स टोप्पो एसजे ने क्रिसमस से पहले गुरुवार को ऑल इंडिया रेडियो के कर्मचारियों को क्रिसमस की बधाइयां एवं नव वर्ष 2024 की शुभकामनाएं दीं. क्रिसमस के पहले क्रिसमस गैदरिंग का आगाज़ हो चुका है. ऐसे ही अवसर पर रांची महाधर्मप्रांत के महाधर्माध्यक्ष फेलिक्स टोप्पो एसजे ने आकाशवाणी, रांची में क्रिसमस संदेश रिकॉर्ड किया. जिसका प्रसारण क्रिसमस के दिन 25 दिसंबर को किया जाएगा. साथ ही ऑल इंडिया रेडियो के कर्मचारियों के साथ आर्चबिशप फेलिक्स टोप्पो एसजे ने क्रिसमस केक काटा और कैरोल्स गाया. इस अवसर पर दुर्गा चरण हेमरोम, डीसी, क्लाउडिया एवं ऑल इंडिया रेडियो के अन्य कर्मचारी उपस्थित थे. सभी ने एक दूसरे को क्रिसमस की बधाइयां एवं नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं.

एक्सआईएसएस में स्वास्थ्य और स्वच्छता पर कार्यशाला आयोजित

रांची । जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस) के रुरल मैनेजमेंट प्रोग्राम के तहत गुरुवार को कर्रा सोसाइटी फॉर रूरल एक्शन (केएसआरए) के सहयोग से, शहरी स्लम बस्तियों में व्यवहार नियमित टीकाकरण को बढ़ाने और स्वास्थ्य और स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया.

कार्यक्रम का उद्घाटन एक्सआईएसएस के निदेशक डॉ जोसफ मारियानुस कुजूर एसजे ने किया और उन्होंने कहा कि वैश्विक स्वास्थ्य सूची में भारत का 126वां स्थान है. यूनिसेफ से डॉ. शुभांगी पंडागरे ने मातृ और शिशु स्वास्थ्य के लिए ओपीवी और आईपीवी के बारे में बताया.

सभी जिलों के मास्टर ट्रेनरों को मिलेगा प्रशिक्षण

आपातकालीन सहायता : डायल 112 को और भी कारगर बनाया जाएगा

सौरभ सिंह। रांची

आपातकालीन सहायता के लिए डायल 112 को और भी ज्यादा कारगर बनाया जा रहा हैं. इसे लेकर झारखंड के सभी जिले में नियुक्त किये गये मास्टर ट्रेनरों को प्रशिक्षण दिया जायेगा. झारखंड पुलिस मुख्यालय के डेटा सेंटर की मदद से वेबएक्स एप्लिकेशन के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जायेगा. सरकार के द्वारा डायल 100 की तर्ज पर ही एक अपग्रेड ऐप तैयार किया गया है. जिसे डायल 112 नाम दिया गया है. इस ऐप के माध्यम से देश का कोई भी नागरिक देश के किसी भी कोने में किसी भी प्रकार की आपातकालीन सहायता के लिए सीधे संबंधित विभाग से संपर्क कर सकता है और वह सुरक्षा या सहायता पा सकता है. वर्तमान में जिस प्रकार इंटरनेट और स्मार्टफोन का प्रचलन बढ़ा है. उस स्थिति में डायल 112 काफी प्रभावी और सुविधाजनक बनता जा रहा है.

राज्य स्तर पर होता है कंट्रोल : जानकारी के अनुसार किसी भी प्रकार की मुसीबत होने पर जब कोई व्यक्ति डायल 112 पर फोन करता है या ऐप के माध्यम से अपनी समस्याओं को भेजता है तो राज्य स्तर पर बनाई गयी कंट्रोलिंग टीम के द्वारा तत्काल इस पर एक्शन लिया जाता है. टीम पूरी सूचना लेने के बाद तत्काल संबंधित थानों को या फिर संबंधित विभाग को इसकी जानकारी देती है. इसके बाद सूचना देने वालों तक सहायता पहुंचाई जाती है. राज्य स्तर के अलावा जिला स्तर और थाना में भी इसके लिए एक टीम कार्यरत है, जो 24 घंटे सक्रिय रहती है. इसके अलावा मॉनिटरिंग टीम के द्वारा सूचना मिलने से लेकर सहायता पहुंचने तक की पूरी मॉनिटरिंग की जाती है.

आपातकालीन स्थिति में सहायता प्राप्त करना काफी आसान है

डायल 112 ऐप से आपातकालीन स्थिति में सहायता प्राप्त करना काफी आसान है. क्योंकि ऐप के माध्यम से जैसे ही अपनी सूचना पोस्ट की जाती है वैसे ही विभाग को आवेदक का लोकेशन और समस्या की जानकारी हो जाती है और विभाग सक्रिय हो जाता है. जबकि डायल 112 पर फोन करने के बाद संबंधित व्यक्ति से फोन पर पूरी जानकारी ली जाती है. उसके बाद पूरी जानकारी ऐप पर लोड की जाती है.

रांची विवि नहीं करा सका बीटेक की बैकलॉग परीक्षा

रांची । रांची विश्वविद्यालय बीटेक की बैकलॉग परीक्षाओं को अब तक आयोजित नहीं करा सका है. आगे के लिए भी कोई तैयारी नहीं है. 2017-21 सेशन के सेमेस्टर 4, 6, 7 और 8 में लगभग 100 छात्र हैं, जो अलग-अलग विषयों में फेल थे. इसके लिए बीटेक छात्रों ने रांची विश्वविद्यालय के कुलपति को अपनी समस्या बता चुकी है. प्रत्येक साल बीटेक के आठों सेमेस्टर की परीक्षा होती है, लेकिन सभी परीक्षाओं को लिया नहीं गया है. 2016 में नामांकन लिए छात्रों की परीक्षा ली गयी है. वहीं 2017 में नामांकन लिए छात्रों का रजिस्ट्रेशन अगस्त में समाप्त हो जाएगा. यूजीसी के अनुसार स्नातक में सेशन समाप्त होने के बाद 3 साल तक रजिस्ट्रेशन मान्य रहता है, वहीं स्नातकोत्तर में सेशन समाप्त होने के बाद 2 साल रजिस्ट्रेशन की मान्यता रहती है. पहले बीटेक की परीक्षा और डीग्री रांची विश्वविद्यालय देता था, लेकिन 2017 के बाद झारखंड के सभी बीटेक कॉलेज झारखंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी के अंदर आते हैं. जिन छात्रों का रजिस्ट्रेशन फेल हो गया था, उनके लिए एक मौका विश्वविद्यालय की ओर से दिया गया था. इस संबध में टेक्निकल छात्र संघ के अभिषेक बनर्जी ने कहा है कि विश्वविद्यालय के इस रवैये से बीटेक के छात्रों के भविष्य पर भी खतरा मंडरा रहा है.

चिकित्सा : पारस एचईसी हॉस्पिटल में अब कटे और क्षतिग्रस्त अंगों का भी होगा इलाज

कट कर अलग हो चुके अंगों को जोड़ना संभव

संवाददाता। रांची

रांची के पारस एचईसी हॉस्पिटल में अब माइक्रोवैस्कुलर रिकंस्ट्रक्टिव प्लास्टिक सर्जरी की सुविधा भी हो गई है. पिछले एक साल से रांची के इस अस्पताल में माइक्रोवैस्कुलर सर्जरी और प्लास्टिक सर्जरी की विधि से लोगों को बेहतर जिंदगी देने का काम हो रहा है. पारस एचईसी अस्पताल के प्लास्टिक सर्जन डॉ. विवेक गोस्वामी के नेतृत्व में प्लास्टिक सर्जरी विभाग में हर तरह की माइक्रोवैस्कुलर सर्जरी एवं पुनर्निर्माण विधि से सर्जरी हो रही है.

पारस एचईसी अस्पताल के प्लास्टिक सर्जन डॉ. विवेक गोस्वामी ने बताया कि किसी भी अप्रत्याशित दुर्घटना या मशीन से किसी मरीज़ का अंग पूरी तरह से कटकर शरीर से अलग हो जाने पर यदि मरीज़ को गोल्डन पीरियड के भीतर जो 6 घंटे होते हैं अस्पताल ले आया जाये तो उस अंग को वापस शरीर से जोड़ा जा सकता है. क़रीब 5 से 6 घंटे तक चलनेवाले ऑपरेशन की प्रक्रिया के बाद उस मरीज के कटे हुए अंग के सभी नसों, हड्डी और मांसपेशियों को फिर से जोड़ा जा सकता है. अगर शरीर का कोई अंग खराब हो गया है तो शरीर के किसी और अंग से मांस एवं हड्डियों को निकाल कर नसों द्वारा जोड़ा जाता है. पारस एचईसी अस्पताल के फैसिलिटी डायरेक्टर डॉ नीतेश कुमार ने मौक़े पर कहा कि हमें गर्व है कि हम प्रदेश में असाध्य और जटिल बीमारियों के इलाज की सुविधा देने में प्रमुखता से आगे बढ़ रहे हैं. फाइलेरिया रोग को माइक्रोवैस्कुलर विधि से ठीक करने के लिए अब रांची के पारस एचईसी अस्पताल में इलाज भी शुरू हो गया है. इसके साथ आने वाले वर्ष में पारस अस्पताल में किडनी ट्रांसप्लांट, हैंड ट्रांसप्लांट और कैंसर के मरीजों का इलाज भी संभव होगा.

चिकित्सा व्यवस्था की जानकारी देते निदेशक एवं प्लास्टिक सर्जन.

अस्पताल में होनेवाली मुख्य सर्जरी

रीइम्प्लांटेशन सर्जरी

माइक्रोवैस्कुलर फ्री फ्लैप सर्जरी

ब्रेकियल प्लेक्सस सर्जरी

रिवैस्कुलराइजेशन सर्जरी

सिर और गर्दन की पुनर्निर्माण सर्जरी

लसीका सर्जरी की सुविधा उपलब्ध है

आपकी सरकार आपके द्वार ओरमांझी प्रखंड के चाडू पंचायत में शिविर, पहुंचे वित्त विभाग के प्रधान सचिव

भविष्य में बेहतर नीति के लिए फीडबैक जरूरी : अजय कुमार

संवाददाता। रांची

गुरुवार को झारखंड वित्त विभाग के प्रधान सचिव अजय कुमार सिंह एवं रांची डीसी राहुल कुमार सिन्हा ओरमांझी प्रखंड के चाडू पंचायत में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के शिविर में पहुंचे. प्रधान सचिव ने ग्रामीणों को सरकार की विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी. इस दौरान शिविर में विभिन्न योजनाओं के लाभुकों के बीच परिसंपत्ति का वितरण किया गया. जिसमें सामाजिक सुरक्षा के तहत मिलने वाली पेंशन (वृद्ध/दिव्यांग/विधवा) कुल-10 लाभुकों को पेंशन स्वीकृति पत्र, मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत कुल-5 लाभुकों को स्वीकृति पत्र, साइकिल वितरण योजना कुल- 7 छात्र/छात्राओं को 4500 रुपये के डमी चेक का वितरण, गुरुजी क्रेडिट कार्ड योजना कुल-5 तथा सोना सोबरन धोती-लुंगी साड़ी योजना के कुल-20 लाभुकों को, आयुष्मान कार्ड कुल-03 एवं कल्याण मंच से सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, साइकिल वितरण, जाति, आवासीय प्रमाण पत्र, सिंचाई संयंत्र, मनरेगा जॉब कार्ड का वितरण लाभुकों के बीच ऑन द स्पॉट किया गया.

प्रधान सचिव ने अजय कुमार ने कहा कि यह सरकार का महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है, ताकि आम लोगों से संपर्क स्थापित कर उनकी समस्याओं को जाना जा सके और उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए प्रशासन उनके दरवाजे तक पहुंचे सके. उन्होंने कहा कि पिछले साल की तरह इस साल भी झारखंड सरकार का प्रयास है कि ज्यादा से ज्यादा आवेदन कैंप में प्राप्त किए जाएं. भविष्य में बेहतर तरीके से नई नीति बनाई जा सके और प्रक्रिया को सरल बनाया जा सके. इसके लिए फीडबैक जरूरी है.

योजनाओं का लाभ लाभुकों को मिलें इसपर विशेष ध्यान दें : डीसी डीसी राहुल कुमार सिन्हा ने शिविर में मौजूद सभी लाभुकों से मिल कर उनसे योजना का लाभ और योजनाओं के बारें में जानकारी दी एवं सम्बंधित सभी अधिकारी को विशेष रूप से कहा कि झारखंड सरकार के सभी योजनाओं का लाभ लाभुकों को मिलें इसपर विशेष ध्यान दें, ताकि लाभुक सरकार की योजनाओं का लाभ लेते हुए अपना विकास कर सकें. इस दौरान डीडीसी रांची दिनेश कुमार यादव, प्रखंड विकास पदाधिकारी ओरमांझी विजय कुमार, अंचल अधिकारी ओरमांझी नितिन शिवम गुप्ता, जिला परिषद सदस्य, प्रमुख ओरमांझी, पंचायत समिति सदस्य, मुखिया चाडु एवं सम्बंधित सभी अधिकारी उपस्थित थे.

मनाया गया बीके वीणा बहन का स्मृति दिवस

रांची। ब्रह्माकुमारी संस्थान, हरमू रोड में गुरुवार को ब्रह्माकुमारी वीणा बहन का स्मृति दिवस श्रद्धाभाव से मनाया गया. अनुयायियों ने बहन जी की तस्वीर पर श्रद्धा के पुष्प चढ़ाये और अपने उद्गार व्यक्त करते हुए वीणा बहन को श्रद्धांजलि दी. ज्ञात हो कि रानी बहन के बाद वीणा बहन और अब ब्रह्माकुमारी निर्मला बहन ईश्वरीय विश्वविद्यालय में आध्यात्म को गति दे रही हैं. नाबार्ड बैंक के डीजीएम सुभाषचंद्र गर्ग ने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि वीणा बहन की वाणी आध्यात्म क्षितिज में भले ही शांत हो गयी हो, लेकिन उनका संकल्प का प्रभाव आज भी बरकरार है. ब्रह्माकुमारी निर्मला बहन ने कहा कि आत्मा को पूर्णत्व प्रदान कर उसे दिव्य स्वरूप प्रदान करने का यत्न करें. वीणा बहन का जीवन आध्यात्म, सेवा और भक्ति से परिपूर्ण था.

काली मंदिर बचाओ संघर्ष समिति का धरना जारी

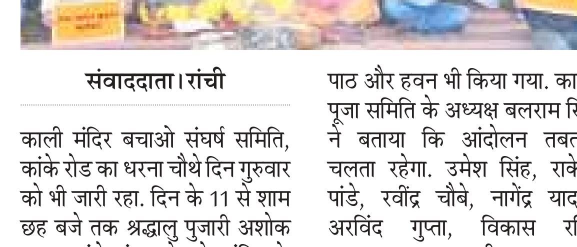

संवाददाता। रांची

काली मंदिर बचाओ संघर्ष समिति, कांके रोड का धरना चौथे दिन गुरुवार को भी जारी रहा. दिन के 11 से शाम छह बजे तक श्रद्धालु पुजारी अशोक कुमार पांडे संग डटे रहे. मंदिर के प्रवेश द्वार के पास रॉक गार्डेन प्रबंधन द्वारा किये गये अतिक्रमण के खिलाफ आवाज बुलंद करते रहे. रॉक गार्डेन प्रबंधन होश में आओ ... जैसे नारो से वातावरण गूंजता रहा. मौके पर पूजा-पाठ और हवन भी किया गया. काली पूजा समिति के अध्यक्ष बलराम सिंह ने बताया कि आंदोलन तबतक चलता रहेगा. उमेश सिंह, राकेश पांडे, रवींद्र चौबे, नागेंद्र यादव, अरविंद गुप्ता, विकास रवि, रामलगन राम, नीरज नायक, रणधीर कुमार सिंह, रोमित नारायण सिंह, सपन, आनंद कुवंर, विशु सिंह, संतोष कुमार रवि, राकेश कुमार सिंह वीर, विजय सिंह, राजेश कुमार, बबन आदि धरना देने वालों में मुख्य थे.

मनोहरपुर

अभ्यर्थियों की उम्र सीमा खत्म हो रही है : गोवर्द्धन ठाकुर

मनोहतपुर प्रखंड के तरतरा निवासी गोवर्धन ठाकुर ने कहा कि सरकार राज्य में शिक्षित बेरोजगारों की संख्या बढ़ाने का काम कर रही है. उन्होंने कहा जेएसएससी व सीजीएल प्रतियोगी परीक्षा का फॉर्म 4 से 5 बार निकल चुका है. अभ्यर्थियों की उम्र सीमा घटती जा रही है. उन्होंने कहा राज्य में सरकारी कर्मचारियों की घोर कमी है. इसका खामियाजा जनता को भुगतना पड़ रहा है. सरकार को चाहिए कि राज्यहित में इस पर संज्ञान ले और जेएसएससी के तहत सभी प्रतियोगी परीक्षाएं नियम अनुसार समय पर ही ले. ठाकुर ने कहा जिस तरह मोदी सरकार कहती है कि समाज के हर अंतिम व्यक्ति तक विकास की किरण पहुंचेगी.

युवाओं के भविष्य के साथ हो रहा खिलवाड़ : जीवन भंगरा

सारंडा बिटकिलसोय के जीवन भंगरा का कहना है कि जेएसएससी की परीक्षा बार-बार स्थगित होने पर बहुत से युवाओं की उम्र सीमा पार हो जाती है. वह आगे आने वाली परीक्षा से वंचित रह जाते हैं. इसलिए सरकार को युवाओं के प्रति ध्यान देना चाहिए न कि उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ करना चाहिए. कई वर्षों से वैकेंसी निकली निकली हुई है लेकिन परीक्षा का संचालन एवं नियुक्ति प्रक्रिया में हो रही देरी कहीं न कहीं संबंधित अधिकारियों की कार्य शैली को दर्शाता है. वहीं सरकार द्वारा वैसे अधिकारियों पर अंकुश नहीं लगाने से उनके मनोबल में वृद्धि हो रही है.

बार बार परीक्षा स्थगित होना ठीक नहीं : नंदकुमार महतो

रायकेरा निवासी प्रतियोगी परीक्षा के छात्र नंदकुमार महतो ने कहा कि यह मेरी समझ से परे है कि बार बार परीक्षा स्थगित क्यों की जाती है. हम प्रतियोगी परीक्षा की दिन रात तैयारी करते हैं और समय पर परीक्षा नहीं हो पाती है. बार-बार जेएसएससी सीजीएल की परीक्षा स्थगित होना हमारे लिए दुर्भाग्य है. हम अपनी समस्या किसे बताए, यह समझ में नहीं आता है. अब हम जैसे विद्यार्थियों का मनोबल टूटता जा रहा है. पढ़ाई के प्रति रुचि कम होती जा रही है. झारखंड में नौकरी की आस में विद्यार्थी के लिए यह बहुत बड़ी समस्या है.

छात्रों का भविष्य लगा है दांव पर : आनंद कंडुलना

जेएसएससी की तैयारी कर रहे आनंदपुर बांडी के रहने वाले छात्र आनंद कंडुलना का कहना है कि कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षा समय पर होती नहीं है. होती भी है तो बार-बार स्थगित किए जाने से राज्य भर के छात्रों का भविष्य दांव पर लग जाता है. तैयारी कर रहे युवाओं में इसे लेकर काफी हताशा है.छात्रों का कहना है कि सरकार तथा इससे संबंधित अधिकारी की वजह से उनका भविष्य बर्बाद हो रहा है. नौकरी की उम्र समाप्त होती जा रही है. सरकार समय से एग्जाम कैलेंडर जारी नहीं करती है.

केवल तिथियों की घोषणा ही होती है : इसराइल भेंगरा

आनंदपुर तेंनताड़ी निवासी छात्र इसराइल भेंगरा का कहना है कि हम देखते आ रहे कि परीक्षा कि तिथियों की घोषणा की जाती है. लेकिन परीक्षा नहीं ली जाती है. अब तो हमारा सब्र का बांध टूटता जा रहा है. झारखंड में सीजीएल की परीक्षा कब होगी, इसके लिए कोई निर्धारित समय नहीं है. 2015 से केवल एक ही बात सुन रहे थे कि जल्द तिथि आएगी. इसका कोई समाधान ही नहीं हो पा रहा है. अब आगामी 21 और 28 जनवरी को परीक्षा की तिथि दी गई है. किंतु परीक्षा होगी या नहीं यह समझ में नहीं आ रहा है.चूंकि पूर्व में भी प्रतियोगी परीक्षा की तिथि निकलने के बाद भी स्थगित हुई है.जिससे छात्रों में हताशा की स्थिति बनी हुई है.

बोकारो

बार बार तिथि में फेरबदल से परेशानी बढ़ी : शिवम

बोकारो जिले के कसमार प्रखंड के रंगामाटी निवासी युवक शिवम कुमार महतो ने कहा कि झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा बार बार परीक्षा की तिथि में फेरबदल से हम सब शिक्षित बेरोजगार परेशान हो गए हैं. आयोग की क्या मंशा है, यह समझ में नहीं आ रहा है. उन्होंने बताया कि आयोग की मंशा यह बतलाती है कि उनको सिर्फ डेट पर डेट देना है, ताकि छात्र का भविष्य अधर में लटककर रह जाए, और छात्र की उम्र सीमा समाप्त हो जाये.

अभ्यर्थियों की उम्र सीमा हो रही है समाप्त : सुजीत

कसमार प्रखंड के टॉंगटोना पंचायत के नावाडीह निवासी सुजीत कुमार महतो ने कहा कि झारखंड सरकार समय पर परीक्षा नहीं ले पा रही है. 2024 में तो फिर लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव में ही समय बीत जाएगा. आखिर परीक्षा जेएसएससी कब लेगी, इसमें संशय की स्थिति बनी हुई है. सरकार एवं जेएसएससी की लापरवाही में हम अभ्यर्थियों की उम्र सीमा खत्म होती जा रही है, लेकिन सरकार को हमारी फिक्र नहीं है.

राजनीतिक लड़ाई में युवा हो रहे हैं बर्बाद : भानु प्रताप

कसमार प्रखंड के मंजुरा निवासी भानु प्रताप सिन्हा ने कहा कि झारखंड सरकार एक अजूबा सरकार है. यहां कुर्सी बचाने की फिराक में पक्ष और विपक्ष की राजनीतिक लड़ाई का खामियाजा हम छात्र भुगत रहे हैं. अभ्यर्थियों की उम्र सीमा समाप्त होती जा रही है. सरकार को चाहिए कि राज्यहित में इस गंभीर व संवेदनशील मुद्दे पर संज्ञान ले और जेएसएससी के तहत सभी परीक्षाएं समय पर आयोजित करे. बार-बार परीक्षा स्थगित किए जाने से राज्य भर के छात्रों का भविष्य दांव पर है. इससे युवाओं में काफी आक्रोश भी है.

बेरोजगारों के भविष्य से हो रहा है खिलवाड़ : तनवीर

बोकारो जिले के कसमार निवासी तनवीर आलम ने कहा कि झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षा की तैयारी मैं और मेरे कई साथी पांच साल से कर रहे हैं, लेकिन आज तक इस आयोग ने एक बार भी परीक्षा सही तरीके से आयोजित नहीं कर पाई. आयोग की गतिविधियों से स्पष्ट है कि हम शिक्षित बेरोजगारों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है. परीक्षा के नाम पर बार बार तिथि प्रकाशित करना एवं फिर डेट रद्द कर देना समझ में नहीं आ रहा है. सरकार को चाहिए कि छात्रों, युवाओं को रोजगार दे. छात्रों को दिग्भ्रमित करने का काम न करे.

बेरमो

बार बार परीक्षा स्थगित होने से परेशानी बढ़ी : विकास रजक

विकास रजक बेरमो प्रखंड के जारंगडीह उत्तरी पंचायत के जारंगडीह 12 नम्बर के निवासी हैं. फिलहाल रांची में कंप्टीशन की तैयारी कर रहे हैं. उन्होंने बताया कि बार बार इग्जाम स्थगित होने से परेशानी बढ़ी हुई है. उम्र भी निकलता जा रहा है. अपने घर को छोड़कर बाहर राज्य में तैयारी करने परिवार व अभिभावक पर अतिरिक्त खर्चों का बोझ बढ़ता जा रहा है. इग्जाम स्थगित होने से हम छात्रों का मनोबल भी कमजोर होता जा रहा है.

नौकरी मिलना मुश्किल लग रहा है : सुरेश रजवार

सुरेश रजवार बेरमो प्रखंड के जारंगडीह उत्तरी पंचायत के जारंगडीह डबल स्टोरी के निवासी हैं. पिता सीसीएल कर्मी हैं. सुरेश रांची में कंप्टीशन की तैयारी कर रहे हैं. उन्होंने बताया कि इस सरकार में छात्रों को नौकरी मिलना मुश्किल लग रहा है. इग्जाम स्थगित होना बीमारी जैसा हो गया है. मानसिक तनाव बढ़ जा रहा है. उम्र भी निकलता जा रहा है. अपने घर को छोड़कर बाहर राज्य में तैयारी करने से परिजनों से दूर रहना पड़ता है.

नाराजगी और चिंता का माहौल : निलेश कुमार

निलेश कुमार, साड़म गोमिया के छात्र हैं. स्नातकोत्तर उत्तीर्ण विद्यार्थी हैं. उन्होंने कहा कि झारखंड स्टेट स्टाफ सिलेक्शन कमीशन (जेएसएससी) की परीक्षाओं में निरंतर देरी हो रही है. झारखंड के छात्रों में नाराजगी और चिंता का माहौल है. परीक्षा कैलेंडर की अनियमितता तैयारी को अस्थिर कर दिया है. रोजगार की योग्यता की आखिरी सीमा के करीब जाने के कारण, तंगी और कुछ मामलों में डिप्रेशन भी बढ़ा है. मांग है कि JSSC स्पष्टता और सही समय पर सूचना प्रदान करे, ताकि मेहनत का उचित मूल्य मिले. आवश्यकता है कि छात्रों की आत्मविश्वास को पुनः स्थापित करने के लिए परिस्थितियों का ठीक करें.

छात्र राज्य सरकार और आयोग से नाराज : सुरेंद्र

सुरेंद्र कुमार मैत्रीय गोमिया के निवासी है. उन्होंने बताया कि जेएसएससी आयोग द्वारा पिछले वर्ष जेएसएससी सीजीएल निम्नवर्गीय लिपिक तथा मैट्रिक लेवल की वैकेंसी निकाली गई थी. इन परीक्षाओं की तारीख लगातार बढायी जा रही है, जिससे राज्य के छात्र राज्य सरकार और आयोग से नाराज हैं. कारण पिछले कई वर्षों से राज्य में बेरोजगारी चरम पर है. बहुत से युवा अपने भविष्य की चिंता करते हुए राज्य के बाहर जाने को विवश हैं.नियमित परीक्षा नहीं होने के कारण आने वाले चुनाव में राज्य सरकार को भारी नुकसान हो सकता है.

रांची : बहुत सारी समस्याओं से जुझना पड़ रहा है : दिव्या ज्योति

छात्रा दिव्या ज्योति ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को बहुत सारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है. घर से पैसे मांगते मांगते घर वाले भी अब परेशान हो गए हैं. वे नौकरी की आस लगाए बैठे थे. अब वह भी उम्मीद टूट रही है. एक उम्र के बाद सब कुछ दूर हो रहा है. मेरे जैसे बहुत से हैं जो घर से बाहर रहकर परीक्षा की तैयारी करते हैं.

बार बार तिथि में बदलाव परीक्षार्थियों में निराशा पैदा करता है : विजय राज

इस संबंध में विजय राज पंत ने कहा कि परीक्षा की तिथि में बार बार बदलाव राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में रह रहे विद्यार्थियों के लिए बेहद दुखद है. जेएसएससी सीजीएल की परीक्षा तिथि एक बार फिर से बढ़ गई है. राज्य में बेरोजगारी चरम पर है और ऐसे में विद्यार्थियों के लिए यह बहुत मुसीबत भरा समय आ गया है.सरकार को इस ओर ध्यान देने की जरुरत है. ताकि स्थिति में सुधार हो.

आयोग के मौजूदा रवैये से गुमराह हो रहे हैं अभ्यर्थी : आयुष गुप्ता

इस संबंध में आयुष गुप्ता का कहना है कि जैसे कि जेएसएससी सीजीएल की परीक्षा तिथि में बार-बार बदलाव हो रहा है. इससे सरकार और आयोग की मंशा पर सवाल उठता है. क्या यह परीक्षा कंडक्ट करवाना चाहते है या नहीं. या फिर विद्यार्थियों को गुमराह करने का काम किया जा रहा है. सरकार को इसके प्रति सचेत होने की जरुरत है.

आयोग के मौजूदा रवैये से उसके प्रति विश्वास कम हो रहा है : अभय कुमार

छात्र अभय कुमार का कहना है कि आयोग बार-बार जेएसएससी परीक्षा की तिथियों में बदलाव कर रहा है. अब उसके प्रति विश्वास भी कम हो रहा है. क्योंकि हेमंत सरकार रोजगार और नौकरी के वादों के साथ आई थी, लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि अब सरकार नौकरी देने में सक्षम नहीं है. साल बीत गया, पर परीक्षा नहीं हुई.

शायद सरकार रोजगार का सृजन करने के काबिल नहीं : अमित गुप्ता

छात्र अमित गुप्ता ने कहा कि परीक्षा तिथियों में बदलाव किया जा रहा है. इससे लगता है कि सरकार युवाओं के प्रति संवेदनशील नहीं है. हेमंत की सरकार ने चुनाव से पहले बेरोजगारों को नौकरी देने का वादा किया था. पर यहां सब कुछ उल्टा चल रहा है. लगता है यह सरकार रोजकार सृजन करने के काबिल नहीं है.

प्रतीकात्मक फोटो

जेएसएससी की परीक्षाएं पिछले कई सालों से नहीं हो पाई हैं

आयोग के रवैये से हताश और निराश हैं अभ्यर्थी

1. झारखंड कर्मचारी चयन आयोग ने संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा की नई तिथि 21 और 28 जनवरी 2024 निर्धारित की है
2. विद्यार्थियों का कहना है कि राज्य सरकार को युवाओं के रोजगार मामले को लेकर ज्यादा संवेदनशील होना जरूरी है

झारखंड में परीक्षाओं के समय पर न होने, बार बार तिथियों की घोषणा के बाद स्थगित हो जाने से विद्यार्थियों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है. जेएसएससी की परीक्षाओं को ही लीजिए. पिछले कई साल से कई बार इसकी इसकी तिथि स्थिगित हो गई. परीक्षा कब आयोजित होगी, इसे लेकर विद्यार्थी चिंतित हैं. हालांकि नई तिथि 21 एवं 28 जनवरी निर्धारित की गई है. पर अब भी छात्र संशय में हैं कि समय पर परीक्षा हो पाएगी या नहीं. उनका कहना है कि परीक्षा जनवरी में हो जाए तो बड़ी बात होगी. झारखंड में बेरोजगारी दिनों दिन बढ़ती जा रही है. इसका मुख्य कारण परीक्षाओं का समय पर नहीं होना है. जिसके कारण परीक्षाओं के लिए विद्यार्थियों की उम्र सीमा पार हो रही है. इस वजह से वे हताश और निराश हैं. कई तो ऐसे हैं जिन्हें लगता है कि युवाओं के लिए यहां कुछ नहीं हो सकता और वे नौकरी के लिए दूसरे राज्यों में पलायन कर चुके हैं. यह बात सिर्फ प्रतियोगी परीक्षा को लेकर ही नहीं है. स्कूल, कॉलेज की परीक्षाएं भी बिलंब से हो रही है. जिसका खामियाजा विद्यार्यियों को ही भुगतना पड़ रहा है. वे कहते हैं कि राज्य सरकार युवक- युवतियों के रोजगार के लिए संवेदनशील नहीं है. यही वजह है कि राज्य के विभिन्न विभागों में रिक्त पड़े पद भरे नहीं जा पा रहे हैं. शुभम संदेश की टीम ने विभिन्न जिलों में इस संबंध में विद्यार्थियों से बात की है. **पेश है रिपोर्ट.**

धनबाद : सरकार से युवाओं का उठ रहा भरोसा : विकास

तेलीपाड़ा निवासी पीजी की पढ़ाई पूरा कर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विकास साव ने बताया कि पिछले 23 वर्षों में झारखंड में रही सभी सरकार जेपीएससी की परीक्षा समय पर आयोजित करने में नाकाम रही है. इसका बुरा प्रभाव विद्यार्थियों व रोजगार की तलाश कर रहे युवाओं पर पड़ रहा है. एक ओर जहां बेरोजगारी बढ़ रही है तो वही दूसरी ओर युवाओं का सरकार से भरोसा उठ रहा है.

युवाओं के सपने हो रहे चूर,खत्म हो रही है उम्र : रोहित पाठक

प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे बीबीएमकेयू के पीजी विभाग के युवा रोहित पाठक ने बताया कि बीते 10 वर्षों में केवल दो बार झारखंड टेट की परीक्षा हुई है. जिसकी वजह से बीएड कर सरकारी शिक्षक बनने की इच्छा रखने वाले लाखों विद्यार्थियों के सपने चकनाचूर हुए हैं. कई विद्यार्थियों की उम्र सीमा खत्म होने वाली है. जेपीएससी और सीजीएल की परीक्षा का आयोजन भी समय पर नहीं हो रहा है. प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे युवाओं में भारी निराशा है.

फॉर्म से नियुक्ति तक की प्रक्रिया पंचवर्षीय योजना की तरह : राकेश

हीरापुर निवासी राकेश झा ने बताया कि राज्य स्तरीय जेपीएससी की परीक्षा हो, शिक्षक नियुक्ति की परीक्षा हो, झारखंड एसएससी की परीक्षा हो या झारखंड टेट की परीक्षा हो सभी की स्थिति खराब है. परीक्षा की घोषणा से फॉर्म भरने से लेकर रिजल्ट तक की प्रक्रिया पंचवर्षीय योजना की तरह प्रतीत होने लगी है. फॉर्म भरने के बाद भी नियुक्ति कब मिलेगी इसको लेकर कुछ भी साफ नहीं रहता है. एसएससी-सीजीएल का फॉर्म भरवाने के बाद कई बार परीक्षाएं स्थगित की गई हैं. इस बार जेपीएससी में भी यही हाल है.

युवाओं को उलझा कर रखना चाहती है सरकार : काजल

झरिया के अलकुशा निवासी छात्रा काजल यादव ने बताया कि सरकार छात्रों को जेएसएससी सीजीएल का एग्जाम डेट देकर रोजगार संबंधित अन्य ज्वलंत मुद्दों जैसे झारखंड पुलिस, दारोगा, एसी तमाम वैकेंसी को दबाना चाह रही है. सरकार ने अपनी असफलता को छिपाने के लिए जेएसएससी सीजीएल का एग्जाम डेट जारी किया गया है. आयोग के लिए ये कोई नई बात नहीं है. सरकार छात्रों को केवल उलझा कर रखना चाहती है. सरकार और आयोग को स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए और झारखंड पुलिस और दारोगा की वैकेंसी शीघ्र जारी करनी चाहिए.

पता नहीं कितने वर्षों तक करना होगा इंतजार : विकास कुमार

बीबीएमकेयू के पीजी के छात्र विकास कुमार का कहना है कि पढ़ाई के बाद उनका सपना सरकारी नौकरी में जाने का है लेकिन विगत कुछ वर्षों से राज्य सरकार के विभिन्न विभागों की नियुक्ति प्रक्रिया को देखते हुए वे संशय की स्थिति में हैं कि पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्हें रोजगार के लिए कितने वर्षों तक इंतजार करना पड़ेगा. नियुक्ति प्रक्रिया शुरू होने की आस में उनके घर के आस-पास रहने वाले कई युवाओं की उम्र सीमा भी समाप्त हो गई है. जिसकी नियुक्ति शुरू हुई है तो उसकी परीक्षा नहीं हो रही है.

जमशेदपुर : धरी की धरी रह जा रही हमारी सभी तैयारी : गौरी शंकर नायक

छात्र गौरी शंकर नायक ने कहा कि जेएसएससी परीक्षा का बार-बार स्थगित होना हम छात्रों के लिए परेशानी तो है ही, हमारे भविष्य के साथ खिलवाड़ भी है. लंबे समय से हम इस परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं, बावजूद सारी तैयारी धरी की धरी रह जा रही है. इतना ही नहीं हम छात्र आर्थिक, सामाजिक और मानसिक रूप से भी परेशानियों का सामना करने को विवश हो चुके हैं. रात रात भर जाकर हमारा परीक्षा की तैयारी करना, और इसके बाद सरकार की ओर से इसे स्थगित कर दिया जाना, हमें बेरोजगारी के दलदल में धकेलने का संकेत ही तो है.

रवैये से लगता है कि सरकार हमें रोजगार देना ही नहीं चाहती : हराधन

छात्र हराधन महतो ने कहा कि वास्तव में सरकार यहां के नौजवानों को रोजगार देना ही नहीं चाहती है. पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान 5 लाख नौकरियां देने का वादा किया गया था. इसके अलावा बेरोजगारी भत्ता की भी घोषणा की गई थी. सब ढाक के तीन पात साबित हो रहे हैं. रात रात भर जाकर और धान बेचकर हम परीक्षा की तैयारी करते हैं, परीक्षा का फॉर्म भी भरते हैं, लेकिन ऐन वक्त पर परीक्षा स्थगित कर दी जाती है. हाल ही में ऐसा हुआ है. अब कहां जा रहा है की परीक्षा जनवरी में होगी. लेकिन कुछ नहीं कहा जा सकता.

हम छात्रों को हर तरह से परेशानियों का सामना कर रहे हैं : प्रभात कुमार

छात्र प्रभात कुमार महतो ने कहा कि बार-बार परीक्षा स्थगित होने अथवा टाल दिए जाने के कारण हम छात्रों को हर तरह से परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. नौकरी की उम्र बत्ती जा रही है. तैयारी के लिए परिजनों पर आर्थिक खर्च का दबाव हमेशा बना रहता है. सामाजिक तौर पर भी अभी तक हम बेरोजगार ही कहलाते हैं. यह सच भी है. इस तरह से परीक्षा न होने के कारण रोजगार की आस तो टूटी ही रही है, हमें आर्थिक सामाजिक और मानसिक रूप से भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. सरकार को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए.

घाटशिला : छात्र मजबूरन ऐसे में उग्र आंदोलन को बाध्य होंगे : आशीष गोडसरा

घाटशिला प्रखंड निवासी आशीष गोडसरा ने कहा कि वर्तमान में जेएसएससी की परीक्षा पूरे झारखंड में सबसे बड़ा विवादास्पद परीक्षा बन गई है. 6 वर्षों से अब तक परीक्षा शुरू नहीं हो पाई है . सरकार की उदासीन रवैया से छात्र परेशान हैं. ऐसे में कुछ न कुछ विवाद के कारण जेएसएससी की परीक्षा को हमेशा रद्द करना सरकार की नियति बन गई है. सरकार जल्द से जल्द नियमावली में सुधार कर जेएसएससी की परीक्षा नियमित समय पर ले. अन्यथा छात्र मजबूरन उग्र आंदोलन करने को बाध्य होंगे. आखिरकार कब तक छात्रों के भविष्य के साथ इस तरह का खिलवाड़ होता रहेगा.

नौकरी बिना कोर्ट तक गए पूरी नहीं होती है : चंद्र मोहन हांसदा

घाटशिला मुख्य बाजार स्थित सक्सेस ट्यूटोरियल क्लासेस से जेएसएससी की तैयारी कर रहे छात्र चंद्र मोहन हांसदा ने बताया कि झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग एक असमर्थ आयोग है. प्रत्येक वर्ष 7 से 8 लाख छात्र परीक्षा के लिए आवेदन भरते हैं.वह यह सोचते हैं कि परीक्षा देकर एक अच्छी सरकारी नौकरी मिलेगी, पर ऐसा होता नहीं है. अगर किसी प्रकार से परीक्षा हो भी जाती है तो इसका परिणाम कब आएगा यह निश्चित नहीं है. अगर परिणाम आ भी जाए तो कोई न कोई पेंच लगाकर अभ्यर्थी को योगदान करने से रोक दिया जाता है.

तिथि तो घोषित हुई है,पर परीक्षा कब होगी कहा नहीं जा सकता : बाहा बेसरा

घाटशिला प्रखंड की छात्रा बाहा बेसरा ने बताया कि हम देख रहे हैं कि परीक्षा की तिथियों की घोषणा की जाती है. लेकिन परीक्षा नहीं ली जाती. ऐसे में हमारा मनोबल पूरी तरह टूटता जा रहा है. झारखंड में जेएसएससी की परीक्षा कब होगी इसके लिए कोई निर्धारित समय नहीं है. अब 21 और 28 जनवरी को परीक्षा की तिथि घोषित की गई है. परीक्षा होगी या नहीं यह समझ में नहीं आता. सरकार सिर्फ घोषणाएं करती है कि लाखों युवाओं को नौकरी दी जाएगी. पर ऐसा है नहीं. परीक्षा में जो कमी है उसे दूर करना चाहिए.

साहिबगंज : अब तो अभिभावकों पर अतिरिक्त अर्थिक बोझ बढ़ता ही जा रहा है : संगीता टूटू

साहिबगंज महाविधालय के एमए के छात्रा संगीता टूटू ने कहा कि झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षा की तैयारी मैं और मेरे कई साथी लगे हुए हैं. पर जेएसएससी द्वारा परीक्षा को कई बार स्थिगित किया गया. बार बार परीक्षा स्थगित होने से हमलोगों की परेशानी बढ़ गई है. हम सभी घर से दूर रहकर इसकी तैयारी में लगे हैं. बाहर जाकर तैयारी करने में खर्च ज्यादा होता है. इसलिए अभिभावक पर अतिरिक्त खर्चों का बोझ बढ़ता जा रहा है. परीक्षा स्थगित होने से हम छात्र-छात्रों का मनोबल गिरता जा रहा है. सरकार को इस ओर ध्यान देने की जरुरत है.

बार बार परीक्षा स्थगित होने से अभ्यर्थियों का मनोबल गिरता जा रहा है : विनोद मुर्मू

साहिबगंज महाविधालय पीजी के छात्र विनोद मुर्मू का कहना है कि हेमंत सोरेन की सरकार विद्यार्थियों को रोजगार देने के वादे को लेकर सत्ता में आई थी, लेकिन सरकार के सत्ता में बैठते ही वह अपने वादों को भूल गई और अब अपनी मनमानी करने में लगी है. इस सरकार का टर्म अब पूरा होने वाला है. पर सरकार की क्रिया कलापों से विधार्थी ठगा महसूस कर रहे हैं.उन्होंने कहा कि जब से झारखंड बना है तब से अभी तक कोई भी रोजगार की परीक्षा युवाओं को रोजगार देने में कामयाब नहीं हो पाई है. इस सरकार के कार्यकाल में जेएसएससी जेपीएससी की परीक्षा को रद्द करवा दिया गया है. हमलोग सोच रहे थे कि इस सरकार में आदिवासियों के लाभा मिलेगा, लेकिन सब कुछ उल्टा हो रहा है.

लातेहार

झारखंड में परीक्षाओं की स्थिति सही नहीं : उज्जव

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे शहर के चाणक्यनगरी के उज्जवल यादव ने कहा कि झारखंड में परीक्षाओं की स्थिति सही नहीं है. लगातार प्रतियोगी परीक्षाएं स्थगित होने से छात्र काफी परेशान होते हैं. लोग अपने गांव व घर छोड़ कर शहर में तैयारियां करने आते हैं. मां बाप की उम्मीद अपने बच्चों से रहती है,लेकिन परीक्षाओं में देरी होने से न सिर्फ परीक्षा वरन नौकरियों में भी उम्र की सीमा निकलती जाती है.परीक्षा बार-बार स्थगित किये जाने से छात्रों को आर्थिक मुसीबतों का भी सामना करना पड़ता है.

अभ्यर्थियों की उम्र सीमा समाप्त हो रही है: पवन

परीक्षाओं की तैयारी कर रहे पवन ओझा ने कहा कि सरकार राज्य में शिक्षित बेरोजगारों की फौज खड़ी कर रही है.जेएसएससी की सीजीएल परीक्षा का फार्म चार से पांच बार निकल चुका है. ऐसे में अभ्यर्थियों की उम्र सीमा निकलती जा रही है. एक तो प्रदेश के कार्यालयों में सरकारी कर्मचारियों की कमी है तो दूसरी ओर सरकार चयन परीक्षायें नहीं ले रही है. इससे न सिर्फ राज्य में शिक्षित बरोजगारों की संख्या बढ़ रही है वरन राज्य का विकास कार्य भी प्रभावित हो रहा है.

परीक्षाओं के लिए कैलेंडर जारी होना चाहिए: पुष्पंजीत

चयन परीक्षाओं की तैयारी कर रहे पुष्पंजीत कुमार ने कहा कि झारखंड सरकार को चाहिए कि एक साल मे होने वाले सभी चयन परीक्षाओं का एक कैलेंडर जारी करें. न सिर्फ जारी करें वरन समय पर परीक्षायें भी आयोजित करें. इससे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वालें अभ्यर्थियों के मन में एक लक्ष्य होगा और वह उसके हिसाब से अपनी तैयारी कर सकेगें. समय पर परीक्षायां नहीं होने से न अभ्यर्थियों की उम्र सीमा निकल जा रही है. कभी कभी तो ऐसा होता है कि आज फार्म भरते हैं, अचानक दो साल बाद एडमीड कार्ड आ जाता है.

छात्रों के भविष्य के साथ हो रहा है खिलवाड़: राहुल देव

लातेहार के राहुल देव प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि सरकार तय समय पर परीक्षायें नहीं ले कर छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहा है. झारखंड कर्मचारी चयन आयोग आज तक एक भी परीक्षा सूचारू रूप से नहीं ले पाया है. परीक्षाओं की तिथि तय होती है फिर से स्थगित हो जाती है. इससे छात्र परेशान होते हैं. वर्षों से मेहनत कर रहे छात्रों के उम्मीदों पर पानी फिर जाता है. सरकार छात्र हित में कोई ठोस निर्णय ले. तभी छात्र व राज्य का भला होगा.

सरकार के खिलाफ युवाओं में काफी रोष है : धीरेंद्र राम

जेएसएससी को छात्रों के हितों की रक्षा करनी चाहिए. आज युवाओं में सरकार के खिलाफ खासा रोष है. एक तो परीक्षाएं तय समय पर नहीं हो रही है. अगर कभी तिथि निर्धारित हो रही है तो उसे स्थगित कर दी जा रही है. ऐसे में छात्रों का मनोबल टूट रहा है. आज प्रदेश के युवा अपने आप को हताश महसूस कर रहे हैं. सरकार ने युवाओं के भरोसे को तोड़ा है. छात्रों में मायूसी है और वे कुछ भी कर सकते हैं.

समय पर परीक्षाएं नहीं होना दुर्भाग्यपूर्ण: रीतेश

लातेहार के रितेश कुमार ने कहा कि समय पर चयन आयोग की परीक्षायें नहीं होना दुर्भाग्यपूर्ण है. छात्र जेएसएससी की तैयारी करते हैं, लेकिन तय समय पर कभी परीक्षाएं नहीं होती है. परीक्षा का इंतजार करते करते कई छात्रों की उम्र निकल जाती है. पिछले छह सालों में छात्र कई बार परीक्षा के लिए फार्म भर चुके हैं. सरकार का रवैया प्रतियोगी परीक्षा को ले कर तैयारी कर रहे छात्रो के प्रति सही नहीं है.

चाईबासा

6 वर्षों से लगातार परीक्षा स्थगित हो रही है : सुबोध

कोल्हान विश्वविद्यालय चाईबासा छात्र संघ के सचिव सुबोध महाकुड़ का कहना है कि विगत 6 वर्षों से बार-बार जेएसएससी परीक्षा की तिथि स्थगित होती रही है. यह काफी दुर्भाग्यपूर्ण है और यह विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने के जैसा है. सरकार को परीक्षाओं को लेकर गंभीर होने की जरूरत है. लेकिन सरकार इस पर गंभीर नहीं दिखती है. विद्यार्थी काफी उम्मीद लेकर परीक्षा की तैयारी करते हैं. लेकिन परीक्षा रद्द हो जाती है. इसे लेकर अभ्यर्थियों में काफी नाराजगी है.

परीक्षा तिथि स्थगित होना चिंता का विषय है : प्रमोद

छात्र टाटा कॉलेज चाईबासा के छात्र प्रमोद महाराणा ने कहा कि हम सभी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करते हैं. छात्र वर्षों से जेएसएससी की विभिन्न परीक्षाओं की तिथि का इंतजार कर रहे हैं और हर बार नई तिथि आती है. लेकिन परीक्षाएं नहीं हो पा रही है. यह चिंता का विषय है . झारखंड में लगातार जेपीएससी परीक्षा रद्द होते रहती है. झारखंड सरकार को छात्र हित में निर्णय लेना चाहिए और निर्धारित समय पर परीक्षा करनी चाहिए. ताकि विद्यार्थियों का भविष्य बर्बाद न हो सके.

परीक्षा रद्द होने से विद्यार्थियों का मनोबल टूटता है : संतोष

छात्र टाटा कॉलेज चाईबासा के छात्र संतोष महतो ने कहा कि हमेशा विद्यार्थियों को बार-बार परीक्षा की तिथि स्थगित होने से प्रतियोगिता तैयारी सही से नहीं हो पाती है. इससे विद्यार्थियों का मनोबल टूट रहा है. नौकरी करने की इच्छा शक्ति धीरे-धीरे खत्म हो रही है. सरकार को इस पर कड़ा निर्णय लेना होगा. जब तक छात्र हित में किसी तरह का निर्णय नहीं होगा. तब तक छात्रों का भविष्य अंधकार में रहेगा. झारखंड में वर्षों से जेपीएससी परीक्षा को लेकर राज्य सरकार गंभीर नहीं दिख रही है.

परीक्षा स्थगित होना काफी दुर्भाग्यपूर्ण : पप्पू बारिक

पीजी डिपार्टमेंट के छात्र पप्पू बारिक ने कहा कि झारखंड सरकार की विभिन्न परीक्षाओं की तिथि बार-बार स्थगित होना काफी दुर्भाग्यपूर्ण है. छात्र-छात्राओं की उम्मीदों पर पानी फिर रहा है. वे पढ़ लिख कर भविष्य में नौकरी हासिल करना चाहते हैं. काफी उम्मीद लेकर विद्यार्थी परीक्षा की तैयारी करते हैं और अचानक परीक्षा रद्द होने की सूचना मिलने से विद्यार्थी निराश हो जाते हैं.

गिरिडीह

युवाओं को ठगने का काम कर रही है सरकार : विकास

गावां प्रखंड के छात्र विकास रंजन ने कहा कि राज्य की हेमंत सोरेन की सरकार युवाओं को ठगने का काम कर रही है . प्रतियोगी परीक्षाओं को बार_बार रद्द किए जाने से युवा काफी निराश हैं. विद्यार्थियों ने पिछले चार वर्षो में अपने अभिभावक का लाखों रुपया खर्च कर दिया है,लेकिन परिणाम कुल भी नहीं निकल सका है. अब माता- पिता पढ़ाई के लिए पैसा भी नहीं देना चाहते हैं. उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार के खिलाफ युवाओं का आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है.

सरकार युवाओं के साथ अन्याय कर रही है: प्रवीण

गांडेय प्रखंड के अहिल्यापुर के छात्र प्रवीण मोदी ने कहा कि झारखंड सरकार युवाओं के साथ अन्याय कर रही है. इसे बर्दास्त करना मुश्किल हो रहा है. हेमंत सोरेन के नेतृत्व में पूर्ण बहुमत की सरकार बनी थी, तो युवाओं में राजगार सृजन की आशा जगी थी, लेकिन चार वर्ष बाद भी उनका ख्वाब अधूरा रह गया है. उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार प्रत्येक वर्ष नियुक्ति पर्व मना रही है, लेकिन राज्य के एक भी प्रतियोगी परीक्षा में भाग लेने वाले युवाओं को नियुक्ति पत्र नहीं मिल सका है.

सरकार रोजगार के वादे के साथ आई थी : प्रभात रंजन

धनवार प्रखंड के छात्र प्रभात रंजन ने कहा कि राज्य की हेमंत सोरेन की सरकार युवाओं को रोजगार देने के वादे को लेकर सत्ता में आई थी, लेकिन राज_पाट संभालते ही अपने वादों को भूल गई है. हेमंत सोरेन के कार्यकाल का 5 वर्ष पूरा होने वाला है, लेकिन अब तक युवा ठगा ही महसूस कर रहे हैं. झारखंड में प्रतियोगी परीक्षाओं का तिथि बार-बार बदला जा रहा है. इससे परीक्षार्थी हताश और बहुत ही निराशा हैं. सरकार को इस ओर ध्यान ध्यान देने की जरुरत है. ताकि स्थिति सुधरे और युवाओं के राज्य में नौकरी मिल सके. इस समय परीक्षा की तिथि बार बार बदलने से युवा हताश और निराश हैं.

परीक्षा के इंतजार में हम सब थक चुके हैं : बबलू

जमुआ प्रखंड के छात्र बबलू यादव ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षा के इंतजार में थक चुके हैं. अब परीक्षा में बैठने का उम्र भी समाप्त होने वाला है . राज्य में हेमंत सोरेन की सरकार बनने के बाद से एक नहीं कई बार परीक्षा की तिथियां बढ़ाई जा चुकी है . राज के विद्यार्थियों का अब सब्र का बांध टूट चुका है. सरकार और सिस्टम का खामियाजा यहां के स्टूडेंट को भुगतना पड़ रहा है. सरकार को इस स्थिति में बदलाव लाने की जरुरत है. इससे झारखंड से युवाओं का पलायन रुकेगा और वे अपनी सेवा राज्य को दे सकेंगे. जितनी जल्दी हो सरकार इस दिशा में पहल करे.

संसद, सुरक्षा और सवाल

संसद की सुरक्षा एक गंभीर मुद्दा है. 22 साल पहले 13 दिसंबर को ही संसद पर एक गंभीर आतंकी हमला हुआ था और उसमें अनेक सुरक्षाकर्मियों ने अपनी जान दे कर हमले को नाकाम किया था, लेकिन ठीक 13 दिसंबर को इस बार हुए सुरक्षा सेंध में चूक अनेक कारणों से बेहद संजीदा मामला है. नए संसद भवन में तीन लेयर की सुरक्षा के बावजूद यदि दो लोग घुस गए और स्मोक केन का इस्तेमाल कर दिया तो पूछा जाना चाहिए कि संसद की सुरक्षा की अभेद्य दीवार किस तरह टूटी. इतना तो तय है कि यह एक दूसरे तरह की कार्रवाई है, जिसमें चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है. उन युवाओं ने कुछ नारे लगाए हैं और देश का ध्यान बेरोजगारी जैसे कुछ अन्य संजीदा सवाल पर आकर्षित करने का प्रयास किया है. हालांकि उन युवाओं का तरीका बेहद गलत है और विरोध के ऐसे किसी भी तरीके को एक लोकतांत्रिक देश में उचित नहीं कहा जा सकता, लेकिन इस सवाल को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता. लोकतांत्रिक विरोध के तरीकों के प्रति युवाओं में क्यों अविश्वास पैदा हुआ. इसकी गहरी छानबीन की जानी चाहिए. संसद की सुरक्षा का सवाल सर्वोपरि है. इसे पुख्ता बनाना चाहिए, लेकिन 2004 के बाद से ही संसदीय सुरक्षा के नए उपक्रमों की उपेक्षा होती रही है. यहां तक की सुरक्षा प्रहरियों की कमी भी एक गंभीर मामला है. लोकसभा में दर्शक दीर्घा से दो लोगों ने छलांग लगाकर साबित कर दिया कि देश की सबसे बड़ी पंचायत अब भी वैसी ही असुरक्षित है, जिस प्रकार आज से ठीक 22 साल पहले थी, जब इसी दिन पुराने भवन पर एक बड़ा आतंकी हमला हुआ था. संयोग से तब भी भाजपा की ही सरकार थी. हालांकि उस घटना और आज के घटनाक्रम के स्वरूप में बड़ा फर्क है, लेकिन जो बात स्पष्ट तौर पर उभरकर आई है, वह यही कि सुरक्षा अब भी एक बड़ा मुद्दा है. एक व्यक्ति दर्शक दीर्घा से कूद पड़ा और नारे लगाता हुआ एक से दूसरी बेंच पर छलांगें लगाने लगा. वह अपने जूते से रंगीन धुआं छोड़ने वाला स्प्रे निकालने के लिये प्रयासरत भी दिखा. संसद में प्रवेश करने वालों की जो शिनाख्त की गई है, उसके अनुसार महिला का नाम नीलम (42) है, जो हिसार के रेड स्केवर की बताई गई है. दूसरा लातूर (महाराष्ट्र) का अमोल शिंदे (25) है. जब पुलिस द्वारा उन्हें गिरफ्तार कर ले जाया जा रहा था, वह महिला 'तानाशाही नहीं चलेगी, 'तानाशाही बन्द करो, 'मणिपुर में महिलाओं के साथ अत्याचार बन्द करो' जैसे नारे लगा रही थी. हालांकि अपनी आवाज सत्ता और लोगों तक पहुंचाने के दसियों वैध तरीके हैं, इसलिए इस तरह के काम को किसी भी नजर से सही नहीं ठहराया जा सकता. हालांकि यह सरकार के लिए सबक है कि लोगों को व्यथित करने वाले मुद्दों को संवेदनशीलता और वरीयता के साथ डील करना सीखे.

> लोकतांत्रिक विरोध के तरीकों के प्रति युवाओं में क्यों अविश्वास पैदा हुआ. इसकी गहरी छानबीन की जानी चाहिए. संसद की सुरक्षा का सवाल सर्वोपरि है. इसे पुख्ता बनाना चाहिए, लेकिन 2004 के बाद से ही संसदीय सुरक्षा के नए उपक्रमों की उपेक्षा होती रही है.

सुभाषित

सत्यस्य वचनं श्रेयः सत्यादपि हितं वदेत्।
यद्भूतहितमत्यन्तं एतत् सत्यं मतं मम।।

यद्यपि सत्य वचन बोलना श्रेयस्कर है तथापि उस सत्य को ही बोलना चाहिए जिससे सर्वजन का कल्याण हो. जिस सत्य के बोलने से किसी व्यक्ति समाज या राष्ट्र को नुकसान पहुंचता हो, वैसा सत्य बोलने से क्या लाभ? श्लोककर्ता नारद के विचार से तो जो बात सभी का कल्याण करती है, वही सत्य है.

क्या भाजपा अपराजेय हो चुकी है!

महुआ मोइत्रा के ख़िलाफ़ कार्रवाई के बाद भाजपा पश्चिम बंगाल में 2019 की अपनी 18 सीटों में से कितनी बचा पाएगी? उसकी तेलंगाना की चार ,हिमाचल की चार और झारखंड की ग्यारह सीटों का भविष्य क्या होगा, जहां अब विपक्ष की सरकारें हैं? जिन तीन राज्यों (मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़) में भाजपा की हाल में जीत हुई है वहां की 65 में से 61 सीटें तो उसके पास पहले से हैं. विधानसभा परिणामों से आहत कांग्रेस क्या उनमें कोई सेंध नहीं लगा पाएगी?

• देश-काल

श्रवण गर्ग

हिंदी भाषी तीन राज्यों में कांग्रेस को शिकस्त देने के तत्काल बाद प्रधानमंत्री के 'मार्गदर्शन' में जिस तरह मुख्यमंत्रियों की नियुक्तियां की गईं और स्थापित पार्टी-नेताओं को निस्तेज साबित कर हाशियों पर पटका गया, विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन के लिए गंभीर चेतावनी है. विपक्षी गठबंधन की छह दिसंबर की बैठक का कुछ नेताओं द्वारा कथित तौर पर 'बहिष्कार' करने की खबरों के बाद से कुछ राजनीतिक समीक्षक चिंता ज़ाहिर करने लगे थे कि एकता के प्रयासों में दरार पड़ गई है. कांग्रेस की पराजय पर हो रही आलोचना में दो तरह की अटकलें तलाशी जा सकती हैं . पहली यह कि तीन दिसंबर के नतीजों के बाद से मोदी ज़्यादा ताकतवर हो गए हैं. दूसरी यह कि प्रधानमंत्री द्वारा करार दिया गया 'घमंडिया गठबंधन' ज़्यादा दिन चलने वाला नहीं है. 'इंडिया' गठबंधन को अग्रिम श्रद्धांजलि देने को उत्सुक आलोचकों का समूह इसके लिए राहुल गांधी की बलि लेना चाहता है. आलोचकों में बड़ी संख्या उन लोगों की है, जो ऐतिहासिक 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान राहुल की शान में क़सीदे पढ़ रहे थे और कर्नाटक जीत में देशव्यापी परिवर्तन की सूनामी ढूंढ़ रहे थे.

दो साल पहले पश्चिम बंगाल में हुए चुनावों में तृणमूल की विजय के बाद पंजाब में 'आप' और हिमाचल, कर्नाटक, तेलंगाना में कांग्रेस की जीत पर आलोचकों के बीच सुगबुगाहट भी नहीं हुई कि लोकसभा चुनावों में भाजपा को किसी संकट का सामना भी करना पड़ सकता है. हक़ीक़त यह है कि 2014 और 2019 की तुलना में न सिर्फ़ एनडीए कमज़ोर ही हुआ है, इस बात का अनुमान लगाना भी कठिन हो रहा है कि सत्ता में वापसी के लिए भाजपा 272 सीटों के बहुमत का आंकड़ा किन राज्यों से जुटाने वाली है? आश्चर्यजनक रूप से 2024 के लिए भाजपा का नारा तो यह है कि 'अब की बार 400 पार'. ऐसा है तो फिर उसके 2029 के लिए नारे की कल्पना भी अभी से की जा सकती है! सवाल यह है कि भाजपा को 2019 में मिली 303 सीटों में शामिल महाराष्ट्र, बिहार और कर्नाटक से प्राप्त 65 सीटों का सहारा क्या क़ायम रहेगा? भाजपा ने पिछला चुनाव उद्धव की शिव सेना और नीतीश के जद(यू) के साथ लड़ा था. वर्तमान में दोनों साथ नहीं हैं. कर्नाटक में अब सरकार कांग्रेस की है. महुआ मोइत्रा के ख़िलाफ़ कार्रवाई के बाद भाजपा पश्चिम बंगाल में 2019 की अपनी 18 सीटों में से कितनी बचा पाएगी? उसकी तेलंगाना की चार ,हिमाचल की चार और झारखंड की ग्यारह सीटों का भविष्य क्या होगा, जहां अब विपक्ष की सरकारें हैं? जिन तीन राज्यों (मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़) में भाजपा की हाल में जीत हुई है वहां की 65 में से 61 सीटें तो उसके पास पहले से हैं. विधानसभा परिणामों से आहत कांग्रेस क्या उनमें कोई सेंध नहीं लगा पाएगी?

पूछा जाना चाहिए कि भाजपा अगर 2024 को लेकर चिंतित नहीं है तो इतनी बड़ी संख्या में सांसदों को विधानसभा चुनाव क्यों लड़वाए गए और संसद से इस्तीफ़े क्यों करवाए गए? इस मुद्दे पर चुप्पी क्यों है कि केंद्रीय मंत्री और सांसद विधानसभा चुनाव हार गए? पूरे देश ने देखा कि तीन दिसंबर को नतीजे प्राप्त हो जाने के सात दिन बाद पहले मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा दस दिसंबर को छत्तीसगढ़ के लिए की गई. कोई तो कारण रहा होगा? प्रथम दृष्टया तो यही समझ में आता है कि भाजपा राज्यों के स्थापित क्षत्रपों ने पार्टी आलाकमान की सत्ता को चुनौती देना प्रारंभ कर दिया है. 11 दिसंबर को मध्यप्रदेश के नए मुख्यमंत्री के नाम की नाटकीय अन्दाज़ में घोषणा के पहले और बाद में भी शिवराज सिंह भोपाल में और उसके अगले दिन जयपुर में वसुंधरा राजे जिस अन्दाज़ में पेश आईं, उसमें आने वाले दिनों की टोह ली जा सकती है! छुपी बात नहीं कि जिस एक व्यक्ति को मध्यप्रदेश में भाजपा की जीत का श्रेय जाता है, उसकी न सिर्फ़ चुनाव प्रचार के दौरान घोर उपेक्षा की गई, उसके उत्तराधिकारी के चयन में भी दूरी और गोपनीयता बनाकर रखी गई. शिवराज प्रतीक्षा करते रह गए होंगे कि कम से कम एक बुलावा तो दिल्ली से आएगा! ऐसा तो कुछ नहीं हुआ, बल्कि उनके मंत्रिमंडल के ही एक सदस्य का नाम मुख्यमंत्री पद के लिए प्रस्तावित करने की ज़िम्मेदारी उन्हें सौंप दी गई. अब लाड़ली बहनें शिवराज सिंह से लिपट-लिपटकर विलाप कर रही हैं : 'हमने तो आपको चुना है!' उन्हें कौन जवाब देगा? मोहन यादव तो नहीं ही दे पाएंगे! पार्टी शायद मानकर चल रही है कि शिवराज सिंह और वसुंधरा राजे आदि नेताओं का राज्यों में काम पूरा हो गया है और उनकी ज़रूरत नहीं बची है! केवल प्रधानमंत्री के तिलिस्म के दम पर ही पार्टी लोकसभा में बहुमत का आंकड़ा पार करना चाहती है!

इंडिया गठबंधन में पड़ी कथित दरारों का संबंध भाजपा से मुक़ाबले को लेकर नहीं, बल्कि सीटों के सम्माजनक बंटवारे से है. न ही कोई दल गठबंधन को छोड़कर गया है. पूछा जा सकता है कि तीन महत्वपूर्ण राज्यों में इतनी बड़ी जीत के बाद एनडीए के साथ कितने दल और जुड़ गए? कोई भी क्यों नहीं जुड़ा? मध्यप्रदेश और राजस्थान में पहले टिकटों के बंटवारे फिर मुख्यमंत्री-चयन को लेकर जो अंदरूनी संघर्ष प्रकट हुआ, उसे अगर नज़रअंदाज़ नहीं करना हो तो असली बहस तो भाजपा और एनडीए के भविष्य को लेकर होना चाहिए! शिवराज सिंह ने तो भोपाल में संकेत दे दिये हैं,'मर जाऊंगा पर काम मांगने दिल्ली नहीं जाऊंगा.' देखना यह है कि भजनलाल शर्मा द्वारा शपथ ले लेने के बाद वसुंधरा राजे जयपुर में क्या करने वाली हैं? लोकसभा चुनावों के लिए भाजपा के पास भी ज़्यादा वक्त नहीं बचा है!

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

क्रोध बनाम सहिष्णुता

यह एक भ्रामक धारणा है कि भड़ास या क्रोध निस्तारण से तनाव से मुक्ति मिलती है. उलट, क्रोध तो तनाव के अन्तहीन चक्र को जन्म देता है. क्योंकि भड़ास निकालने, आवेश अभिव्यक्त करने या क्रोध को मुक्त करने से प्रतिक्रियात्मक द्वेष ही पैदा होता है और द्वेष से तो वैर की परम्परा का ही सर्जन होता है. इस तरह प्रतिशोध की प्रतिपूर्ति के लिए व्यक्ति निरन्तर तनाव में रहता है. क्रोध का इलाज आवेशों को मंद करके, क्रोध के शमन या दमन में ही है. क्षमा ही परमानेंट क्योर है. क्योंकि क्षमा ही वह शस्त्र है, जो वैर के दुष्चक्र को खण्डित करता है. क्षमा के बाद किसी तरह के तनाव-बोझ को नहीं झेलना पड़ता. अर्थात् सहिष्णुता ही तनाव मुक्ति का उपाय है.

अहिंसा पर आम सोच बहुत ही सतही होती है. लोग गांधी के चिंतन, 'दूसरा गाल सामने करने' का परिहास करते है. वस्तुतः दूसरा गाल सामने करने का अभिप्राय है, धैर्यपूर्वक सहनशीलता से कोई ऐसा व्यवहार करना जिससे बदले की परम्परा प्रारम्भ होने से पहले ही थम जाय. ईंट का जवाब पत्थर से देना तो तात्कालिक सरल और सहज है, किंतु निराकरण तो तब है जब हिंसा-प्रतिहिंसा की श्रृंखला बनने से पूर्व ही तोड दी जाय. कईं लोगों के मानस में हिंसा और अहिंसा की अजीब अवधारणा होती है, वे सभी से हर हाल में अपने साथ तो अहिंसक व्यवहार की अपेक्षा रखते है, दूसरे किसी आक्रोशी को सहनशीलता का पाठ पढा लेते हैं, दूसरे लोगों के धैर्य सहित शिष्टाचार की भूरि भूरि प्रशंसा भी करते हैं. किन्तु अपने साथ पेश आती, जरा सी प्रतिकूलता का प्रतिक्रियात्मक हिंसा से ही जवाब देना उचित मानते हैं. सभी से सहिष्णु व्यवहार तो चाहते हैं, किन्तु अन्याय अत्याचार का जवाब तो त्वरित प्रतिहिंसा से ही देना उपयुक्त मानते हैं. हिंसा की प्रतिक्रिया हिंसा से न हो तो उसे कायरता मान बैठते हैं. अधैर्य से, सहिष्णुता एक ओर फेंक कर, अतिशीघ्र क्रोध के अधीन हो जाते है और प्रतिहिंसा का दामन थाम लेते है. जबकि सबसे ज्यादा, उसी पल-परिस्थिति में क्षमा की आवश्यकता होती है. स्वार्थी सुध-बुध का आलम यह है कि यदि कोई उन्हें धैर्य की सलाह देकर, सहिष्णु बनने का आग्रह करे.

लोक लुभावन गारंटियों में डूबती राजनीति

• चुनाव

प्रमोद जोशी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल में विकसित भारत संकल्प यात्रा के लाभार्थियों के साथ वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से बातचीत करने के बाद कहा कि विधानसभा चुनाव के नतीजों ने साफ कर दिया कि मोदी की गारंटी में दम है. गारंटी से उनका आशय उस भरोसे से है, जो उनकी कार्यशैली से जुड़ा है. सिद्धांततः वे लोकलुभावन राजनीति के विरोधी हैं. पिछले साल एक सभा में उन्होंने कहा था कि लोकलुभावन राजनीति के नाम पर मुफ्त की रेवड़ियां बांटने की संस्कृति पर रोक लगनी चाहिए. वे यह बात गुजरात के चुनाव के संदर्भ में कह रहे थे, जहां आम आदमी पार्टी भी प्रवेश पाने की कोशिश कर रही थी. मोदी की भाजपा ने ही नहीं, हाल में हुए चुनावों में कांग्रेस ने चार राज्यों में और तेलंगाना में बीआरएस ने भी गारंटियों की झड़ी लगा दी. इन वायदों में एलपीजी सिलेंडर रिफिल पर भारी सब्सिडी, स्त्रियों को हर महीने धनराशि वगैरह-वगैरह शामिल हैं. इस साल मई में हुए कर्नाटक विधानसभा के चुनाव में कांग्रेस को मिली सफलता के पीछे 'पांच गारंटियों' की बड़ी भूमिका थी. पार्टी ने अपने चुनावी घोषणापत्र में गृह ज्योति, गृह लक्ष्मी, अन्न भाग्य, युवा निधि एवं शक्ति की पांच गारंटियां दी थीं. गृह ज्योति के तहत 200 यूनिट निःशुल्क बिजली, गृह लक्ष्मी में परिवार की मुखिया को दो हजार रुपये, अन्न भाग्य में दस किलोग्राम अनाज, युवा निधि में बेरोजगार स्नातकों को तीन हजार और डिप्लोमाधारियों को डेढ़ हजार रुपये महीने, शक्ति योजना के तहत महिलाओं को राज्य भर में सरकारी बसों में निःशुल्क यात्रा की सुविधा की गारंटी थी. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अगले पांच वर्षों के लिए 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन देने की घोषणा करके 'पोस्टडेटेड' गारंटी दी है, यह मानते हुए कि 2024 में सरकार उनकी ही आएगी. यह योजना पहली बार अप्रैल 2020 में महामारी के दौरान तीन महीने के लिए शुरू की गई थी. फिर इसे छोटी-छोटी अवधियों के लिए बढ़ाया गया. अब इसे एकमुश्त पांच साल के लिए बढ़ाने से एक बात की पुष्टि हुई है कि ये गारंटियां चुनावी सफलता की गारंटी हैं. 2019 के लोकसभा चुनाव के पहले कांग्रेस पार्टी ने अपने घोषणापत्र में देश के 20 फीसदी निर्धनतम परिवारों के लिए 72,000 रुपये की सालाना आय की गारंटी 'न्याय' (न्यूनतम आय योजना) लागू करने का वायदा किया था. 'स्टेट फाइनेंसेसः अ रिस्क एनालिसिस' शीर्षक रिपोर्ट के अनुसार, पंजाब, राजस्थान, बिहार, केरल और पश्चिम बंगाल कर्ज के दलदल में धंसते जा रहे हैं. पर्याप्त संसाधनों का मतलब यह भी नहीं है कि उन्हें उड़ा दिया जाए, बल्कि दीर्घकालीन विकास से जुड़े कार्यक्रमों पर उन्हें लगाना चाहिए. कल्याणकारी शब्द की भी व्याख्या होनी चाहिए. व्यावहारिक दृष्टि से जनता के लिए कल्याणकारी लाभ का मतलब है उसकी बुनियादी दिक्कतों का दूर होना. मसलन उसकी गरीबी, बेरोजगारी, आवास, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी समस्याओं का दीर्घकालीन समाधान. ऐसे दूरगामी कार्यक्रमों को अक्सर समझ पाना आसान नहीं होता, जबकि हाथ में नकदी आना, मुफ्त बिजली, अनाज या मुफ्त-यात्रा का सुख फौरन दिखाई पड़ता है. इन कार्यक्रमों की अलग-अलग श्रेणियां बनाई जाएं, तो उनके लाभ और हानियां भी सामने आएंगी. देखना यह भी होगा कि सरकारी खजाने में इन सब कार्यक्रमों को पूरा कर पाने की सामर्थ्य है भी या नहीं. वायदों के व्यावहारिक-पक्ष पर कोई ध्यान नहीं देता. द्रमुक के संस्थापक सीएन अन्नादुरै ने 1967 में वायदा किया था कि एक रुपये में साढ़े चार किलो चावल दिया जाएगा. वे अपने वायदे से मुकर गए, क्योंकि उन्हें समझ में आ गया कि इससे राज्य पर भारी बोझ पड़ेगा. राजनीति में गरीबनवाज़ की छवि जादू करती है. इंदिरा गांधी के 'गरीबी हटाओ' ने 1971 में ऐसा जादू किया था. 1985 में आंध्र विधानसभा के चुनाव में तेलुगु देशम पार्टी के एनटी रामाराव ने दो रुपए किलो चावल देने का वायदा किया. उन्हें चुनाव में ज़बर्दस्त सफलता मिली. भले ही चुनाव के बाद वहां आठ रुपए किलो चावल बिका, पर जादू तो चला. दक्षिण भारत में तोहफों की राजनीति का एक नया दरवाजा खुल चुका था. तमिलनाडु में लैपटॉप, गैस के चूल्हे और टीवी से लेकर मंगलसूत्र तक को सुप्रीम कोर्ट ने कई बार गंभीर मुद्दा बताया है और सरकार तथा चुनाव आयोग से कहा है कि वे इसे रोकने के लिए जरूरी समाधान खोजें.

> प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अगले पांच वर्षों के लिए 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन देने की घोषणा करके 'पोस्टडेटेड' गारंटी दी है, यह मानते हुए कि 2024 में सरकार उनकी ही आएगी. यह योजना पहली बार अप्रैल 2020 में महामारी के दौरान तीन महीने के लिए शुरू की गई थी. फिर इसे छोटी-छोटी अवधियों के लिए बढ़ाया गया.

कॉप-28 : दिन भर चले ढाई कोस की तरह

• सामयिकी

डॉ. अरुण मित्रा

यह स्वागत योग्य है कि दुनिया भर से 80000 से अधिक प्रतिभागी जलवायु संकट को कम करने की रणनीतियों पर विचार-विमर्श करने के लिए दुबई में एकत्र हुए हैं. यह घटना ऐसे समय में हो रही है जब महज 2600 किलोमीटर की दूरी पर गाजा में इजरायल द्वारा निर्दोष नागरिकों पर बमबारी के परिणामस्वरूप भयावह मानवीय संकट सामने आ रहा है. इससे 16000 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गये हैं, जिनमें से 70 फीसदी महिलाएं और बच्चे हैं और इसने बुनियादी ढांचे को पूरी तरह से नष्ट कर दिया है, जिससे लोग बेघर हो गये हैं. कोई भी सैन्य गतिविधि जलवायु संकट को बढ़ाती है. अब तक यह सर्वविदित है कि वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में सैन्य गतिविधि का योगदान 5.5 फीसदी होने का अनुमान है. हाल के वर्षों में हमने दुनिया भर में सैन्य खर्च में पर्याप्त वृद्धि देखी है. फिलहाल यह पहले से कहीं ज्यादा है. 2022 में विश्व सैन्य व्यय बढ़कर 2240 बिलियन डॉलर हो गया, जिसमें से 82.9 बिलियन डॉलर अकेले परमाणु हथियारों पर खर्च किये गये. निरस्त्रीकरण को मुख्य स्थान दिया जाना चाहिए. पिछला कॉप 27 भी निरस्त्रीकरण पर कोई बयान जारी करने में विफल रहा था और ऐसा प्रतीत होता है कि इस बार भी वैसा ही अंतिम परिणाम होगा. हालांकि इस बार इंटरनेशनल फिजिशियन फॉर द प्रिवेंशन ऑफ न्यूक्लियर वॉर (आईपीपीएनडब्ल्यू) सहित कुछ संगठनों ने इस मुद्दे को उजागर करने का एक मुद्दा बनाया, अगर मुख्य मंच पर नहीं, तो कम से कम प्रतिभागियों के बीच. यह अजीब बात है कि कॉप 28 में एक घोषणा को अपनाया गया, जिसमें राष्ट्रों से स्वास्थ्य क्षेत्र में अपने ग्रीन-हाउस गैस उत्सर्जन को तेजी से, स्थायी रूप से और पर्याप्त रूप से कम करने का आह्वान किया गया. ऐसा तब हुआ है, जब सैन्य गतिविधि द्वारा कुल उत्सर्जन के 5.5 फीसदी की तुलना में वैश्विक स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र द्वारा 4.4 फीसदी उत्सर्जन होता है. जबकि सैन्य गतिविधि मारने के लिए है, स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र जीवन को बनाये रखने के लिए है. आईपीपीएनडब्ल्यू ने आगे चेतावनी दी है कि युद्ध जारी रहने से परमाणु हथियारों के इस्तेमाल का खतरा हो सकता है, जो विनाशकारी होगा. इरा हेलफैंड पूर्व सह-अध्यक्ष इंटरनेशनल फिजिशियन फॉर द प्रिवेंशन ऑफ न्यूक्लियर वॉर (आईपीपीएनडब्ल्यू) और पर्यावरण विज्ञान विभाग, रटगर्स यूनिवर्सिटी, यूएसए के एलन रोबॉक द्वारा किये गये एक अध्ययन, 'क्षेत्रीय परमाणु युद्ध के जलवायु परिणाम' ने बताया है कि पृथ्वी पर मौजूद वर्तमान परमाणु हथियार जलवायु के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं और इस प्रकार सभी जीवन रूपों के लिए खतरा पैदा करते हैं. 100 हिरोशिमा आकार के परमाणु हथियारों का उपयोग करके भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु आदान-प्रदान दो अरब लोगों को खतरे में डाल देगा. प्रमुख परमाणु शक्तियों के बीच कोई भी परमाणु आदान-प्रदान से हजारों वर्षों के मानव श्रम के माध्यम से निर्मित आधुनिक सभ्यता का अंत हो सकता है. विस्फोटों और परिणामी आग के कारण वातावरण में घुली कालिख और मलबा सूरज की रोशनी को पृथ्वी तक पहुंचने से रोक देगा, जिससे औसत सतह-1.25 डिग्री सेंटीग्रेड तक ठंडी हो जायेगी, जो कई वर्षों तक बनी रहेगी. यहां तक कि 10 साल बाद भी, सतह का औसत तापमान -0.5 डिग्री सेंटीग्रेट के स्तर पर लगातार ठंडा रहेगा. इससे वैश्विक स्तर पर वर्षा में 10 फीसदी की कमी आयेगी और फसल बर्बाद हो जाएगी, जिससे भुखमरी और मौतें होंगी. हमें 1.5 डिग्री की सीमा के भीतर रहने के लिए 2030 तक उत्सर्जन में आधी कटौती करने की आवश्यकता है और इस तरह धरती की सुरक्षा और मानव स्वास्थ्य सुनिश्चित करना होगा. माउंट एवरेस्ट क्षेत्र के ग्लेशियरों पर संयुक्त राष्ट्र महासचिव का वीडियो संदेश 'हमें अग्रिम पंक्ति के लोगों की सुरक्षा के लिए और वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री तक सीमित करने के लिए, जलवायु अराजकता की सबसे खराब स्थिति को रोकने के लिए अभी कार्य करना चाहिए' दुनिया भर के अरबों लोगों की आवाज को व्यक्त करता है. जो जाने-अनजाने में जलवायु संकट के परिणामस्वरूप प्रतिकूल रूप से प्रभावित हो रहे हैं. उन्होंने कहा, 'यह एक ऐसी बीमारी है जिसे केवल आप, वैश्विक नेता ही ठीक कर सकते हैं.' उन्होंने नेताओं से जीवाश्म ईंधन पर दुनिया की निर्भरता को खत्म करने और जलवायु न्याय के लिए लंबे समय से लंबित वादे को पूरा करने का आह्वान किया.

> विस्फोटों और परिणामी आग के कारण वातावरण में घुली कालिख और मलबा सूरज की रोशनी को पृथ्वी तक पहुंचने से रोक देगा, जिससे औसत सतह-1.25 डिग्री सेंटीग्रेड तक ठंडी हो जायेगी, जो कई वर्षों तक बनी रहेगी. यहां तक कि 10 साल बाद भी, सतह का औसत तापमान-0.5 डिग्री सेंटीग्रेट के स्तर पर लगातार ठंडा रहेगा.

मीडिया में अन्यत्र

जलवायु परिवर्तन पर कितनी प्रगति!

संयुक्त अरब अमीरात द्वारा जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन के कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज के 28वें संस्करण (कॉप28) की मेजबानी को लेकर कई सवाल खड़े किए गए थे. कॉप28 के अध्यक्ष सुल्तान अल-जाबेर अबू धाबी नैशनल ऑयल कंपनी के प्रमुख भी हैं और इस बात ने कई लोगों को चिंतित कर दिया था कि जीवाश्म ईंधन की खपत का बचाव इस कॉप में जरूरत से कहीं बड़ी भूमिका निभा सकता है, परंतु सख्त बातचीत के बाद एक दिन की देरी से हुई कॉप28 घोषणा में एक कदम आगे बढ़ने में मदद मिली. हालांकि यह घोषणा अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया द्वारा समर्थित छोटे द्वीपीय राज्यों की सभी जीवाश्म ईंधन को 'चरणबद्ध तरीके से समाप्त' या 'चरणबद्ध ढंग से कम' करने की मांग को पूरा नहीं कर सकी, लेकिन अंततः इसने सभी देशों का आह्वान किया कि वे ईंधन व्यवस्था में जीवाश्म ईंधन से दूर जाएं.यह काम व्यवस्थित और न्यायसंगत तरीके से करने की बात कही गई. यह भी कहा गया कि इस 'अहम दशक में इसकी गति तेज' की जाए. यह भाषा इस सप्ताह के आरंभ की तुलना में अधिक दबाव वाली है. उस समय कुछ देश खासकर सऊदी अरब जीवाश्म ईंधन से संबंधित किसी भी बात को रोकने को लेकर प्रतिबद्ध नजर आ रहा था. परंतु कॉप28 के बिना किसी मसौदा निर्णय के समाप्त हो जाने की आशंकाओं के बीच आखिरकार एक सहमति बनी. यह आशंका इसलिए उत्पन्न हुई थी कि कुछ वार्ताकारों ने बिना जीवाश्म ईंधन के प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया था. बहरहाल, कॉप28 के अंतिम मसौदे के दो तत्त्व मौजूदा जीवाश्म ईंधन कंपनियों और निर्यातकों की रुचि का विषय हैं. पहला, यह कि 'दूरी बनाने' की बात ऊर्जा क्षेत्र में जीवाश्म ईंधन तक सीमित है. कई बड़ी प ेट्रोक ेमिक ल्स कंपनियों की भविष्य की योजनाएं तरल से केमिकल्स पाइपलाइन पर केंद्रित हैं.उदाहरण के लिए सऊदी अरब की अरामको ने 2022 में प्रति दिन 1.15 करोड़ बैरल कच्चे तेल का उत्पादन किया. उसका अनुमान है कि 2030 तक 40 लाख बैरल रोजाना के बराबर हिस्सा केमिकल उत्पादन के लिए अलग रखा जाएगा. दूसरा, अंतिम मसौदे में एक खास संदर्भ ईंधन बदलाव से संबंधित है. (बिजनेस स्टैंडर्ड)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

हज/उमरा

इस्लाम धर्मावलंबियों के बीच दो शब्दों उमरा और हज को श्रद्धापूर्वक बोला जाता है. इन दोनों शब्दों के प्रति लोगों के हृदय में अपार आस्था होती है और उन्हें साकार करने की असीम उत्कंठा भी. उमरा और हज दोनों में कुछ हद तक समानता है तो कई भिन्नताएं भी हैं. दोनों में पहली समानता तो यह है कि दोनों अरबी भाषा मूल के शब्द हैं. दोनों का सामान्य मतलब धार्मिक तीर्थयात्रा होता है. हज और उमराह दोनों का प्राथमिक उद्देश्य अल्लाह की इबादत करना और तीर्थयात्रियों के विश्वास को मजबूत करना है. दोनों के लिए मुसलमानों को सऊदी अरब की यात्रा करने और पवित्र काबा में अनुष्ठान शुरू करने की आवश्यकता होती है. हज और उमरा दोनों तीर्थ यात्राएं हैं, जो दुनिया भर से मुस्लिम समुदाय को एक साथ लाती हैं और एकता की भावना देती हैं. वे दोनों महान पुरस्कार और आशीर्वाद अर्जित करने के स्रोत हैं, और दोनों पापों को मिटाने और आपको गरीबी से बचाने में मदद करते हैं. दोनों के बीच इसी तरह की रस्मों में काबा का तवाफ, सफा और मारवाह के बीच सई और तीर्थयात्रा पूरी होने के बाद बाल काटना शामिल है. दोनों तीर्थयात्राओं के लिए मुसलमानों को एहराम की पवित्र स्थिति पहनने की आवश्यकता होती है. पाप और बुरे कर्मों से दूर रहने के मामले में दोनों पर समान प्रतिबंध हैं. उमरा स्वैच्छिक है, लेकिन हज उन लोगों के लिए अनिवार्य है, जो शारीरिक रूप से स्वस्थ हैं और इसे वहन कर सकते हैं. हज इस्लाम के पांच स्तंभों में से एक है और जो मुसलमान सक्षम हैं उन्हें अपने जीवनकाल में कम से कम एक बार इसे अवश्य करना चाहिए. उमराह पूरे वर्ष में किया जा सकता है, लेकिन हज केवल एक विशिष्ट समय इस्लामिक चंद्र कैलेंडर में आखिरी महीने 8 वीं और 13 वीं धुल हिजा के बीच किया जाता है. उमरा दो घंटों के भीतर पूरा किया जा सकता है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि यह कितना व्यस्त है.

नहाने के अलावा और भी कई काम हैं!

• तीर-तुक्का

बृजेंद्र दुबे

आप पूरी दुनिया का इतिहास-भूगोल खंगाल कर देख लीजिए. उन्ही मुल्कों ने तरक्की की है, जहां के बाशिंदे नहाते नही हैं. नहाते नहीं से मेरा मतलब, जो रोज नहीं नहाते. अमेरिका हो, जर्मनी हो, जापान हो, रूस हो या इंग्लैंड... वहां के रहने वालों से पता कीजिए. उन्हें रोज नहाने जैसी बात से ही ताज्जुब होता है. वैसे मुझे कभी इस बात पर भी ताज्जुब होता था कि इन ठंडे मुल्क के लोग अपने पांव पूरी दुनिया मे कैसे फैला रखे हैं. ठंड के मौसम में तो हम भारतीय अपने कंबल मे भी पांव फैला नही पाते. पानी ही वो चीज है, जो ठंड के डर को सौ गुना तक बढा देता है. हजारों साल से हमारी माताएं हमें सुबह-सुबह ही नहाने के फायदे बताती आयी हैं. हम नहाने के ऐसे धुनी बन गये कि रोज नहाते ही रह गये. ये भी नही सोचा हमने कि दुनिया में नहाने के अलावा और भी बहुत से खतरनाक करने लायक काम हैं. हमने यह भी नही सोचा कि नहाने के लिए पानी बचा रहे, यह भी जरूरी है. नहा-नहा कर हमने इस देश की सारी नदियां, कुएं, तालाब, बाबडियां खाली कर दीं. बोरिंग कर-कर के जमीन का सारा पानी चूस लिया और अब नगर निगमों के महंगे टैंकरों के पानी से नहा रहे हैं. ठंडे मुल्कों मे रहने लोग इतने समझदार हैं कि नहाने की बात तो छोडिए पीने के लिए भी पानी का इस्तेमाल नही करते. वे यह जानते हैं कि दुनिया में पानी की कमी है, इसीलिए बीयर पीकर ही जिंदा रह लेते हैं. हम और हमारे बाप-दादा न हमें रोज नहाने के लिए मजबूर करते, न हम इतने डरपोक होते. नहाने के अंहकार ने हमें पसीना बहाने से रोका. नतीजतन देश लंबे अरसे तक गुलाम रहा और अब तक न नहाने वालों जितना अमीर और बहादुर भी नहीं हो पाया है. इस कड़कड़ाती ठंड में बच्चों को बाथरूम में धकेल देना, उन्हें जबरन झूठ की क्लॉस में भर्ती करवा देने जैसा है. वे मन मार कर अंदर तो चले जाते हैं, और मन रखने के लिए फ़र्श पर बाल्टी भी लुढ़का आते हैं. मतलब एक नया झूठ नहाने के नाम पर बाथरूम में सीख लेते हैं, बच्चे. झूठे नागरिकों की वजह से हमारे देश की साख ख़राब होती है. और जब देश की नाक पर बन आए तो न नहाना बेहतर विकल्प है. इन सभी मुद्दों पर सोच-विचार के बाद मैं आजकल की मम्मियो को यही सलाह देना चाहता हूं कि वे अपने बच्चों को नहाने के डर के साथ, झूठा बना कर बडा न करें. हमारे देश की तरक्की का, एकता अंखडता का यही इकलौता रास्ता है कि हम किसी को जबरन नहाने के लिए मजबूर न करें. क्योंकि तरक्की का रास्ता चाहे जहां से होकर गुजरता हो, लेकिन यह नहाने वाले बाथरूम से होकर तो हरगिज नहीं गुजरता. आप मानें या न मानें!

धर्म अध्यात्म

गुरु तेग बहादुर बलिदान दिवस :- 17 दिसंबर

हिंद की चादर गुरु तेग बहादुर जी

डॉ सुरिंदर कौर नीलम

इतिहास गवाह है कि शहीदों ने अपने रक्त से धर्म के बीज को सींचा है. भारतीय इतिहास की पृष्ठभूमि में वीरों, शहीदों की गौरव गाथा की अमिट छाप भावी पीढ़ी के लिए संदेश रूपी प्रकाश स्तंभ है. भारतीय सभ्यता, संस्कृति और धर्म की रक्षा के लिए समय- समय पर सिख गुरुओं ने अपने त्यागमयी जीवन द्वारा उच्चतम आदर्श प्रस्तुत किए हैं. सिख धर्म के नौंवे गुरु तेग बहादुर जी ने हिंदू- धर्म की रक्षा के लिए अपना बलिदान दे कर मानवता की मिसाल कायम की है. गुरु तेग बहादुर जी का जन्म सन् 1621 ई. में पंजाब के अमृतसर में हुआ था. उनके बचपन का नाम त्यागमल था एवं पिता का नाम हरगोविंद जी था. सन् 1644ई. में वे अपनी माता नानकी एवं पत्नी "गुजरी" के साथ बकाले गांव आ गए, यहां उन्होंने 20 सालों तक चिंतन एवं तपस्या की.

लोक सेवा

गुरु जी केवल संत ही नहीं बल्कि वे एक कर्मयोगी, कुशल योद्धा, महान कवि एवं लोक सेवक थे. लोक सेवा उनका इश्क था. पेयजल और सिंचाई की जरूरत को देखते हुए उन्होंने कुएं खुदवाए, टूटते आवासों की मरम्मत हेतु आर्थिक सहायता की, जरूरतमंदों के बीच कृषि संबंधी औजार बांटे, ढिलवां गांव में दूध की कमी को देखते हुए एक सौ गाय खरीद कर वितरित की.

शांति के संवाहक

गुरु जी ने अपनी रचनाओं के माध्यम से भी शांति के संदेश दिए हैं. उनके अनुसार ईश्वर की बनाई हुई सृष्टि और जीवों से प्रेम करना, उनकी सेवा करना ही सुख-शांति के स्रोत हैं, जंगलों में भटकने से शांति नहीं मिलती.

" काहे रे वन खोजन जाई
सरब- निवासी, सदा अलेपा
तोही संग समाई"

वे हमेशा चाहते थे कि घरेलू, सामाजिक और राजसी झगड़ों को शांति के साथ आपस में मिलकर हल कर लिया जाए. वे सद्भावना शिविर लगा कर आपसी झगड़े सुलझाया करते थे.

फ़रवरी सन् 1669ई. में ब्रह्मपुत्र नदी के किनारे धोबड़ी नामक स्थान पर उन्होंने शिविर लगा कर मुगल सेना के कमांडर, राजा राम सिंह के साथ, आसामी सेना के राजा चक्रध्वज सिंह के बीच समझौता करवा कर लाखों बेगुनाहों का लहू बहने से बचा लिया. दोनों सेनाओं की शक्तियों का सदुपयोग कर उनकी सहायता से एक बहुत बड़ा संधि चबूतरा बनवाया जिसका नाम "अभी दमदमा साहिब" है, जो शांति और सद्भावना का प्रतीक है.

हिंद की चादर

गुरु जी के समय मुगल बादशाह औरंगजेब के अत्याचार अपनी चरम सीमा पर थे. औरंगजेब हिंदू धर्म को समाप्त करने पर तुला हुआ था. हिंदुओं को जबरन मुस्लमान बनाया जा रहा था. अपनी इस योजना की पूर्ति हेतु उसने कश्मीरी पंडितों को मुसलमान बनाने का एक विशेष अभियान शुरू किया. इस उद्देश्य से किया कि यदि हिंदू धर्म की शिक्षा देने वाले ही नहीं रहेंगे तो यह धर्म स्वयं ही समाप्त हो जाएगा.

पी. ए. कौल ने पुस्तक "ए हिस्ट्री ऑफ कश्मीर" (पृष्ठ- 544) में लिखा है कि "औरंगजेब का सूबेदार इफ्तिखार खां कश्मीर के पंडितों को इस्लाम में जाने के लिए बल प्रयोग कर रहा था. पीड़ितों ने अमरनाथ की यात्रा कर उस अत्याचार से अपनी मुक्ति के लिए शिव की अनुकंपा प्राप्त करने का निश्चय किया. अमरनाथ की गुफा में एक पंडित ने सपना देखा कि पंजाब में सिख धर्म के गुरु तेग बहादुर जी के पास आपलोग जाओ और उनसे हिंदू धर्म की रक्षा के लिए सहायता देने के लिए कहो."

उसी समय पांच सौ कश्मीरी पंडित कृपाराम के नेतृत्व में गुरु तेग बहादुर जी के पास आनंदपुर पंहुचे. पंडितों की फरियाद सुन कर गुरु जी चिंता में डूब गए. पिता को चिंतित देख गुरु जी के नौं वर्ष के पुत्र गोबिंद राय,(जो गुरु गोबिंद सिंह जी बने) ने कारण पूछा. पिता ने कहा कि आज धर्म की रक्षा हेतु किसी महापुरुष के बलिदान की जरूरत है, सोच रहा हूं कि कौन आगे आएगा? बालक झट बोला-" आप से बढ़कर महापुरुष कौन हो सकता है, आप स्वयं अपना बलिदान दें."

इस जवाब से पिता खुश हो गए और चिंता मुक्त हो कर पंडितों से कहा- जाओ औरंगजेब से जाकर कह दो कि यदि हमारे गुरु धर्म परिवर्तन कर लेंगे तो हम सभी तैयार हैं.

तब गुरु जी को दिल्ली दरबार में हाजिर होने का फरमान मिला. गुरु जी अपने पांच शिष्यों के साथ पंहुचे. गुरु जी ने औरंगजेब को समझाया कि अगर तुम जबरन लोगों को इस्लाम धारण करने के लिए मजबूर करते हो तो इसका मतलब कि तुम खुद भी सच्चे मुसलमान नहीं हो क्योंकि इस्लाम धर्म भी ऐसी शिक्षा नहीं देता कि किसी पर जुल्म किया जाए.

औरंगजेब ने कई तरह के प्रलोभन देकर गुरु जी को राज़ी करना चाहा पर असफल रहा. तब उसने गुरु जी का मनोबल तोड़ने के लिए उनकी आंखों के सामने उनके शिष्यों को तरह तरह की यातनाएं दे कर शहीद कर दिया. गुरु जी जब अपने सिद्धांतों पर अडिग रहे तो उन्हें भी यातनाएं देने के बाद सन 1675 ई. में दिल्ली के चांदनी चौक पर उनका सिर धड़ से अलग कर दिया जहां आज "शीशगंज गुरुद्वारा" है. गुरु जी के शव पर पहरा लगा दिया कि कोई अन्यत्र न ले जा सके. ईश्वर की कृपा से उस रात ऐसी आंधी और तूफान आया कि अंधकार छा गया. इस अंधेरे का लाभ उठा उनके दो शिष्यों, तेजा और लखी शाह ने गुरु जी का धड़ उठाया और तीन मील दूर जाकर अपनी झोपड़ी में रख कर अपने घर को ही आग लगा दी एवं इस तरह गुरु जी का संस्कार किया. वहां आज गुरुद्वारा रकाबगंज कायम है.

उसी समय गुरु जी के अन्य शिष्य भाई जैता एवं भाई ऊधा ने गुरु जी के शीश को एक पालकी में रखा, उसे फूलों से ढक कर, कीर्तन करते हुए, दुश्मनों से बचाते हुए आनंदपुर साहिब ले गये. वहां पुत्र गोबिंद राय ने पिता के शीश को चूम, उनका अंतिम संस्कार किया. उस स्थल पर गुरुद्वारा शीशगंज (आनंदपुर) उनके बलिदान का प्रतीक है.

हिंदू धर्म की रक्षा के लिए अपना बलिदान देने के कारण इन्हें "हिंदी की चादर" कहा जाता है.

इस बलिदान से गुरु जी ने सिद्ध कर दिया कि वे जिनकी बांह पकड़ते हैं उनका साथ शीश दे कर भी निभाते हैं.

बांह जिनां की पकड़िए
सिर दीजै बांह न छोड़िए

"करतार पुर" के युद्ध में असीम वीरता दिखाने के कारण ही पिता हर गोबिंद जी ने इन्हें "तेग बहादुर" की उपाधि प्रदान की थी.

आज मां लक्ष्मी को अर्पित करें
कमल के फूल, मखाने, बताशे, खीर

मां लक्ष्मी ऐश्वर्य, प्रेम, सौन्दर्य, धन-भौतिक सुख-सुविधा की देवी मानी गई हैं. इनके लिए शुक्रवार का दिन समर्पित है. यह दिन शुक्र देव को भी समर्पित है जो ऐश्वर्य, प्रेम और सौंदर्य आदि के कारक माने जाते हैं. इसलिए शुक्रवार के दिन पूजा-व्रत व तंत्र साधना का विशेष महत्व है.

- शुक्रवार की रात गुलाबी रंग के स्वच्छ कपड़े पहनकर मां लक्ष्मी की अराधना करें. श्रीसूक्त व कनकधारा स्तोत्र का पाठ करें. या फिर ऊँ श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं ऊँ महालक्ष्मी नम: इस मंत्र का 108 बार जाप करें. इससे मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होगी और धन की भी दूर हो जाएगी.
- शुक्रवार को माता लक्ष्मी की पूजा के साथ भगवान विष्णु की भी पूजा करें. दक्षिणावर्ती शंख से भगवान विष्णु का अभिषेक करें. पूजा के समय शंख में जल भरकर भगवान विष्णु को अर्घ्य दें. साथ ही आरती के समय घंटी का जरूर उपयोग करें. ऐसा करने से आय और भाग्य में वृद्धि होती है.
- शुक्रवार के दिन धन की देवी मां लक्ष्मी को पूजा के दौरान कमल के फूल, मखाने, बताशे, खीर आदि चीजें अर्पित करें. इससे मां लक्ष्मी शीघ्र प्रसन्न होती हैं.
- इसदिन माता लक्ष्मी की तस्वीर या प्रतिमा के सामने श्रीयंत्र भी रखें. इन सभी के सामने घी के 8 दीप जलाएं. धूपबत्ती जलाएं और सफेद मिठाई का भोग लगाएं.
- इस दिन मां लक्ष्मी को लाल गुलाब का फूल अर्पित करें. खीर में शहद व केसर मिला कर भोग लगाएं. लगा हुआ मीठा पान अर्पित करें.
- इस दिन लकड़ी के एक पाटे पर सिंदूर से एक स्वास्तिक का चिह्न बनाकर इसके ऊपर गोमती चक्र रखें. अब श्रीयंत्र को इसके ऊपर स्थापित करके इसकी पूजा करें. पूजा के बाद गोमती चक्र को अपने पर्स, तिजोरी या अलमारी में धन के साथ रख दें.
- किसी युवा गौर वर्णा युवती को मिष्टान खिलाएं.

खरमास में करें पवित्र नदी में स्नान
ईश्वर भक्ति से मिलेगा दोगुना लाभ

आचार्य अजय मिश्रा

कल से शादी, ब्याह, गृहप्रवेश, मुंडन जैसे सभी संस्कार करीब एक महीने के लिए बंद हो जाएंगे. दरअसल 16 दिसंबर से खरमास प्रारंभ हो रहा है. यह 15 जनवरी को मकर संक्रांति पर समाप्त हो जाएगा. खरमास में शादी, विवाह, मुंडन और गृह प्रवेश जैसे संभी संस्कार नहीं होते हैं. सूर्य जब धनु राशि में प्रवेश करते हैं, उस दिन से खरमास का प्रारंभ होता है. इस वर्ष यह 16 दिसंबर 2023 से शुरू होगा. 15 जनवरी 2024 को मकरसंक्रान्ति के साथ खरमास समाप्त हो जाएगा जब सूर्य मकर राशि में प्रवेश करेगा.

इसलिए खरमास में नहीं होते शुभ कार्य

सूर्य जब गुरु की राशि धनु और मीन में प्रवेश करते हैं तो वह अपने गुरु की सेवा में लग जाते हैं और उनका प्रभाव कम हो जाता है. यही वजह है कि इस वक्त कोई भी शुभ कार्य नहीं होता है. यह भी मान्यता है कि खरमास के दौरान गुरु का बल भी कमजोर हो जाता है और शुभ कार्य के वक्त सूर्य और गुरु दोनों का ही शुभ स्थिति में होना जरूरी है. इस वजह से खरमास में कोई शुभ कार्य नहीं किया जाता है.

खरमास में क्या करें, क्या नहीं करें

1. विवाह, सगाई, गृह प्रवेश, जनेऊ संस्कार,अन्नप्राशन, मुंडन आदि कोई शुभ काम खरमास के दौरान नहीं किया जाना चाहिए. ऐसी मान्यता है कि खरमास में शादी या सगाई करने वाले दंपतियों का वैवाहिक जीवन शुभ नहीं रहता.

2. खरमास के दौरान किसी नए व्यापार के प्रारंभ से भी बचें. मान्यता है कि इस दौरान नए कार्य प्रारंभ करने से सफलता में काफी संघर्ष का सामना करना पड़ता है.

3. किसी व्यक्ति की कुंडली में यदि मार्केश ग्रह हो या कोई अन्य अशुभ ग्रहों की दशा, महादशा या अंतर्दशा हो तो इस अवधि में महामृत्युंजय मंत्र का विधिपूर्वक जाप कराने से अशुभ व मार्केश ग्रह से राहत मिलती है.

4. खरमास के दौरान किसी तीर्थस्थाल पर पवित्र नदी में स्नान करने से 12 महीने के 24 एकादशी का व्रत करने समान फल मिलता है.

5. बेशक इन दिनों भूमि, वाहन आदि की खरीदारी से बचने की सलाह दी जाती है, लेकिन यह मिथक है कि इस दौरान किसी भी तरह की बड़ी खरीदारी नहीं की जानी चाहिए. अन्य किसी खरीदारी में कोई हर्ज नहीं.

6. खरमास को लेकर यह भी मिथक है कि इस दौराना पूजा पाठ वर्जित है. दरअसल किसी भी धर्मशास्त्र में ऐसा उल्लेख नहीं है. इस दौरान हरि भक्ति व शिव भक्ति का दुगुना लाभ प्राप्त होता है. खरमास में हमें ध्यान लगाकर भगवान की पूजा करनी चाहिए और सुख समृद्धि के लिए प्रार्थना करनी चाहिए.

7. खरमास में प्रतिदिन सुबह उठकर सूर्य की पूजा करनी चाहिए और सूर्य को अर्घ्य देना चाहिए.
खरमास में जप, तप, दान आदि करने से जीवन के तमाम कष्ट खत्म होते हैं और हमें शुभ फलों की प्राप्ति होती है. खरमास में गाय, गुरु, ब्राह्मण और संन्यासियों की सेवा का विशेष महत्व है.

8. अगर कुंडली में पितृ दोष है, तो अमावस्या के दिन घर पर ब्राह्मण को भोजन कराएं और दक्षिणा, वस्त्र आदि अर्पित करें.

निकल जाएंगे हाथ आए अवसर, बीम है तो करें ये उपाय

स्वामी विमलेश
वास्तु शास्त्री

वास्तु शास्त्र में बीम को नकारात्मक शक्ति से युक्त माना गया है. ऐसी मान्यता है कि बीम के नीचे बाहर से दवाब बनता है जो ऊर्जा के प्रवाह को रोकता है. मान्यता है कि बीम के नीचे बेड, चूल्हा, घर का मुख्य दरवाजा आदि नहीं होना चाहिए. इससे व्यवसाय, उन्नति या आपसी संबंध आदि में बाधा आने की आशंका बनी रहती है.

रसोई घर में चूल्हे के ऊपर बीम होने से संपत्ति का नुकसान होता है. इससे निवास करने वालों को अच्छे अवसर मिलते-मिलते हाथ से निकल जाने की आशंका रहती है.

बेडरूम में बीम के नीचे अगर बेड हो तो मान्यता है कि इसपर सोने वाला व्यक्ति शारीरिक रोगों से ग्रस्त होगा. विशेष कर शरीर का जो हिस्सा बीम के नीचे सोने के दौरान पड़ता है, वह रोग ग्रस्त होगा. अगर सिरहाने के ऊपर बीम हो तो सिर, आंख या मानसिक बीमारी होने की आशंका होगी. इसी तरह सोने पर पांव वाले हिस्से के ऊपर बीम पड़ता है वह देर सवेर पांव संबंधी समस्याएं परेशान कर सकती हैं.

बीम की नकारात्मक ऊर्जा से बचने के लिए बीम के नीचे एनर्जी पिरामिड ऊर्जा यंत्र को लगाकर फॉल सीलिंग कर देने से या बीम के नीचे दीवार पर दोनों तरफ लगा देने से नकारात्मक ऊर्जा से बचा जा सकता है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

मोदी मैजिक से हतप्रभ हैं लोग, दिख रहे हैं 'एम-वाई' के दरकने के लक्षण

भाजपा के 'यादव कार्ड' ने राजद को भी चौंका दिया

ज्ञानवर्द्धन मिश्र । पटना

भाजपा के पिछड़ा कार्ड से उपजी बिहार की सियासी सरगर्मी अचानक तेज हो गयी है. खास कर उन दलों में, जिनका यादव मतदाताओं पर मजबूत पकड़ है. तीन राज्यों में हुए विधान सभा चुनाव में भाजपा को मिली जबरदस्त सफलता और उसके बाद मुख्यमंत्रियों के चयन में 'मोदी मैजिक' ने पूरे देश को हतप्रभ कर दिया. इससे बिहार भी अछूता नहीं रहा. कौन बनेगा सीएम किसी को पता नहीं था.

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री के पद पर मोहन यादव को बिठाने की चौकाने वाली घटना ने बिहार के सियासी काफी प्याले में एक प्रकार से

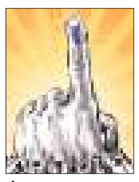

उफान ला दिया है. राष्ट्रीय जनता दल में अधिक बेचैनी है. मोहन यादव के बहाने राजद के वोट बैंक में सेंधमारी की भाजपा की रणनीति को देख राजद भी चौकन्ना हो उठा है. 'एम-वाई' समीकरण पर अपने दल को मजबूती प्रदान करने वाले पार्टी के नेतागण 'एम' के जदयू की ओर खिसकने से पहले से ही चिंतित हैं अब 'वाई' को घेरने-तोड़ने में भाजपा के जुट जाने से राजद के अस्तित्व पर की संकट के काले बादल मंडराने लगे हैं. गौरतलब है कि मोहन यादव ने बुधवार को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली. इसे 2024 लोकसभा चुनाव के लिए पीएम मोदी का मास्टर स्ट्रोक माना जा रहा है. ऐसा माना जा रहा इस मास्टर स्ट्रोक का प्रभाव पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश और बिहार पर भी पड़ेगा. इस सियासी कदम से भाजपा ने उत्तर प्रदेश और बिहार के यादव वोटों को साधने की कोशिश की है. जातीय सर्वे 2023 के अनुसार बिहार में यादव की आबादी करीब 14 प्रतिशत है, ये राज्य के दो दर्जन से अधिक लोकसभा सीटों पर अपना प्रभाव रखते हैं. वहीं, उत्तर प्रदेश की 24 करोड़ आबादी में यादवों की हिस्सेदारी करीब 9-10 फीसदी है. यूपी में 54 जिले हैं और इनमें से 12 जिलों में यादवों की आबादी लगभग 20 प्रतिशत है. सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसाइटीज (सीएसडीएस) द्वारा किए गए एक चुनावी अध्ययन में कहा गया है कि 2022 के विधानसभा चुनावों में 83 प्रतिशत यादवों ने समाजवादी पार्टी को वोट दिया. वहीं, बिहार में यादवों का ज्यादातर वोट राजद के खाते में जाता है, ऐसे में भाजपा ने यादव वोटरों को अपने पक्ष लाने की रणनीति पर तेजी से काम करना शुरू कर दिया है, उसी रणनीति का एक हिस्सा है, मोहन यादव को मध्य प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया जाना. सियासी गलियारों में यह भी कयास लगाया जा रहा है कि यादव वोटरों को रिझाने के लिए बिहार में भाजपा नित्यानंद राय, नंदकिशोर यादव, रामकृपाल यादव, रामसूरत राय और नवल किशोर यादव, पवन कुमार यादव को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दे सकती है.

इस संबंध में भाजपा के वरिष्ठ नेता नंदकिशोर यादव ने कहा कि भाजपा ने पिछड़े वर्ग को हमेशा मान-सम्मान दिया है. पीएम मोदी के नेतृत्व में पिछड़े वर्ग के कल्याण के लिए जितना काम हुआ, उतना किसी सरकार ने नहीं किया. पिछड़ा और वंचित वर्ग का उत्थान मोदी सरकार की प्राथमिकता है. छत्तीसगढ़ में आदिवासी वर्ग से आनेवाले श्री विष्णुदेव साय को और मध्य प्रदेश में पिछड़े वर्ग के मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनाया जाना स्पष्ट जड़ता है कि पीएम मोदी की 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' की यही अवधारणा है.

आओ जानें

बिहार में पुरुषों की साक्षरता दर ज्यादा

- बिहार की साक्षरता % कितना है – 63.82%
- बिहार की पुरुष साक्षरता % कितना है –73.39%
- बिहार की महिला साक्षरता % कितना है –53.33%
- साक्षरता दर के मामले में राज्य का स्थान –28 वां स्थान
- सबसे अधिक साक्षरता वाला जिला कौनसा है –रोहतास
- सबसे कम साक्षरता वाला जिला कौनसा है – पूर्णिया
- सबसे अधिक पुरुष साक्षरता वाला जिला – रोहतास
- सबसे अधिक महिला साक्षरता वाला जिला – रोहतास
- सबसे कम पुरुष साक्षरता वाला जिला – पूर्णिया
- सबसे कम महिला साक्षरता वाला जिला – सहरसा

ब्रीफ खबरें

सीएम नीतीश कुमार की वाराणसी रैली रद्द

पटना । मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की वाराणसी रैली रद्द कर दी गयी है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में जदयू ने 24 दिसंबर को रैली का आयोजन किया था, जिसे मुख्य रूप से सीएम संबोधित करने वाले थे. जदयू की इस रैली को पीएम मोदी के खिलाफ ललकार रैली कही जा रही थी. संसदीय कार्य मंत्री श्रवण कुमार ने गुरुवार को बताया कि रैली की अनुमति नहीं मिलने के कारण इसे स्थगित कर दिया गया है. इधर, सुशील मोदी ने कहा कि नीतीश बनारस में रैली करें या फूलपुर से चुनाव लड़ लें, कहीं उन्हें कोई पूछने वाला नहीं है.

हर्ष फायरिंग में नाबालिग की मौत

पूर्वी चंपारण। जिले में पकड़ीदयाल थाना क्षेत्र के सिसहनी गांव में बुधवार की देर रात एक बारात में हर्ष फायरिंग के दौरान गोली लगने से नाबालिग की मौत हो गयी है. जबकि तीन अन्य लोग घायल बताये जा रहे हैं. घटना की सूचना मिलते ही एसपी कांतेश कुमार मिश्र के निर्देश पर पकड़ीदयाल डीएसपी सुबोध कुमार के नेतृत्व में थानाध्यक्ष सरफराज अहमद घटनास्थल पर पहुंच कर मामले की छानबीन में जुटे है. मौके पर पहुंचे डीएसपी ने बताया कि जांच के क्रम में परिजनों ने बताया कि घटना के बाद ग्रामीणों ने लाश को छुपा दिया है.

उत्तराखंड पुलिस ने की थी 2 लाख के इनाम की घोषणा

20 करोड़ रुपये की लूट का आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता। वैशाली

वैशाली पुलिस ने उत्तराखंड पुलिस द्वारा 2 लाख रुपए इनाम घोषित किए गए अपराधी को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तारी के बाद इसकी सूचना देहरादून पुलिस को दे दी गई है. देहरादून पुलिस टीम आने के बाद आरोपी को अपने साथ ले जाएगी. बताया जाता है कि उत्तराखंड के देहरादून में 20 करोड़ रुपए के सोना लूट के आरोपी प्रिंस कुमार को बिदुपुर थाना क्षेत्र के दिलावरपुर गोवर्धन गांव से वैशाली पुलिस ने गिरफ्तार किया है. गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर पुलिस ने प्रिंस कुमार को तब गिरफ्तार किया जब वह जगह बदल-बदल कर छुप रहा था.

लूट का मुख्य आरोपी है प्रिंस : बता दें कि कुछ दिनों पूर्व देहरादून में रिलायंस ज्वेलरी शॉप से 20 करोड़ रुपए का सोना लूट गया था. इस मामले के तार बिहार के वैशाली से जुड़े थे. देहरादून की पुलिस तब वैशाली आई थी और यहां से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था, जिसमें मुख्य आरोपी प्रिंस का भाई भी शामिल था. वहीं कई दिनों तक देहरादून पुलिस के प्रयास के बावजूद प्रिंस पकड़ में नहीं आया था. 9 नवंबर 2023 को देहरादून के राजपुर रोड में अवस्थित रिलायंस ज्वेलरी शॉप में 20 करोड़ रुपए मूल्य के सोना लूट की घटना को अंजाम दिया गया था. अपराधियों ने कर्मियों को रस्सी से बांधकर लूट की घटना की थी. इस मामले में दो की गिरफ्तारी की गई थी. वहीं, वैशाली के रहने वाले प्रिंस कुमार और विक्रम कुमार की गिरफ्तारी के लिए दो-दो लाख का इनाम घोषित किया गया था. इसमें कुछ दिन पहले ही उत्तर प्रदेश के पीलीभीत से विक्रम कुमार को पुलिस ने पकड़ा था और अब वैशाली पुलिस ने मुख्य आरोपी प्रिंस को भी गिरफ्तार कर लिया है.

माना जा रहा है कि न्यायिक हिरासत में भेजने के बाद प्रिंस को देहरादून पुलिस अपने साथ ले जाएगी. वैशाली में चार मामलों पर प्रिंस बेल पर बाहर था. इस विषय में वैशाली एसपी रवि रंजन कुमार ने बताया कि अभी टीम उनसे पूछताछ कर रही है. देहरादून पुलिस को इसकी सूचना दे दी गई है.

वैशाली के दिलावरपुर गोवर्धन गांव से पकड़ाया

खास बातें

- लूटकांड के आरोपी का नाम प्रिंस कुमार है
- बिहार में जगह बदल-बदल कर छुप रहा था आरोपी

बौद्ध धर्म गुरु दलाई लामा आज आएंगे गया

गया। बौद्ध धर्म गुरु दलाई लामा आज बोधगया आ रहे हैं. चार्टर विमान से गया एयरपोर्ट पहुंचेंगे. एयरपोर्ट से प्रवास स्थल तक कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है. जिला प्रशासन की ओर से पूरी तैयारी कर ली गई है. डीएम डॉ. त्यागराजन एसएम, एसएसपी आशीष भारती, सीटी एसपी हिमांशु खुद जुटे हैं. सुरक्षा व्यवस्था समेत तमाम अन्य चीजों की मॉनिटरिंग की जा रही है. महाबोधि सांस्कृतिक केंद्र में 20 से 23 दिसंबर तक महासंघ कार्यक्रम प्रस्तावित है. इसमें 32 से अधिक देशों से बौद्ध भिक्षु शामिल होंगे. 20 को सीएम नीतीश कुमार सहित कई मंत्री भी शामिल होंगे.

बच्चे को अगवा करके मार डाला

संवाददाता। पूर्णिया

पूर्णिया में बच्चे की हत्या का मामला सामने आया है. रुपौली थाना क्षेत्र में खेलते हुए सात वर्षीय बच्चे मंटू को पड़ोसी ने पहले किडनैप किया और फिर उसकी हत्या कर झाड़ी में शव को फेंक दिया. बताया जा रहा है कि 15 साल पुराने विवाद को लेकर पड़ोसी ने इस घटना को अंजाम दिया. मंटू अपने दादा के साथ गांव में रहता था, उसके पिता और चाचा प्रदेश में मजदूरी का काम करते हैं. घटना के बाद स्थानीय थाने की पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. घटना की जानकारी देते हुए

मृत मंटू के चाचा शंकर ऋषि ने बताया कि उनके बड़े भाई प्रदेश में मजदूरी का काम करते हैं. उनका भतीजा मंटू अपने दादा के साथ गांव में रहता था. पिछले 15 वर्ष पूर्व पड़ोसी उमेश ऋषि की जमीन को लेकर मंटू के दादा के साथ विवाद हुआ था, जिस बात को लेकर इस घटना को उमेश ऋषि के द्वारा अंजाम दिया गया है. बच्चे के परिजन ने घटना की जानकारी स्थानीय थाने की पुलिस को दी और उमेश ऋषि को मंटू के हत्या का आरोपी बनाते हुए मामला दर्ज करवाया. इसके बाद पुलिस ने उमेश ऋषि को गिरफ्तार किया. उमेश ऋषि ने पुलिस के समक्ष घटना को अंजाम देने की बात को स्वीकार लिया. पकड़े गए पड़ोसी ने पुलिस को बताया कि पिछले 15 वर्ष पूर्व रास्ते को लेकर बच्चे के दादा से विवाद हुआ था. जिसे लेकर उसने घटना को अंजाम दिया. वहीं घटना के बाद मंटू के परिवार का रो-रो कर बुरा हाल है.

खगड़िया : बेटे ने कहा- शराब माफिया ने ले ली जान

चौकीदार को पीट-पीट कर मार डाला

संवाददाता। खगड़िया

बिहार में आपराधिक घटनाओं का सिलसिला जारी है. गुरुवार की सुबह खगड़िया में एक चौकीदार की पीट-पीटकर हत्या करने का मामला सामने आया है. हालांकि घटना के पीछे का कारण सामने नहीं आया है लेकिन बेटे ने गंभीर आरोप लगाया है. घटना खगड़िया जिले के बेलदौर थाना क्षेत्र की है. चौकीदार की पहचान 50 वर्षीय घनश्याम मालाकार के रूप में हुई है. घटना बेलदौर थाना भवन से महज 500 मीटर की दूरी की है. सूचना मिलते ही बेलदौर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची. बताया जाता है कि चौकीदार घनश्याम मालाकार बुधवार की रात अपने घर से निकला था. अन्य दिनों की तरह बुधवार की रात भी वह ड्यूटी पर तैनात था. देखने से लग रहा था कि चौकीदार की बुरी तरह पिटाई की गई है. उसका चेहरा भी पहचान में नहीं आ रहा था. उसकी पहचान कपड़ों और अन्य सामान से हुई है. इस पूरे मामले में मृतक चौकीदार घनश्याम मालाकार के बेटे ने बताया कि गांव में शराब की बिक्री काफी होती है. मेरे पिता की सूचना पर शराब माफिया के घर पर पुलिस दबीश देती थी. कई बार शराब माफिया की ओर से धमकी भी दी गई थी. ये हत्या शराब माफिया ने ही रची है. वहीं, गुरुवार सुबह हुई इस घटना को लेकर मृतक के परिवार वालों में कोहराम मचा है. बेलदौर थाने में पदस्थापित चौकीदार घनश्याम मालाकार की हत्या को लेकर खगड़िया पुलिस कप्तान अमितेश कुमार ने कहा कि घटना की जानकारी मिली है. जानकारी मिलते ही पुलिस बल को भेज दिया गया है. हत्या क्यों हुई है, किसने की है, जांच के बाद ही पता चलेगा.

पटनाः मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उद्योग मंत्री समीर महासेठ के साथ गुरुवार को पटना के ज्ञान भवन में बिहार बिजनेस कनेक्ट 2023 के दौरान एक कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया.

कारोबार

300 मेगावाट सौर परियोजना का ठेका

नयी दिल्ली। सेम्बकॉर्प इंडस्ट्रीज की अनुषंगी कंपनी ग्रीन इंफ्रा विंड एनर्जी लिमिटेड को एनएचपीसी से 300 मेगावाट की सौर परियोजना का ठेका मिला है. जीआई डब्ल्यूईएल के जरिए सेम्बकॉर्प इंडस्ट्रीज को एनएचपीसी से 300 मेगावाट अंतर-राज्य ट्रांसमिशन सिस्टम से जुड़ी सौर ऊर्जा परियोजना के लिए लेटर ऑफ अवॉर्ड मिला है. इस बीच, विनिर्माण कंपनी जेटवर्क ने बताया कि उसे भुज सौर परियोजना के लिए 375 मेगावाट सौर फोटोवोल्टिक मॉड्यूल की आपूर्ति के लिए एनटीपीसी से एक ठेका मिला है.

हैप्पी फोर्जिंग्स 19 को लाएगी आईपीओ

नयी दिल्ली। मोटर वाहन घटक बनाने वाली कंपनी हैप्पी फोर्जिंग्स लिमिटेड ने 1,008 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए प्रति शेयर 808 से 850 रुपये का मूल्य दायरा तय किया है. कंपनी का आईपीओ 19 को खुलेगा और 21 को बंद होगा. एंकर निवेशक 18 दिसंबर को बोली लगा सकेंगे. आईपीओ में 400 करोड़ रुपये के ताजा शेयर और प्रवर्तक तथा शेयरधारक द्वारा 71.6 लाख शेयरों तक की बिक्री पेशकश शामिल है. लुधियाना स्थित कंपनी के ग्राहकों में वाणिज्यिक वाहन क्षेत्र के घरेलू तथा वैश्विक मूल उपकरण निर्माता शामिल हैं.

अल्ट्रा-फास्ट चार्जिंग स्टेशन हुआ शुरू

मुंबई। जर्मनी की लक्जरी कार विनिर्माता कंपनी ऑडी ने यहां बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में चार्जज़ोन के सहयोग से एक अत्यधिक तेज चार्जिंग स्टेशन का बृहस्पतिवार को उद्घाटन किया. ऑडी इंडिया ने दावा किया है कि यह देश का पहला अल्ट्रा-फास्ट चार्जिंग स्टेशन है. इसकी कुल क्षमता 450 किलोवाट है, जो एक इलेक्ट्रिक वाहन को 360 किलोवाट बिजली प्रदान करता है. कंपनी के अनुसार, यह चार्जर 114 केडब्ल्यूएच बैटरी वाली ऑडी क्यू8 55 ई-ट्रॉन को सिर्फ 26 मिनट में 20 प्रतिशत से 80 प्रतिशत तक चार्ज कर सकता है. आनेवाले दिनों में महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी.

टेस्ला : कंपनी के इस रिकॉल में ऑटोपायलट फीचर एक्टिव वाले वाहन भी हैं

20 लाख गाड़ियों को वापस बुलाया

भाषा । नयी दिल्ली

किसी कंपनी की मांग उसकी गुणवदत्ता पर निर्भर करती है. गुणवत्ता अच्छी होती है तो मार्केट वैल्यू बना रहता है. अमेरिकी वाहन कंपनी टेस्ला की गुणवत्ती ही उसकी ताकत है. लेकिन हाल के दिनों में उसके वाहन में तकनीकी खराबी आ जाने के कारण उसे कड़ा फैसला लेना पड़ा.

दरअसल इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) बनाने वाली एलन मस्क की कंपनी टेस्ला इंक ने तकनीकी खराबी आने के बाद अपनी 20 लाख गाड़ियों को वापस बुला लिया. एलन मस्क की कंपनी के इस रिकॉल में 2015 के बाद से अमेरिका में बेचे गए वे मॉडल्स शामिल हैं, जिनमें ऑटोपायलट फीचर एक्टिव है. यूएस ऑटो रेगुलेटर की तरफ से दी गयी जानकारी के मुताबिक, इन इलेक्ट्रिक गाड़ियों को ऑटोपायलट सिस्टम की खराबी को ठीक करने के लिए वापस बुलाया गया है. यह सिस्टम सेल्फ-ड्राइव मोड एक्टिव होने पर ड्राइवर को रोड और ट्राफिक की स्थिति को लेकर अटैंटिव करने का काम करता है.

ऑटोपायलट टेक्नीक गाड़ी के आसपास के ट्रांसपोर्टेशन का आंकलन करने के लिए कैमरे और सेंसर का उपयोग करती है. यह व्हीकल को सुरक्षित लेन में रखने के लिए सड़कों पर लेन मार्क्स की भी निगरानी करता है. हालांकि, आलोचक शुरू से ही टेस्ला के ऑटोपायलट सिस्टम में कई कमियां बता रहे हैं. टेस्ला का ऑटोपायलट सिस्टम विवादों में रहा है और इसके कारण कई हादसे हो चुके हैं. यह रिकॉल भी अमेरिका के राष्ट्रीय राजमार्ग यातायात सुरक्षा प्रशासन (एनएचटीएसए) की ओर से ऐसी दुर्घटनाओं की जांच शुरू करने के करीब 2 साल बाद जारी किया गया है. एनएचटीएसए ने जांच के दौरान पाया कि सेल्फ-ड्राइव मोड एक्टिव होने पर ड्राइवर को चौकस रखने के लिए ऑटोपायलट सिस्टम द्वारा यूज किए जाने वाले फंक्शन प्रोपर काम नहीं कर रहे हैं. इससे हादसा होने की संभावना है.

कंपनी रिकॉल किए गए इलेक्ट्रिक गाड़ियों में एडिशनल कंट्रोल अलर्ट जोड़ेगी. इसके साथ ही ओवर द एयर (ओटीए) सॉफ्टवेयर अपडेट भी करेगी, ताकि गाड़ी चलाते समय ड्राइवर को अधिक चौकस रहने की सुविधा मिल सके. इसके लिए कंपनी कस्टमर्स से किसी भी प्रकार का चार्ज नहीं लेगी. कंपनी ने इस साल तीसरी बार अपनी कारों को रिकॉल किया है. इससे पहले अक्टूबर-2023 में टेस्ला मॉडल एक्स के 54,676 यूनिट्स को रिकॉल किया था. तब 2021 से 2023 के बीच मैन्युफैक्चर की गई मॉडल एक्स में ब्रेक फ्लूइड कम होने पर भी डिस्प्ले पर वार्निंग सिग्नल नहीं आ रहा था और व्हीकल कंट्रोलर इसकी वजह पता नहीं लगा पा रहा था. टेस्ला ने इस दिक्कत को ठीक करने के लिए ओवर द एयर सॉफ्टवेयर अपडेट किया था, जोकि फ्री ऑफ चार्ज था. इसके पहले अगस्त में कंपनी ने टेस्ला की नई मॉडल 3 और मॉडल वाई के 2,80,000 यूनिट्स को रिकॉल किया था.

अगले साल भारत आ सकती है टेस्ला

बता दें कि टेस्ला इंक की अगले साल भारत में एंट्री होने वाली है. भारत के साथ टेस्ला की डील अंतिम चरण में है. ब्लूमबर्ग ने अपनी एक रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी थी. बीते दिनों एलन मस्क ने भी कहा था कि वो अगले साल भारत आने का प्लान कर रहे हैं. अमेरिका की इस ईवी कंपनी को भारत अगले साल से देश में इलेक्ट्रिक वाहनों को आयात करने और दो साल की अवधि के भीतर मैन्युफैक्चरिंग प्लांट स्थापित करने की अनुमति देगा. जनवरी में वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट में इसकी आधिकारिक घोषणा होने की उम्मीद है. गुजरात, महाराष्ट्र और तमिलनाडु में टेस्ला अपना इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलप कर सकता है. ऐसे में भारत आने से पहले मस्क अपने वाहन में आ रही हर तरह की खामियों को पहले ही दूर कर लेना चाहते हैं.

करेंगे सुधार

- टेस्ला का ऑटोपायलट सिस्टम विवादो में रहा है
- वाहन का यह सिस्टम ड्राइवर को अटैंटिव करता है

पोज देतीं सोफिया बुटेला

सोफिया बुटेला लॉस एंजिल्स में टीसीएल चाइनीज थिएटर में 'रिबेल मून-पार्ट वनः ए चाइल्ड ऑफ फायर' के प्रीमियर में शामिल हुईं.

मुद्रास्फीति — प्याज और सब्जियों की कीमतों में उछाल से हुई बढ़ोतरी

नवंबर में 8 माह के उच्चस्तर 0.26 प्रतिशत पर

एजेंसी। नयी दिल्ली

थोक मुद्रास्फीति नवंबर में बढ़कर 0.26 प्रतिशत हो गई. खाद्य पदार्थों, खासकर प्याज तथा सब्जियों की कीमतों में तेज उछाल से इसमें बढ़ोतरी हुई. थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति अप्रैल से लगातार शून्य से नीचे बनी हुई थी. अक्टूबर में यह शून्य से 0.52 प्रतिशत नीचे थी. आखिरी बार मार्च में यह सकारात्मक दायरे में रही थी, तब यह 1.41 प्रतिशत दर्ज की गई थी. वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, नवंबर, 2023 में मुद्रास्फीति मुख्य रूप से खाद्य वस्तुओं, खनिजों, मशीनरी व उपकरण, कंप्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक व ऑप्टिकल उत्पादों, मोटर वाहनों, अन्य परिवहन उपकरणों और अन्य विनिर्माण वस्तुओं आदि की कीमतों में वृद्धि के कारण सकारात्मक दायरे में रही. खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति नवंबर में 8.18 प्रतिशत रही, जो अक्टूबर में 2.53 प्रतिशत थी. प्याज में मूल्यवृद्धि की वार्षिक दर नवंबर में बढ़कर 101.24 प्रतिशत हो गई, जो पिछले महीने 62.60 प्रतिशत थी. घरेलू उपलब्धता बढ़ाने और खुदरा बाजार में कीमतों पर अंकुश के लिए सरकार ने पिछले सप्ताह अगले साल मार्च तक प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था. सब्जियों की मुद्रास्फीति 10.44 प्रतिशत रही, जो अक्टूबर में शून्य से नीचे 21.04 प्रतिशत थी. धान और फलों में नवंबर में मुद्रास्फीति क्रमशः 10.44% और 8.37% रही. आलू की मूल्यवृद्धि दर शून्य से 27.22 प्रतिशत नीचे रही. विनिर्मित उत्पादों की मुद्रास्फीति नवंबर में शून्य से 0.64, ईंधन व बिजली की मुद्रास्फीति शून्य से 4.61 प्रतिशत नीचे और गैर-खाद्य वस्तुएं की शून्य से 3.20 प्रतिशत नीचे रही.

खास बातें

- नवंबर में 8.18% रही, जो अक्टूबर में 2.53% थी
- आखिरी बार मार्च में यह सकारात्मक दायरे में रही थी

रेलवे पेंशनभोगियों की पेंशन वितरित करने के लिए बंधन बैंक अधिकृत

मुंबई। अखिल भारतीय सार्वभौमिक बैंक, बंधन बैंक ने गुरुवार को घोषणा की है कि उसे रेल मंत्रालय की ओर से ई-पीपीओ के जरिए पेंशन वितरण के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा अधिकृत किया गया है. पेंशनभोगियों को बंधन बैंक की 1640 से अधिक शाखाओं तक भी पहुंच मिलेगी. बंधन बैंक के सरकारी व्यवसाय प्रमुख देबराज साहा ने कहा कि भारतीय रेल, देश के प्रतिष्ठित और सबसे बड़े नियोक्ताओं में से एक है. यह सेवानिवृत्त कर्मचारियों को बंधन बैंक द्वारा प्रदान की जाने वाली सबसे प्रतिस्पर्धी दरों की सुविधा प्राप्त करने का अवसर भी प्रदान करता है.हम सेवानिवृत्त लोगों को अधिक सुव्यवस्थित, सुरक्षित और त्वरित तरीके से सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं.

2023-24 के लिए भारत का वृद्धि अनुमान 6.7% हुआ

एजेंसी। नयी दिल्ली

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने दूसरी तिमाही के उम्मीद से बेहतर आंकड़ों के बाद चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की वृद्धि दर का अनुमान 6.3 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.7 प्रतिशत कर दिया है. एशियन डेवलपमेंट आउटलुक दिसंबर 2023 के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही में उम्मीद से अधिक 7.6 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि देखी गई, जिससे पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में 7.7 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि हुई. इसमें कहा गया, आर्थिक आंकड़ों से संकेत मिलता है कि विनिर्माण, खनन, निर्माण तथा यूटिलिटी सहित खासतौर पर औद्योगिक क्षेत्र में दोहरे अंकों में वृद्धि हुई है. बुधवार को जारी इस आउटलुक के अनुसार, समग्र रूप से वित्त वर्ष 2020-24 के लिए कृषि में अपेक्षा से थोड़ी धीमी गति से वृद्धि होने की उम्मीद है, लेकिन उद्योग जगत में अपेक्षा से कहीं अधिक मजबूत वृद्धि इसकी भरपाई कर देगी. इसलिए वृद्धि दर को बढ़ाया गया है. भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पिछले हफ्ते वित्त वर्ष 2023-24 के लिए अपने वृद्धि अनुमान को 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर सात प्रतिशत कर दिया था.

एशियन डेवलपमेंट आउटलुक ने सितंबर में वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 6.3 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि का अनुमान लगाया था. अगले वित्त वर्ष 2024-25 के लिए मनीला स्थित बहुपक्षीय फंडिंग एजेंसी ने अपने वृद्धि पूर्वानुमान को 6.7 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा है.

ब्रीफ खबरें

नीरज हत्याकांड में पंकज समेत अन्य की पेशी

धनबाद । पूर्व डिप्टी मेयर नीरज सिंह सहित चार लोगों की हत्या के आरोप मे जेल मे बंद झरिया के पूर्व भाजपा विधायक संजीव सिंह को स्वास्थ्य खराब रहने के कारण पेश नहीं किया जा सका. धनजी सिंह,डब्लू मिश्रा,संजय सिंह, पींटू सिंह , शूटर शिबू उर्फ सागर , सोनू उर्फ कुर्बान ,सतीश उर्फ रोहित उर्फ चंदन एवं मास्टरमाइंड पंकज सिंह को जिला एवं सत्र न्यायाधिश अखलेश कुमार की अदालत में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश किया गया.

ग्रामीण डाक सेवकों ने किया विरोध-प्रदर्शन

बोकारो थर्मल । गिरीडीह डाक प्रमंडल के ग्रामीण डाक सेवकों ने अखिल भारतीय ग्रामीण डाक सेवक संघ के बैनर तले गुरूवार को हड़ताल के तीसरे दिन धरना बोकारो थर्मल स्थित डाकघर गेट के समक्ष किया. सात सूत्री मांगों को लेकर विरोध-प्रदर्शन किया गया. इस दौरान सभी ने मांगों को पूरा करने को लेकर प्रदर्शन कर सरकार विरोधी नारेबाजी भी की गई. डाक सेवकों ने कहा कि जीडीएस के जीवन के साथ सरकार खिलवाड़ कर रही है.

मीडिया विषय पर कार्यशाला का आयोजन

बोकारो। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा राष्ट्रीय प्रेस दिवस 2023 पर कार्यशाला का आयोजन बोकारो स्टील सिटी के हंस रेजेंसी सभागार में किया गया. कार्यशाला में उपायुक्त कुलदीप चौधरी, उप विकास आयुक्त कीर्ती, अनुमंडल पदाधिकारी चास दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, अपर समाहर्ता मेनका, जिला कल्याण पदाधिकारी मनीषा वत्स, जिला परिवहन पदाधिकारी वंदना सेजवलकर, जिला सहकारिता पदाधिकारी सुमन गुड़िया समेत अन्य लोग शामिल थे.

70 लाभार्थियों की हुई स्वास्थ जांच

चाईबासा। नगर परिषद चाईबासा के द्वारा वार्ड -13 गांधी टोला के उड़िया मध्य विद्यालय में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का शिविर लगाया गया. इस शिविर में 70 वार्डवासियों ने स्वास्थ्य जांच कराया, 25 ने आयुष्मान कार्ड के लिए आवेदन दिया, अंचल कार्यालय से संबंधित 17 लोगों ने आवेदन दिया, साथ ही जरुरतमंदों के बीच 90 कंबल का वितरण किया गया. मौके पर नगर परिषद चाईबासा प्रशासक प्रतिभा रानी समेत अन्य लोग मौजूद थे.

कला संगम में प्रतिभा बिखेरेंगे 1000 विद्यार्थी

धनबाद । राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर धनबाद में 15 से 17 दिसंबर तक प्रांतीय कला संगम-2023 का आयोजन होगा. जिसमें एकल व सामूहिक गीत व नृत्य, संगीत, वाद्य वादन, एकांकी, चित्रकला, रंगोली, मेहंदी, मूर्ति कला जैसी 10 विधाओं पर आधारित प्रतियोगिताएं होंगी. इसमें राज्य भर के 50 स्कूलों के एक हज़ार प्रतिभागी हिस्सा लेंगे. यह जानकारी विद्या विकास समिति झारखंड के नीरज कुमार लाल ने स्कूल सभागार में आयोजित प्रेसवार्ता में दी.

सिटी एसपी अजीत ने की क्राइम मीटिंग

धनबाद । पुलिस लाइन में सिटी एसपी अजीत कुमार ने क्राइम मीटिंग की. मीटिंग में डीएसपी और थाना प्रभारी के साथ बैठक कर क्राइम की समीक्षा की. सिटी एसपी अजीत कुमार ने बताया की पुराने केश का डिस्पोजल, अपराध पर नियंत्रण को लेकर यह क्राइम मीटिंग की गई. वहीं डीएसपी तथा थाना प्रभारियों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने अपने थाना क्षेत्र में गश्ती बढ़ाए तथा वारंट और कुर्की जब्ती पर विशेष ध्यान दे. वहीं उन्होंने कहा कि पुराने केश का जल्द निष्पादन करे.

झुंड से अलग घूम रहे हाथी का उत्पात जारी

चांडिल । झुंड से अलग अकेले घूम रहा दंतैल हाथी का उत्पात जारी है. आने-जाने के क्रम में दंतैल हाथी रास्ते में फसल को निवाला बना रहा है. उसे रौंदकर नुकसान पहुंचा रहा है. बुधवार की रात हाथी ने सिरूम के सामने एक पॉल्ट्री फार्म को भी हल्का नुकसान पहुंचाया है. बताया जा रहा है कि हाथी एक स्थान पर डेरा डालकर नहीं रह रहा है. एक गांव से दूसरे गांव की ओर रूख कर रहा है. ऐसे में ग्रामीणों के बीच भय का माहौल बना हुआ है कि हाथी ना जाने कब कहां पहुंच जाए.

15 जून 2017 से बंद धनबाद-चंद्रपुरा पैसेंजर के पटरी पर दौड़ने का इंतजार कर रहे धनबादवासी

125 वर्षों से चल रही थी ट्रेन, जनप्रतिनिधि चाहें तो हो सकती है वापसी

संवाददात। धनबाद

15 जून 2017 से बंद धनबाद-चंद्रपुरा पैसेंजर के रेल पटरी पर दौड़ने का इंतजार कई महीनों से धनबादवासी कर रहे हैं. जानकारी के अनुसार यह ट्रेन 125 वर्षों से चल रही थी. धनबाद के जनप्रतिनिधि ध्यान दें और ट्रेन चलाने के लिए रेलवे मंत्रालय को प्रस्ताव भेजें तो इस ट्रेन की पटरी पर वापसी हो सकती है. रेलवे अधिकारियों की ओर से इस ट्रेन को चलाने के लिए कई बार घोषणा हुई, लेकिन यार्ड से निकल कर पटरी पर नहीं दौड़ी. धनबाद से चंद्रपुरा, मूरी और रांची के बीच हर दिन कई फेरे लगाने वाली ट्रेन के एक फेरे के लिए संशोधित टाइम टेबल के साथ महीनों पहले प्रस्ताव पूर्व मध्य रेल हाजीपुर मुख्यालय भेजा गया था. 29 दिसंबर को होने वाली सांसदों की बैठक ने एक बार फिर उम्मीद जगा दी है. 15 जून 2017 से पहले धनबाद से चंद्रपुरा, मूरी व रांची के बीच दोनों ओर से छह पैसेंजर ट्रेनें चलती थीं. डीसी लाइन के नीचे आग के खतरे के देखते हुए 26 जोड़ी ट्रेनों को बंद कर दिया गया था, लेकिन 20 महीने बाद गिनती के दो-तीन ट्रेनों को छोड़ बाकी ट्रेनों को चलाया गया.

धनबाद डीआरएम कार्यालय में होगी बैठक : धनबाद रेल मंडल के डीआरएम कार्यालय के सभागार में 29 दिसंबर को सांसदों के साथ पूर्व मध्य रेल महाप्रबंधक अनिल कुमार खंडेलवाल बैठक करेंगे. मंडल समिति की बैठक आगामी बजट को ध्यान में रख कर बुलाई गई है. बैठक में धनबाद रेल मंडल के अधीन झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के सांसदों को आने के लिए आमंत्रित किया गया है.

धनबाद-चंद्रपुरा पैसेंजर के लिए प्रस्तावित नई समय सारणी

धनबाद-चंद्रपुरा पैसेंजर : धनबाद से सुबह 7 :30, कुसुंडा-सुबह 7 :42, बांसजोड़ा-सुबह 7 :57, सिजुआ-सुबह 8 :07, कतरासगढ़-सुबह 8 :28, सोनारडीह-सुबह 8 :37, फुलवारटांड़-सुबह 8 :49, जमुनियाटांड़-सुबह 9 :00, चंद्रपुरा-सुबह 9 :30

चंद्रपुरा -धनबाद पैसेंजर : चंद्रपुरा-दोपहर 2 :20, जमुनियाटांड़-दोपहर 2 :37, फुलवारटांड़-दोपहर 2 :48, सोनारडीह-दोपहर दोपहर 3 :04, कतरासगढ़-दोपहर 3 :16, सिजुआ-दोपहर 3 :26, बांसजोड़ा-दोपहर 3 :35, कुसुंडा-दोपहर 3 :52, धनबाद-शाम 4 :10

सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत महुलिया में शिविर का आयोजन

आवेदनों का ऑन द स्पॉट हो रहा निष्पादनः डीसी

संवाददाता ।गढ़वा

सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत गुरुवार को जिले के महुलिया पंचायत में आयोजित शिविर में सचिव, महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग झारखंड सरकार-सह-नोडल पदाधिकारी कृपानंद झा शामिल हुए. सचिव के आगमन पर जेएसएलपीएस की दीदीयों द्वारा पारंपरिक ढंग से स्वागत किया गया. कार्यक्रम में उपायुक्त शेखर जमुआर एवं महुलिया पंचायत मुखिया सुनीता देवी द्वारा पुष्पगुच्छ एवं शॉल भेंट कर स्वागत भाषण देते हुए आभार व्यक्त किया गया. जिसके पश्चात सचिव द्वारा उपस्थित जन प्रतिनिधियों एवं उपायुक्त शेखर जमुआर व उप विकास आयुक्त राजेश कुमार राय समेत अन्य पदाधिकारियों संग संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया. महुलिया पंचायत में आयोजित शिविर के उद्देश्यों की जानकारी देते हुए सचिव ने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आपकी समस्याओं को पंचायत स्तर पर ही समाधान करना है. कार्यक्रम का यह तीसरा चरण है. पिछले दिनों प्राप्त आवेदनों का निष्पादन प्राथमिकता के आधार पर हुआ है. वहीं सरकार के निर्देश पर इस वर्ष भी आवेदनों का निष्पादन प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है.

उन्होंने कहा कि इस वर्ष राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी अबुआ आवास योजना के लिए काफी संख्या में लाभुकों के आवेदन प्राप्त हो रहे हैं. इस योजना के स्वीकृति के पश्चात लाभुकों को जनवरी माह से प्रथम किस्त की राशि का भुगतान किया जाना है. इस योजना के तहत 3 कमरे का पक्का मकान एवं रसोई घर के लिए 2 लाख रुपये का भुगतान लाभुकों को किया जाएगा. उन्होंने योग्य लाभुकों को शिविर के माध्यम से आवेदन समर्पित करने का अपील किया. उन्होंने कहा कि आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के माध्यम से सरकारी योजनाओं से योग्य लाभुकों को लाभान्वित करना है. आपको जिला कार्यालय का चक्कर लगाना ना पड़े इसलिए सरकार ने यह व्यवस्था की है कि हर वर्ष आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के माध्यम से शिविर का आयोजन कर पंचायत स्तर पर ही आपकी समस्याओं का निराकरण हो. कार्यक्रम में उपायुक्त द्वारा संबोधित करते हुए सचिव के गढ़वा जिला आगमन पर आभार जताते हुए कहा गया कि आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के माध्यम से प्राप्त अधिकांश आवेदनों का निष्पादन ऑन द स्पॉट करने का प्रयास विभागों द्वारा किया जा रहा है. जिला प्रशासन आपके समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के लिए दृढ़संकल्पित है. आप सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए कार्यक्रम स्थल पर लगे स्टॉल पर जाकर अपने आवेदन जरूर समर्पित करें या किसी भी प्रकार की योजनाओं से जुड़ी जानकारी के लिए भी स्टॉल में जाए एवं जागरूक होकर योजनाओं का लाभ आवश्य लें.

लाभुकों के बीच हुआ परिसंपत्तियों व स्वीकृति पत्रों का वितरण

कार्यक्रम में लाभुकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं से लाभान्वित किया गया. सचिव द्वारा मौके पर लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों एवं स्वीकृति पत्रों का वितरण किया गया. कैश क्रेडिट लिंकेज के तहत सखी मंडल की दीदी रीना देवी संतोषी, किरण देवी समेत कुल 5 सखी मंडल को सामुहिक निवेश के लिए 12 लाख रुपए का कैश क्रेडिट लिंकेज के तहत चेक सौंपा गया. सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के तहत छात्रा साक्षी कुमारी, प्रियांशु राज, सोनी कुमारी, खुशबू कुमारी, तरन्नुम परवीन, पूजा कुमारी, छठन कुमारी, सोनी कुमारी, पूजा कुमारी एवं किरण कुमारी को स्वीकृति पत्र सौंपा गया. श्रम विभाग अंतर्गत सुषमा देवी को साइकिल का लाभ दिया गया. लाभुक जितनी कुंवर, तेतरी कुंवर, राम लखन राम, छठनी देवी, ललु कहार, कलावती देवी, किस्मतिया देवी, सावित्री कुंवर, बातसीया कुमार एवं आसपती देवी को कंबल वितरण किया गया. बिरसा फसल विस्तार योजना के तहत खलील अंसारी एवं दिलीप कुमार मेहता को उक्त योजना का लाभ दिया गया.

खास बातें

- पंचायत स्तर पर समस्या का समाधान करना शिविर का उद्देश्य
- प्राथमिकता के आधार पर हुआ आवेदनों का निष्पादन

प्रशासन से मूर्ति तोड़ने वाले की पहचान कर कार्रवाई करने की मांग

चांडिल । ईचागढ़ प्रखंड मुख्यालय परिसर में स्थापित धरती आबा बिरसा मुंडा की मूर्ति को क्षतिग्रस्त करने की जानकारी मिलने के बाद गुरुवार को संयुक्त आदिवासी सामाजिक संगठन ने निरीक्षण कर मामले की जानकारी ली. संगठन के मानिक सिंह सरदार ने बताया कि बीते मंगलवार को असामाजिक तत्वों के द्वारा मूर्ति को क्षतिग्रस्त किया गया है. मूर्ति क्षतिग्रस्त करने की जानकारी मिलने के बाद पूरा आदिवासी समाज आहत और आक्रोशित है. आदिवासी समाज में बिरसा मुंडा को भगवान का दर्जा दिया गया है.संयुक्त आदिवासी सामाजिक संगठन ने इस संबंध में ईचागढ़ के प्रखंड विकास पदाधिकारी कीकू महतो को पत्र लिखकर मूर्ति को क्षतिग्रस्त करने वाले की पहचान कर उसे कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की है.

विकसित भारत संकल्प यात्रा में उमड़ रही लोगों की भीड़

आदित्यपुर । केंद्र की मोदी सरकार द्वारा इन दिनों विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम चलाया जा रहा है. यह कार्यक्रम सरायकेला जिले में शुक्रवार 15 नवंबर से 26 जनवरी 2024 तक पंचायत स्तर पर चलेगी. इस कार्यक्रम में लोगों की भीड़ उमड़ रही है. इसका उद्देश्य विकासात्मक योजनाओं से संबंधित जागरूकता बढ़ाने और लोगों को ऑन द स्पोर्ट लाभ दिलाना है. इस कार्यक्रम का गुरुवार को शुभारंभ गम्हरिया प्रखंड के जगन्नाथपुर पंचायत और कालिकापुर पंचायत में हुआ है. विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम को लोगों को खूब स्पोर्ट मिल रहा है.

रोजगार सह कौशल मेले में 452 अभ्यर्थियों का हुआ चयन

संवाददाता ।बोकारो

बोकारो के आईटीआई चास परिसर में गुरुवार को रोजगार सह कौशल मेला 2023 का आयोजन किया गया. मेले का शुभारंभ उपायुक्त कुलदीप चौधरी, पुलिस अधीक्षक प्रियदर्शी आलोक, उप विकास आयुक्त कीर्ती, अनुमंडल पदाधिकारी चास दिलीप प्रताप सिंह शेखावत आदि ने संयुक्त रूप दीप प्रज्वलित कर किया. मेले का आयोजन श्रम नियोजन प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग द्वारा किया गया. मौके पर उपायुक्त कुलदीप चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार प्रशासन का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा छात्र-छात्राओं का प्रशिक्षण के माध्यम से उनका कौशल विकास करना और उनकी योग्यता व क्षमता के अनुसार रोजगार, आजीविका के श्रोतों से जोड़ना है. रोजगार मेले का आयोजन इसमें महत्वपूर्ण कड़ी का काम करता है. मेले में विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे 452 अभ्यर्थियों का चयन किया गया. जिसमें विभिन्न नियोक्ताओं द्वारा ऑन स्पॉट दर्जनों युवक युवतियों को नियुक्ति पत्र सौंपा गया. जबकि, 184 अभ्यर्थियों को विभिन्न कंपनियों द्वारा शार्टलिस्टेड किया गया. मौके पर श्रम अधीक्षक प्रवीण कुमार समेत अन्य लोग उपस्थित थे.

चाईबासा जेल ब्रेक के मास्टरमाइंड की मौत

रांची। चाईबासा जेल ब्रेक के मास्टरमाइंड हार्डकोर भाकपा माओवादी नक्सली संजय गंझू उर्फ संजय टेक्निकल की मौत हो गई. संजय की रिम्स में इलाज के दौरान गुरुवार को उसकी मौत हो गई. वहां मूल रूप से लातेहार जिले के बालूमाथ थाना क्षेत्र के बेसरा गांव का रहने वाला था. रांची जेल में बंद रहने के दौरान उसकी तबीयत बिगड़ गई थी. जिसके बाद उसे बीते छह दिसंबर को रिम्स में भर्ती कराया गया था. इसी दौरान उसकी मौत हो गई.

नौ साल पहले मुठभेड़ के दौरान हुआ था गिरफ्तार : चाईबासा जेल ब्रेक के मास्टरमाइंड हार्डकोर माओवादी संजय गंझू को पुलिस ने बीते 11 दिसंबर 2014 को सिमडेगा के देवसार जंगल में मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया था. उसके दोनों पैरों में गोलियां लगी थी. संजय गंझू पर राज्य सरकार ने 10 लाख रुपए का इनाम घोषित कर रखा है. वहीं विशेष शाखा ने इस पर 25 लाख रुपए का इनाम रखने का प्रस्ताव राज्य सरकार को मंजूरी के लिए भेजा था.

खुश रहें, बस यही दक्षिणा आपसे लेने आई है खुशी क्लास : चौहान

संवाददाता। पेटरवार

लाइफ केयर हॉस्पिटल, रांची और खुशी क्लास के तत्वावधान में खुशी रथ गुरुवार को पेटरवार के उतरसरा पंचायत और चरगी पंचायत पहुंची. यहां खुशी चौपाल का आयोजन हुआ. उतरसरा पंचायत में कार्यक्रम का संचालन मुखिया देवेंद्र प्रसाद नायक ने किया, जबकि चरगी पंचायत में संचालन पेटरवार संघ की मुखिया रानी मुर्मू ने किया, मौके पर खुशी क्लास के संचालक मुकेश सिंह चौहान ने कहा कि खुशी-सकारात्मकता ऐसी औषिधि है, जो सभी दुखों को हर लेती है. मुस्कान में ऐसी चुम्बकीय शक्ति है, जो सभी को आपके ओर खींच लेती है. हम सभी खुशी परिवार के सदस्य हैं, क्योंकि वही प्रकृति ने हमें भी जन्म दिया, जिसने आपको भी दिया है. चौहान ने कहा कि खुशी परिवार के रूप में जैसे ही हम एक-दूसरे को समझने लगेंगे, परिवेश बदलने लगेगा. हाइपरटेंशन डिप्रेशन, आत्महत्या की प्रवृत्ति महामारी का रूप लेती जा रही है. इसे हम खुशी-सकारात्मकता के साथ ही भगा सकते हैं. अंत में खुशी क्लास संचालक मुकेश सिंह चौहान ने सभी से अशीर्वादी, नेग, दक्षिणा मांगा कि आप सभी खुश और सकारात्मक रहने का सच्चा वादा दे दें.

कचरे का अंबार | यात्रियों के साथ ही शहरवासियों के लिए यह गंदगी बनी हुई है परेशानी का सबब

टाटानगर स्टेशन के बाहर लगा गंदगी का अंबार

संवाददाता । जमशेदपुर

टाटानगर स्टेशन के मेन गेट के नजदीक (पूर्व में सिंह होटल के पास) लगा गंदगी का अंबार मॉडल स्टेशन कहे जाने वाले टाटानगर को मुंह चिढ़ा रहा है. यहां आने वाले यात्रियों के साथ ही शहरवासियों के लिए यह गंदगी परेशानी का सबब बनी हुई है. यही नहीं सड़क किनारे की नालियां भी कूड़ा-कचरा की वजह से जाम हो गई है. आसपास के लोग यहां गंदगी फेंक का चले जाते है जिस कारण धीरे-धीरे यहां कूड़े का पहाड़ बन गया है. इस ओर न ही रेलवे प्रशासन ही ध्यान दे रहा है और न ही जिला प्रशासन. इसकी सफाई के प्रति कोई संवेदनशील नहीं है.

कई विभाग के अधिकारी करते हैं आवागमन : टाटानगर स्टेशन में जब कहीं से लोग आते हैं तो सड़क किनारे फैली गंदगी व खुले में शौच के कारण निकलती बदबू से उनका स्वागत होता है. खुली नाली में तैरता कचरा व गंदगी पूरी व्यवस्था की पोल खोलती नजर आती है. स्टेशन से चंद कदमों की दूरी में खुलेआम कूड़ा पडा होने से लोगों को खासी दिक्कतों को सामना करना पड़ रहा है. खुले में पड़ा ये कूड़ा संक्रामक रोगों को भी खुला आमंत्रण दे रहा है. फिर भी हद है कि जिम्मेदारों की नींद टूटने का नाम नहीं ले रही है. टाटानगर स्टेशन को भीतर से तो चकाचक करने में सम्बंधित अधिकारी लगे हुए रहते है, लेकिन बाहर के हालत पर कोई ध्यान नहीं देता. स्थानीय लोगों का कहना है कि टाटा-हाता मेन रोड होने के साथ ही यह स्टेशन-जुगसलाई को जोड़ने वाली मुख्य सड़क है. इस सड़क से रोजाना हजारों लोग शहर व आसपास के क्षेत्रों में आना-जाना करते हैं. इसी सड़क से रेलवे समेत अन्य कई विभाग के अधिकारी भी आते-जाते हैं, लेकिन इसकी सफाई की ओर कोई ध्यान नहीं देता. इस मामले में कोई पहल नहीं होने से लोगों में आक्रोश है.

आओ जानें
सामान्य ज्ञान

- लेंस की क्षमता का मात्रक क्या है – **डायोप्टर**
- किस संविधान संशोधन को मिनी कॉन्स्टीट्यूशन कहा जाता है – **42वां**
- मोहिनीअट्टम नृत्य किस राज्य से संबंधित है – केरल
- पानी की बूंदों के गोल होने कारण – **पृष्ठीय तनाव**
- वनस्पति घी के निर्माण में कौनसी गैस प्रयुक्त होती है – **हाइड्रोजन**
- सांची के स्तूप का निर्माण किसने करवाया था – **अशोक**
- बंग्लादेश का राष्ट्रगान – **आमार सोनार बांग्ला**
- विश्व की पहली महिला अंतरिक्ष यात्री – **वेलेंटाइना तेरेश्कोवा**
- फलों को पकाने में कौन सी गैस उपयोग होती है – **ऐथिलीन**
- लोधी वंश का संस्थापक कौन था – **बहलोल लोधी**

न्यूज अपडेट

चिंरकुंडा के पत्रकार को मातृशोक, शोक जताया

मैथन । चिरकुंडा के पत्रकार आशुतोष मिश्रा की मां तारामुनि मिश्रा (57 वर्ष) का गुरुवार की सुबह निधन हो गया. वह पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रही थीं. अस्पताल में इलाज के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली. वह अपने पीछे पति हरेन्द्र मिश्रा, चार पुत्र व एक पुत्री का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं. सूचना मिलते ही क्षेत्र के बड़ी संख्या में पत्रकारा व गणमान्य लोग मेढ़ा स्थित आवास पहुंचकर परिजनों को ढांढस बंधाया और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की. तारामुनि मिश्रा का अंतिम संस्कार शुक्रवार को बिहार के बक्सर स्थित पैतृक गांव बड़का सिंघनपुरा में किया जाएगा.

जीएन कॉलेज में साहित्यशाला 2023 का आयोजन

धनबाद। गुरुनानक कॉलेज, धनबाद के भुदा परिसर में अंग्रेजी विभाग ने गुरुवार को वार्षिक साहित्यिक उत्सव, साहित्यशाला 2023 आयोजन किया. जिसमें साहित्यिक प्रदर्शनी, साहित्यिक खेल, चरित्र चित्रण प्रतियोगिता, कविता पढ़ने के सत्र और एक फ्लैश मॉब सहित कई जीवंत कार्यक्रम व प्रदर्शनी प्रस्तुत किये गए. चरित्र चित्रण प्रतियोगिता में, रूपा मल्होत्रा को द्रौपदी के चित्रण के लिए पहला, प्रियाशा पाल को शकुंतला की भूमिका के लिए दूसरा और अलादीन में जैस्मीन के लिए नीतू कुमारी को तीसरा स्थान मिला. सभी को पुरस्कृत किया गया. कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संजय प्रसाद ने बताया कि कार्यक्रम को सफल बनाने में 150 से अधिक विद्यार्थियों की भागीदारी रही.

बंद हो सकता है किरीबुरु का एकमात्र पेट्रोल पंप

किरीबुरु। किरीबुरु-मेघाहातुबुरु समेत सारंडा के सुदूरवर्ती गांवों के ग्रामीण, किसानों, आम जनता व सेलकर्मियों को अब सरकारी मूल्य से महंगे दामों पर खरीदना होगा पेट्रोल-डीजल. इस इंधन की खरीददारी पर गुणवत्ता की गारंटी नहीं होगी. क्योंकि सेल की किरीबुरु-मेघाहातुबुरु टाउनशिप स्थित एक मात्र सारंडा फ्यूएल सेंटर, सेल प्रबंधन द्वारा की गई लगभग 4-5 फीसदी भाडा.वृद्धि की वजह से कभी भी बंद हो सकती है. सूत्रों अनुसार सेल प्रबंधन पहले इस पेट्रोल पंप संचालक से सेल द्वारा दी गई भूमि के एवज में प्रत्येक स्क्वायर फीट एक रूपये भाडा.लेती थी. लेकिन अब अचानक उक्त भाडा.की वृद्धि कर 4 रूपये प्रति वर्ग फीट कर दी है. इससे उक्त पेट्रोल पंप कभी भी बंद हो सकती है.

गोविंदपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का हुआ निरीक्षण

गोविंदपुर। गोविंदपुर आकांक्षी प्रखंड को लेकर स्वास्थ्य विभाग की केंद्रीय टीम ने गुरुवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोविंदपुर का निरीक्षण किया. केंद्रीय टीम का प्रतिनिधित्व कर रही डॉ प्रीति ने प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. विश्वेश्वर कुमार से गोविंदपुर प्रखंड में स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी प्राप्त की. आकांक्षी प्रखंड को लेकर स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार तथा और बेहतरी के कई दिशा निर्देश दिए. उल्लेखनीय की चिकित्सा, शिक्षा एवं बाल विकास समेत कई क्षेत्रों में गोविंदपुर प्रखंड के राष्ट्रीय एवं राज्य मानक पर अपेक्षाकृत पीछे रह जाने के कारण इसे आकांक्षी प्रखंड घोषित किया गया है . आगामी 2 वर्षों में बेहतर कर इस प्रखंड को राष्ट्रीय एवं राज्य लेवल पर ले जाना है . इसी को लेकर डॉ प्रीति ने अस्पताल की चिकित्सा व्यवस्था का जायजा लिया तथा कई सुझाव एवं मार्गदर्शन दिए.

पेज एक का शेष...

14 सांसद पूरे सत्र से...

इसके लिए सदन में संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने प्रस्ताव रखा, जिसे ध्वनिमत से पारित कर दिया गया. जोशी ने कहा कि हम सब सहमत हैं कि बुधवार की दुर्भाग्यपूर्ण घटना लोकसभा सदस्यों की सुरक्षा में गंभीर चूक थी और इस मामले में लोकसभा अध्यक्ष के निर्देश पर उच्चस्तरीय जांच शुरू कर दी गई है. उन्होंने कहा, इस मुद्दे पर किसी भी सदस्य से राजनीति की अपेक्षा नहीं की जाती, हमें दलगत राजनीति से ऊपर उठ कर काम करना होगा. संसद में सुरक्षा में चूक की इस तरह की घटनाएं पहले भी होती रही हैं और उस समय के लोकसभा अध्यक्षों के निर्देशानुसार कार्यवाही चलाई जाती रही है. सांसदों के निलंबन पर जदयू अध्यक्ष ललन सिंह ने कहा कि सरकार की नाकामी को छुपाने के लिए सांसदों को सस्पेंड किया गया है. सरकार अपनी नाकामी को छिपा रही है.

चूक मामले में 8 कर्मचारी सस्पेंडः संसद की सुरक्षा व्यवस्था में सेंध लगाकर लोकसभा की कार्यवाही के दौरान सदन में कूदने वाले दो लोगों के मामले में लोकसभा सचिवालय ने अपने 8 कर्मियों को सस्पेंड कर दिया है. इसके साथ ही लोकसभा स्पीकर ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सदन में हंगामा कर रहे विपक्षी सांसदों को बताया कि स्पीकर ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं.

सरकार की ओर से सामने आए राजनाथ : लोकसभा में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि बुधवार को जो घटना हुई, उसकी सबने निंदा की है. यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण घटना है. लोकसभा अध्यक्ष ने घटना के जांच के आदेश दिए हैं. हम सभी सांसदों को सावधानी बरतने की आवश्यकता है. इस प्रकार से संसद में अराजक स्थिति पैदा करना उचित नहीं है.

आपन झुलनी संभालूं कि...

उसके सहयोगी दल भी परेशान होंगे.

कांग्रेस को बेलगाम घोड़ों के रथ की सवारी करनी हैः कांग्रेस की समस्या यह है कि तमिलनाडु में वह पूरी तरह द्रमुक की कृपा पर निर्भर है. इसलिए वह उसकी खुटचालों का विरोध नहीं कर सकती. वैसे भी अमेठी से पराजित और वायनाड से विजयी राहुल गांधी भी कह चुके हैं कि उत्तर भारत के मतदाताओं के सोचने-समझने और निर्णय की क्षमता दक्षिण भारतीयों से कम है. बहरहाल कांग्रेस को उस रथ की सवारी करनी है, जिसके घोड़े बेलगाम हैं. वे कब पिनक जाएं और दुलत्ती मारने लगें, कहना मुश्किल है. लेकिन कांग्रेस की विवशता यह है कि वह अकेले भाजपा को शिकस्त नहीं दे सकती और जिन साथियों को जुटा कर वह भाजपा की मुकम्मल घेराबंदी करना चाहती है, वे भी कोई कम बिगड़ैल नहीं हैं. उन्होंने तो कांग्रेस की जमीन खोद कर ही अपनी जमीन तैयार की है.

विपक्षी दलों की बैठक 19 को, पर आधिकारिक पुष्टि नहींः इस बीच तीन परिघटनाएं हुई हैं. केरल के वामपंथियों ने कह दिया है कि राहुल गांधी वायनाड छोड़ें. दूसरा यह कि छह दिसंबर को होनेवाली विपक्षी दलों की बैठक कुछ नेताओं की तथाकथित व्यस्तता के कारण स्थगित हो गई है. तथाकथित इसलिए कि पता नहीं उनके लिए इस बैठक से जरूरी काम क्या था. बकौल जयराम रमेश, यह बैठक अब 19 दिसंबर को दिल्ली में होगी. पता नहीं, होगी या नहीं, क्योंकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है. होगी भी तो कौन जाएगा, कौन नहीं, इस बाबत यकीन के साथ कुछ नहीं कहा जा सकता. नीतीश कुमार का कहना है कि यदि संभावित बैठक में सीट बंटवारे के फार्मूले पर चर्चा नहीं होनी है, तो इस बैठक का कोई मतलब नहीं है. इसी बीच नीतीश कुमार झारखंड, उत्तर प्रदेश के दौरे पर जानेवाले हैं. कहा जा रहा है कि उत्तरप्रदेश में उनके साथ अखिलेश यादव भी रहेंगे. इसका निहितार्थ समझना मुश्किल नहीं है. तीसरा यह कि तेलंगाना में रेवंता रेड्डी के शपथ ग्रहण समारोह में साथी दल नहीं पहुंचे. पता नहीं उन्हें बुलाया ही नहीं गया था या बुलावा भेजने के बाद भी वे निजी कारणों से नहीं गये. राजनीति में ये निजी कारण बेहद खास होते हैं और वक्त आने पर कमाल भी करते हैं. देखना यह है कि कांग्रेस इन परिस्थितियों को कैसे संभालती है.

51 वें मिनट में बोरूसिया डोर्टमंड को बढ़त दिलायी करीम एडेयेमी ने

चैंपियंस लीग : ड्रॉ के बावजूद ग्रुप एफ में दूसरा स्थान हासिल करने में सफल रही पीएसजी की टीम

पेरिस सेंट जर्मेन ने टूर्नामेंट के राउंड-16 के लिए किया क्वालीफाई

भाषा ।जिनेवा

पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने ग्रुप एफ में बोरूसिया डोर्टमंड से 1-1 के ड्रा के बावजूद चैंपियस लीग के नॉकआउट में जगह बनायी, जिसमें न्यूकासल की हार का अहम योगदान रहा. पीएसजी ने ग्रुप एफ में शीर्ष पर रहे बोरूसिया डोर्टमंड से ड्रॉ के बावजूद दूसरा स्थान पर रहने में सफलता हासिल की क्योंकि न्यूकासल की टीम घरेलू मैदान पर एसी मिलान से 1-2 से हार गयी. पोर्टो ने भी शखतर दोनेतस्क पर 5-3 की जीत से राउंड 16 में प्रवेश किया क्योंकि उसे ऐसा करने के लिए जीत की दरकार थी. बोरूसिया डोर्टमंड ने करीम एडेयेमी के 51वें मिनट में किये गये गोल से बढ़त बनायी जिसके बाद 17 वर्षीय वारेन जायर एमेरी ने 56वें मिनट में पीएसजी के लिए बराबरी गोल दागा. न्यूकासल ने 33वें मिनट में जोलिंटन की मदद से बढ़त बना ली थी फिर एसी मिलान ने क्रिस्टियन पुलिसिच के 59वें मिनट में किये गोल से बराबरी हासिल कर सैमुअल चुकवुएजे (84वें मिनट) के गोल से जीत दर्ज की.

न्यूकासल इस हार के बाद मैनचेस्टर यूनाईटेड की तरह घरेलू मैदान में हारकर बाहर हो गया. चैंपियंस लीग ग्रुप में तीसरे स्थान पर रही टीमें दूसरे टीयर की यूरोपा लीग के लिए फरवरी में नॉकआउट प्लेऑफ में खेलती रहेंगी. प्लेऑफ क्वालीफायर गलाटासारे, लेंस, ब्रागा, बेनफिका, फेयेनूर्ड, एसी मिलान, यंग ब्वाएज और शखतार दोनेतस्क हैं. चैंपियंस लीग ने बुधवार को चार टीम के पारंपरिक राउंड-रॉबिन ग्रुप को विदाई दी जिसमें टीम अपने मैदान में और दूसरी टीम के मैदान में खेल रही थीं. पिछले साल यूईएफा ने क्लबों के दबाव में आकर नये और 36 टीम के प्रारूप को मंजूरी दी थी. इससे 2024-25 चैंपियंस लीग में प्रत्येक टीम छह के बजाय आठ मैच खेलेगी जिसमें वह अलग अलग प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ उतरेगी. फिर शीर्ष आठ टीम जनवरी 2025 में वरीयता ड्रा के हिसाब से 16 टीम के नॉकआउट चरण में पहुंचेंगी जैसा कि एक टेनिस टूर्नामेंट में होता है. वहीं तालिका में नौ से 24वें स्थान पर काबिज टीमों की जोड़ी बनाकर दो चरण का प्लेऑफ होगा जिसके बाद राउंड 16 की अन्य टीम तय होंगी.

17 वर्षीय वारेन जायर में पीएसजी के लिए बराबरी का गोल दागा

पीएसजी ने बोरूसिया डोर्टमंड से ड्रॉ खेला

सोमवार को यूएफा मुख्यालय होगा अंतिम-16 का ड्रॉ

अंतिम 16 का ड्रा सोमवार को यूएफा मुख्यालय में होगा जिसमें आठ पूर्व चैंपियन क्लब शामिल हैं. राउंड 16 में जगह बनाने वाले वरीय क्लब आर्सेनल, एटलेटिको मैड्रिड, बार्सिलोना, बायर्न म्यूनिख, बोरूसिया डोर्टमंड, गत चैंपियन मैनचेस्टर यूनाईटेड, रियाल मैड्रिड, रियाल सोसिडाड हैं, जबकि गैर वरीय क्लबों में कोपेनहेगन, इंटर मिलान, लाजियो, आरबी लेपजिग, नापोली, पेरिस सेंट जर्मेन, पोर्टो और पीएसवी एंधोवेन शामिल हैं.

▼ ब्रीफ खबरें

द. अफ्रीका के खिलाफ शमी का खेलना संदिग्ध

बेंगलुरू । टखने की चोट से उबर रहे भारत के सीनियर तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के लिए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 26 दिसंबर से सेंचुरियन में शुरू हो रही टेस्ट श्रृंखला के लिए समय पर फिट होने की राह आसान नहीं होगी. शमी को 30 नवंबर को घोषित भारत की टेस्ट टीम में शामिल किया गया था लेकिन इस 33 वर्षीय तेज गेंदबाज की उपलब्धता चोट से उनके उबरने पर निर्भर करेगी. इस संदर्भ में शमी कप्तान रोहित शर्मा, सीनियर बल्लेबाज विराट कोहली, साथी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और टेस्ट टीम के अन्य सदस्यों के साथ शायद दक्षिण अफ्रीका रवाना नहीं हो पाएंगे.

गलती से मैकुलम का फोन नजरअंदाज किया: बशीर

लंदन । इंग्लैंड के युवा ऑफ स्पिनर शोएब बशीर ने कुछ दिन पहले न्यूजीलैंड के 'डायलिंग कोड नंबर' से एक 'मिस्ड कॉल' देखी और उन्होंने इसे यह समझते हुए नजरअंदाज किया कि यह किसी ने ऐसे ही कर दिया होगा. छह प्रथम श्रेणी मैच खेल चुके बशीर ने सपने में भी नहीं सोचा था कि यह नंबर न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ब्रैंडन मैकुलम का हो सकता है और इंग्लैंड की टेस्ट टीम का कोच उन्हें टीम में चुने जाने की रोमांचक खबर देने के लिए फोन कर रहा था. बशीर ने बताया कि मैंने नंबर देखकर सोचा कि ये कौन है.

नेपाल को हराकर भारत ने जीती शृंखला

मुंबई । सुषमा पटेल की 37 गेंद में 45 रन की पारी की बदौलत भारत ने गुरुवार को चौथे टी-20 मुकाबले में नेपाल को यहां सात विकेट से हराकर दृष्टिबाधित महिलाओं की पांच मैच की द्विपक्षीय क्रिकेट श्रृंखला में 3-1 की विजयी बढ़त बना ली. नेपाल ने कप्तान बिंता पुन की 69 रन की पारी और मानकेशी चौधरी के साथ उनकी 101 रन की साझेदारी से 20 ओवर में छह विकेट पर 165 रन का स्कोर खड़ा किया. इस जोड़ी के टूटने के बाद भारत ने नेपाल को लगातार झटके दिए जिससे मेहमान टीम ने अंतिम चार ओवर में चार विकेट गंवाए. 'मैच की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी' चुनी गई सुषमा के अलावा रवानी, बसंती व सिमु की पारियों की बदौलत भारत ने तीन विकेट गंवाकर 19वें ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया.

क्रॉनिक किडनी रोग से पीड़ित हैं कैमरन ग्रीन

पर्थ । ऑस्ट्रेलिया के आल राउंडर कैमरन ग्रीन ने खुलासा किया कि जब वह पैदा हुए थे तो वह 'इररिवर्सिबल क्रॉनिक किडनी' रोग से पीड़ित थे. ग्रीन ने कहा कि एक समय उनके 12 साल से ज्यादा जीने की उम्मीद नहीं थी. उन्होंने कहा कि इस बीमारी के कोई लक्षण नहीं होते और इसमें किडनी (वृक्क) को ठीक भी नहीं किया जा सकता. ग्रीन ने कहा कि जब मेरा जन्म हुआ तो मेरे माता पिता को बताया गया कि मुझे 'इररिवर्सिबल क्रॉनिक किडनी' बीमारी है जिसके कोई लक्षण नहीं होते लेकिन अल्ट्रासाउंड के जरिये इसका पता चला. उन्होंने कहा कि क्रॉनिक किडनी बीमारी बढ़ती रहती है. दुर्भाग्य से मेरा गुर्दा अन्य लोगों के गुर्दे की तरह खून को साफ नहीं करता.

महिला क्रिकेट : भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट मैच शुरू

भारतीय टीम ने रचा इतिहास

- भारतीय टीम टेस्ट के पहले दिन 400 से अधिक रन बनाने वाली दूसरी टीम बनी

भाषा ।मुंबई

भारतीय महिला क्रिकेट टीम और इंग्लैंड के बीच गुरुवार से नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में एकमात्र टेस्ट मैच शुरू हुआ. भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में दिन का खेल समाप्त होने तक 7 विकेट खोकर 410 रन बनाए. स्टंप के समय दीप्ति शर्मा 60 रन पर और पूजा वस्त्रकर 4 रन बनाकर नाबाद लौटीं. इस मैच में भारत की शुरुआत कुछ खास नहीं रही और 47 रन पर दोनों सलामी बल्लेबाज आउट हो गए. स्मृति मंधाना (17) और शफाली वर्मा (19) कमाल नहीं दिखा पाईं. तीसरे विकेट के लिए जेमिमा रोड्रिगेज और शुभा सतीश ने 146 गेंदों में 115 रन की साझेदारी निभाई. इसके बाद पांचवें विकेट के लिए कप्तान हरमनप्रीत कौर (49) और यास्तिका भाटिया ने 146 गेंदों में 116 रन जोड़े. भारत महिला टेस्ट मैच के एक ही दिन में 400 से अधिक रन बनाने वाली इतिहास की दूसरी टीम बन गई है. इससे पूर्व इंग्लैंड (431/4 रन बनाम न्यूजीलैंड, 1935) भी एक बार ऐसा कर चुकी है. अनुभवी भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति ने पहली पारी में अपना अर्धशतक पूरा करते हुए टीम को बड़े स्कोर की ओर से अग्रसर किया.

डेब्यू मैच में शुभा ने जड़ा अर्धशतक

डेब्यू मैच में शुभा की शानदार पारी शीर्ष क्रम की बल्लेबाज शुभा ने अपने पहले ही मैच में शानदार बल्लेबाजी करते हुए प्रभावित किया. उन्होंने 90.79 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 76 गेंदों में 69 रन बनाए. इस पारी में उन्होंने 13 चौके जमाए. शुभा ने डेब्यू टेस्ट मैच में 50 रन की पारी खेलने वाली 12वीं भारतीय महिला बल्लेबाज बनीं. इसके अलावा शुभा सतीश महिला टेस्ट क्रिकेट में दूसरा सबसे तेज अर्धशतक जमाने वाली भारतीय महिला बनी.

रोड्रिगेज ने भी डेब्यू मैच को बनाया यादगार

शुभा के अलावा अपना डेब्यू टेस्ट मैच खेल रही रोड्रिगेज ने भी पहली पारी में शानदार अर्धशतक जमाते हुए अपनी छाप छोड़ी. उन्होंने 68.69 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 99 गेंदों में 68 रन बनाए. रोड्रिगेज से पहले डेब्यू मैच में स्नेह राणा (80), चंद्रकांत कौल (75), शांता रंगास्वामी (74), संध्या अग्रवाल (71), शोभा पंडित (69), गार्गी बनर्जी (63), मिनोती देसाई (54), दीप्ति शर्मा (54), संगीता दबीर (52), मंधाना (51) और शुभा (69) ने भी अर्धशतक जमाए थे.

- **115** रन जोड़े भारत ने तीसरे विकेट के लिए
- **116** रन जोड़े भारत ने पांचवें विकेट के लिए

यास्तिका ने जमाया अपना पहला टेस्ट अर्धशतक

अपना दूसरा ही टेस्ट मैच खेल रही विकेटकीपर बल्लेबाज यास्तिका भाटिया ने अपनी बल्लेबाजी क्लास का उत्कृष्ट उदाहरण पेश करते हुए शानदार बल्लेबाजी की. उन्होंने 75.00 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 88 गेंदों में 66 रन बनाए. उन्होंने इस पारी में पारी में 10 चौके और 1 छक्का भी जमाया. यह उनके महिला टेस्ट क्रिकेट करियर का पहला ही अर्धशतक था. वह अब तक भारत की ओर से 22 वनडे और 18 टी-20 मैच खेल चुकी हैं.

हारुयुकी ने रिश्वत मामले में खुद को निर्दोष बताया

तोक्यो । तोक्यो ओलंपिक आयोजन समिति के पूर्व सदस्य हारुयुकी ताकाहाशी गुरुवार को तोक्यो जिला अदालत में पेश हुए और खेलों से जुड़े रिश्वत के मामले में खुद को निर्दोष बताया. ताकाहाशी को एक साल से भी अधिक समय पहले गिरफ्तार किया गया था और अभी यह स्पष्ट नहीं है कि उनके मामले की सुनवाई कब खत्म होगी. बचाव पक्ष अगले साल की शुरुआत में अपना पक्ष रखेगा. जापान की प्रतिष्ठित विज्ञापन कंपनी देंत्सु के पूर्व अधिकारी ताकाहाशी पर आरोप है कि उन्होंने 2021 तोक्यो खेलों से जुड़े ओलंपिक अनुबंध देने के बदले में 19 करोड़ 80 लाख येन की रिश्वत ली थी. देंत्सु और पांच अन्य कंपनियों पर बोली में धांधली के आपराधिक आरोपों से जुड़ी एक अलग सुनवाई स्थगित होने के ठीक नौ दिन बाद ताकाहाशी अदालत में पेश हुए.

आओ जानें

महिला क्रिकेट : विश्व कप विजेता

साल	विजेता	उपविजेता
1973	इंग्लैंड	ऑस्ट्रेलिया
1978	ऑस्ट्रेलिया	इंग्लैंड
1982	ऑस्ट्रेलिया	इंग्लैंड
1988	ऑस्ट्रेलिया	इंग्लैंड
1993	इंग्लैंड	न्यूजीलैंड
1997	ऑस्ट्रेलिया	न्यूजीलैंड
2000	न्यूजीलैंड	ऑस्ट्रेलिया
2005	ऑस्ट्रेलिया	भारत
2009	इंग्लैंड	न्यूजीलैंड
2013	ऑस्ट्रेलिया	वेस्टइंडीज
2017	इंग्लैंड	भारत
2022	ऑस्ट्रेलिया	इंग्लैंड

ऑस्ट्रेलिया बनाम पाकिस्तान टेस्ट मैच

वार्नर ने खेली शानदर पारी ऑस्ट्रेलिया की स्थिति मजबूत

भाषा ।पर्थ (आस्ट्रेलिया)

खास बातें

- डेवड वॉर्नर ने खेली 164 रनों की शानदार पारी
- स्टंप तक पांच विकेट पर ऑस्ट्रेलिया ने बनाए 346 रन

सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने अपनी विदाई टेस्ट श्रृंखला में शानदार शतक जड़ा जिससे ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार का यहां तीन मैचों की श्रृंखला के पहले मुकाबले के शुरूआती दिन पाकिस्तान के कम अनुभवी गेंदबाजों के खिलाफ स्टंप तक पांच विकेट पर 346 रन बना लिये. वॉर्नर ने 211 गेंद में 164 रन की शतकीय पारी खेली और यह उनका साल का पहला टेस्ट शतक था जिससे उन्होंने कप्तान पैट कमिंस के उछाल भरी पिच पर टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने के फैसले को सही साबित किया. सैंतीस साल के वॉर्नर अपने गृहनगर सिडनी में अंतिम टेस्ट के बाद संन्यास ले लेंगे. उन्होंने पहले दो सत्र में पाकिस्तानी गेंदबाजों को जरा भी राहत नहीं लेने दी और अंतिम घंटे में डीप स्क्वायर लेग पर आउट होने से पहले 16 चौके और चार छक्के जमाये.

स्टंप तक मिचेल मार्श 15 और एलेक्स कैरी 14 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे. शहजाद ने स्टीव स्मिथ को 31 रन पर विकेट के पीछे कैच आउट कराया. फिर ट्रेविस हेड (40 रन) और वॉर्नर आक्रामक शॉट खेलने के प्रयास में जमाल के शिकार हुए पिछले साल मेलबर्न में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दोहरा शतक जड़ने के बाद टेस्ट क्रिकेट में खराब दौर से गुजर रहे वॉर्नर को पर्थ टेस्ट में मौका दिये जाने की आलोचना हो रही थी लेकिन बायें हाथ के इस बल्लेबाज ने शतक जड़कर करारा जवाब दिया. वॉर्नर और उस्मान ख्वाजा (41 रन) ने पहले सत्र में शतकीय साझेदारी निभायी जिससे आस्ट्रेलिया ने लंच तक बिना विकेट गंवाये 117 रन बना लिये थे. वॉर्नर ने महज 41 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा कर लिया था लेकिन इसके बाद उन्होंने संयम से बल्लेबाजी की. उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ अपना छठा टेस्ट शतक जमाल की गेंद पर अपर कट से लगे चौके से महज 125 गेंद में पूरा किया.

विशेषज्ञ स्पिन के बिना उतरी पाकिस्तान की टीम

पाकिस्तान इस मैच में किसी भी विशेषज्ञ स्पिनर के साथ नहीं उतरा और उसने तेज गेंदबाज आमेर जमाल (63 रन देकर दो विकेट) और खुर्रम शहजाद (62 रन देकर एक विकेट) को पदार्पण कराया. पाकिस्तान के खिलाड़ी दो बार वॉर्नर को आउट करने का मौका चूक गये. वॉर्नर ने जब अपना 26वां टेस्ट शतक पूरा किया तब शहजाद मिड ऑन पर सिर के ऊपर उनका कैच लपकने से चूक गये और फिर जब वॉर्नर 150 रन पर पहुंचे तो सरफराज अहमद ने स्टंपिंग का मुश्किल मौका गंवा दिया

सेमीफाइनल में जर्मनी से हारा भारत

जूनियर हॉकी विश्व कप

- अब कांस्य के लिये खेलेगी भारतीय टीम
- जर्मनी में भारत को 4-1 से पराजित किया

भाषा ।कुआलालंपुर

पिछले मैच में नीदरलैंड पर शानदार जीत दर्ज करने वाली भारतीय टीम उस लय को सेमीफाइनल में कायम नहीं रख सकी और जर्मनी ने कमोबेश एकतरफा मुकाबले में उसे 4-1 से हराकर तीसरी बार जूनियर पुरूष हॉकी विश्व कप जीतने का सपना तोड़ दिया. क्वार्टर फाइनल में दो गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करने वाली भारतीय टीम के पास जर्मनी के मजबूत डिफेंस और चुस्त

आक्रमण का जवाब नहीं था. जर्मनी ने चारों क्वार्टर में एक एक गोल किया जबकि भारत के लिये एकमात्र गोल चिरमाको सुदीप ने 11वें मिनट में दागा.

जर्मनी के लिये हेसबाक बेन ने आठवें मिनट में मैदानी गोल और 30वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल किया जबकि ग्लेंडर पॉल ने 41वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील किया. स्पर्लिंग फ्लोरियन ने आखिरी सीटी बजने से दो मिनट पहले मैदानी गोल करके 4-1 से जीत पर मुहर लगाई. ब भारत को कांस्य पदक के लिये फ्रांस या स्पेन से खेलना होगा. भारत ने 2001 में होबर्ट और 2016 में लखनऊ में जूनियर पुरूष हॉकी विश्व कप जीता था.

सुपर कप में होंगे छह विदेशी खिलाड़ी

नयी दिल्ली । अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने गुरुवार को घोषणा की कि कलिंगा सुपर कप टूर्नामेंट एएफसी के छह विदेशी खिलाड़ियों के नियम का पालन करेगा. इसमें भाग लेने वाली 16 प्रतिभागी टीम अपने शुरूआती लाइन अप में छह विदेशी खिलाड़ियों को शामिल कर सकती हैं जिसमें से एक एशिया से हो. यह एएफसी क्लब प्रतियोगिता के दिशानिर्देशों के अनुसार ही है. एआईएफएफ ने कहा कि यह फैसला इस बात को ध्यान में रखते हुए लिया गया है कि कलिंगा सुपर कप की विजेता टीम एएफसी चैंपियंस लीग 2 के लिए क्वालीफाई करेगी. इंडियन सुपर लीग 'तीन प्लस एक' नियम का पालन करती है लेकिन शीर्ष स्तर की लीग छह विदेशी खिलाड़ियों को रखने की अनुमति देती है.

फेमा उल्लंघन : राजस्थान रॉयल्स के मालिकों पर लगे जुर्माने को न्यायाधिकरण ने किया था कम

बॉम्बे हाई कोर्ट में न्यायाधिकरण के फैसले को बरकरार रखा

भाषा ।मुंबई

बॉम्बे उच्च न्यायालय ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) क्रिकेट फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स के मालिकों पर कथित वित्तीय अनियमितताओं के लिए लगाये गये जुर्माने को कम करने के एक न्यायाधिकरण के आदेश को बरकरार रखा है. न्यायाधिकरण ने जुर्माने की 98 करोड़ रुपये की राशि को घटाकर 15 करोड़ रुपये करने का आदेश पारित किया था. न्यायमूर्ति के आर श्रीराम और न्यायमूर्ति नीला गोखले की खंडपीठ ने बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दायर की गयी अपील को खारिज कर दिया जिसमें उसने 11 जुलाई 2019 को न्यायाधिकरण द्वारा पारित आदेश को चुनौती दी थी. उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा कि न्यायाधिकरण सबूत और विश्लेषण के आधार पर ही इस राशि को घटाने के निष्कर्ष पर पहुंचा है.

- न्यायाधिकरण ने जुर्माने को 98 करोड़ से घटाकर 15 करोड़ किया था
- कथित वित्तीय अनियमितताओं के लिए लगा था जुर्माना
- ईडी 2019 में न्यायाधिकरण द्वारा पारित आदेश को दी थी चुनौती

अदालत का निष्कर्ष भ्रष्ट होने से कोसों दूर

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि ये निष्कर्ष भ्रष्ट होने से कोसों दूर हैं. इसलिये मामले में कानून का सवाल ही पैदा नहीं होता. हमने देखा कि विशेष निदेशक (ईडी) द्वारा अधिकतम जुर्माना लगाने की कोई वजह दर्ज नहीं की गयी है जबकि न्यायाधिकरण ने संबंधित दस्तावेज पर विचार करने के बाद हस्तक्षेप किया और यह जुर्माना कम किया है. पीठ ने कहा कि वह न्यायाधिकरण के फैसले से सहमत है और उन्हें न्यायाधिकरण के तर्क और निष्कर्ष के विकृत होने जैसा कुछ नहीं मिला. ईडी ने 2013 में विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के प्रावधानों के अंतर्गत अपनी शुरूआती जांच में कथित अनियमितताओं का खुलासा होने के बाद राजस्थान रॉयल्स फ्रेंचाइजी टीम के मालिकों पर 98.35 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था. टीम के मालिकों ने इसके खिलाफ अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अपील दायर की जिसने प्रवर्तन निदेशालय के आदेश को अनुचित ठहराया और जुर्माने की इस राशि को घटाकर 15 करोड़ रुपये कर दिया.

केकेआर की कप्तानी के लिए श्रेयस अय्यर की हुई वापसी

भाषा ।कोलकाता

खास बातें

- नीतीश राणा होंगे कोलकाता नाइटराइडर्स के उपकप्तान
- चोट के कारण आईपीएल 2023 नहीं खेल पाये थे अय्यर

कोलकाता नाइटराइडर्स के टीम प्रबंधन ने गुरुवार को घोषणा की कि भारतीय मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में टीम की अगुआई करेंगे. अय्यर पीठ की चोट के कारण आईपीएल के पूरे 2023 चरण में नहीं खेल पाये थे जिससे कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) को कप्तानी की जिम्मेदारी नीतिश राणा को सौंपनी पड़ी थी. अय्यर ने फिर अप्रैल में लंदन में सर्जरी करायी थी. केकेआर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी वेंकी मैसूर ने यह घोषणा करते हुए कहा कि हमें खुशी है कि वह वापस आ गये हैं और कप्तानी की जिम्मेदारी उठायेंगे. श्रेयस ने सितंबर में एशिया कप में वापसी की थी और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में मोहाली में 86 गेंद में शतक जड़कर फॉर्म में वापसी की थी. हाल में समाप्त हुए विश्व कप में वह महत्वपूर्ण चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे थे और उन्होंने 11 पारियों में दो शतक और तीन अर्धशतकों से 66.25 के औसत से 530 रन बनाये थे. मैसूर ने कहा कि उन्होंने जिस तरह से चोट से उबरने के लिए कड़ी मेहनत की है और उन्होंने जो फॉर्म दिखायी है.

महाराष्ट्र के ठाणे में पुरानी पेंशन स्कीम को लागू करने की मांग को लेकर धरना-प्रदर्शन करते राज्य के सरकारी कर्मचारी. फोटो : पीटीआई

टीएमसी सांसद डेरेक ओब्रायन को निलंबित किये जाने का विरोध, किया प्रदर्शन

चर्चा की मांग : विपक्ष का हंगामा

भाषा। नयी दिल्ली

संसद पर आतंकी हमले की बरसी के दिन सुरक्षा में हुई चूक के मुद्दे पर चर्चा की मांग को लेकर 'अमर्यादित आचरण' करने के लिए वरिष्ठ विपक्षी सदस्य और तृणमूल कांग्रेस के नेता सदन डेरेक ओब्रायन को गुरुवार को मौजूदा संसद सत्र की शेष अवधि के लिए राज्यसभा से निलंबित कर दिया गया. निलंबन के बाद भी ओब्रायन के सदन में मौजूद रहने के कारण भोजनावकाश के बाद तीन बार कार्यवाही स्थगित की गई. अपराह्न ढाई बजे जब सदन की कार्यवाही आरंभ हुई तो सभापति धनखड़ ने इस बात पर आपत्ति जताई कि निलंबन का प्रस्ताव पारित होने के बावजूद ओब्रायन सदन में मौजूद हैं.

उन्होंने कहा, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि वह प्रस्ताव की अवहेलना कर रहे हैं और आसन की अवमानना कर रहे हैं. उनके आचरण ने सदन को पंगु बना दिया है...लोगों पर सदन की कार्यवाही का बोझ पड़ता है. जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए हम सब बाध्य हैं. धनखड़ ने ओब्रायन से सदन से बाहर जाने का अनुरोध किया. चूंकि निलंबित सदस्य सदन से बाहर नहीं गए हैं इसलिए सदन की कार्यवाही तीन बजे तक के लिए स्थगित की जाती है. उन्होंने उम्मीद जताई कि जब तीन बजे सदन की कार्यवाही आरंभ होगी तो ओब्रायन आसन के आदेश का पालन करेंगे. हालांकि तीन बजे सदन की बैठक फिर शुरू होने पर भी डेरेक ओब्रायन सदन में मौजूद थे और सभापति ने बैठक चार बजे तक के लिए स्थगित कर दी. इसससे पहले, ओब्रायन के निलंबन के विरोध और संसद की सुरक्षा में चूक पर चर्चा की विपक्ष की मांग के मुद्दे पर हंगामे की वजह से राज्यसभा की कार्यवाही भोजनावकाश के बाद दोपहर ढाई बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई थी. उच्च सदन की कार्यवाही जब भोजनावकाश के बाद फिर से शुरू हुई तो विपक्षी सदस्यों ने नारेबाजी शुरू कर दी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से सदन में आकर बुधवार को लोकसभा में सुरक्षा में हुई चूक पर बयान देने की मांग करने लगे.

निलंबन के बाद भी सदन में मौजूद रहे डेरेक

ओब्रायन का नाम लिए बिना सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि निलंबन के बावजूद सदन में उनकी उपस्थिति नियमों की अवहेलना है. विपक्षी सदस्यों के नारेबाजी जारी रखने पर धनखड़ ने सदन की कार्यवाही दोपहर ढाई बजे तक के लिए स्थगित कर दी. उच्च सदन की कार्यवाही भोजनावकाश से पहले भी दो बार स्थगित हुई. इस दौरान, तृणमूल कांग्रेस के सदस्य डेरेक ओब्रायन को 'अशोभनीय आचरण' के लिए मौजूदा संसद सत्र की शेष अवधि के लिए राज्यसभा से निलंबित कर दिया गया. एक बार के स्थगन के बाद दोपहर 12 बजे उच्च सदन की कार्यवाही शुरू होते ही सभापति जगदीप धनखड़ ने ओब्रायन का नाम लिया और उनके निलंबन की कार्यवाही शुरू की. सभापति द्वारा जब किसी सदस्य का नाम लिया जाता है तो इसका अर्थ सदस्य के निलंबन की कार्यवाही का आरंभ होना होता है. ऐसा तब होता है जब कोई सदस्य पीठ के प्राधिकार का अनादर कर रहे हों अथवा सभा के कार्य में लगातार और जानबूझकर बाधा डालते हुए सभा के नियमों का दुरुपयोग कर रहे हों. विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच सदन के नेता पीयूष गोयल ने इस संबंध में एक प्रस्ताव पेश किया, जिसे ध्वनि मत से पारित कर दिया गया. इसके बाद धनखड़ ने घोषणा की, डेरेक ओब्रायन इस सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित किए जाते हैं.

गृह मंत्री सदन में आओ, सदन में आकर जवाब दो

निलंबन की घोषणा के बाद विपक्षी सदस्य आसन के निकट आकर 'तानाशाही नहीं चलेगी' और 'डेरेक का निलंबन नहीं सहेंगे' जैसे नारे लगाने लगे. हंगामे के बीच ही सभापति ने प्रश्नकाल आरंभ करने की कोशिश की. हालांकि विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी जारी रही. लिहाजा, सभापति ने सदन की कार्यवाही 12 बजकर 5 मिनट पर दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी. इससे पहले, उच्च सदन की कार्यवाही आरंभ होने सभापति ने आवश्यक कामकाज निपटाए. इसके तुरंत बाद धनखड़ ने कहा कि संसद परिसर के संरक्षक लोकसभा अध्यक्ष ने 13 दिसंबर को सुरक्षा में हुई चूक की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं. उन्होंने कहा, जांच शुरू कर दी गई है और प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है. सुरक्षा का मुद्दा संसद के अधिकार क्षेत्र में आता है और इसका प्रभावी तरीके से समाधान किया जा रहा है. सभापति ने बताया कि नियम 267 के तहत उन्हें 28 नोटिस प्राप्त हुए हैं लेकिन यह स्वीकार किए जाने लायक नहीं हैं. इसके बाद उन्होंने शून्य काल आरंभ कराया. इसी दौरान कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों के सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया. हंगामा कर रहे कुछ सदस्य आसन के निकट आ गए और नारेबाजी करने लगे. विपक्षी सदस्य 'गृह मंत्री सदन में आओ, सदन में आकर जवाब दो' जैसे नारे लगा रहे थे.

विपक्षी सदस्यों के आचरण पर आपत्ति जताते हुए सभापति ने उनसे आसन के निकट नहीं आने का बार-बार आग्रह किया. इसी समय ओब्रायन आसन के सामने आ गए और कुछ कहने का प्रयास किया.

संसद के परिसर में खुले दिल से मिलते शत्रुघ्न सिन्हा व रविशंकर प्रसाद.

संसद सुरक्षा चूक मामला

विपक्षी नेताओं ने गृह मंत्री से इस्तीफा मांगा, लोस स्थगित

एजेंसी। नयी दिल्ली

संसद की सुरक्षा उल्लंघन की घटना पर गुरुवार को विपक्षी सांसदों की नारेबाजी के बीच लोकसभा दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी गयी. लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि कल सदन में जो कुछ हुआ उससे हम सभी चिंतित हैं. सदन की सुरक्षा लोकसभा सचिवालय की जिम्मेदारी है. विपक्षी सांसदों ने इस घटना पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की भी मांग की. इससे पहले विपक्षी दलों के नेताओं ने संसद की सुरक्षा में चूक के मामले को लेकर आज गुरुवार को एक बैठक की. मोदी सरकार से आग्रह किया गया कि इस मुद्दे को गंभीरता से लिया जाये तथा दोनों सदनों में इस पर चर्चा कराई जाये. नेताओं की बैठक कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के संसद भवन स्थित कक्ष में हुई.

लोकसभा और राज्यसभा में कार्य स्थगन का नोटिस : लोकसभा स्थगित होने से पहले खड़गे सहित कई कांग्रेस सांसदों ने सदन के अन्य सभी कार्यों को अलग रखते हुए इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए लोकसभा और राज्यसभा दोनों में कार्य स्थगन का नोटिस दिया. कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने लोकसभा में कार्य स्थगन नोटिस दिया, वहीं पार्टी सांसद और राज्यसभा में सचेतक नासिर हुसैन ने इस मुद्दे पर चर्चा के लिए नियम 267 के तहत उच्च सदन में समान कार्य स्थगन नोटिस दिया.

संसद सुरक्षा चूक को लेकर दिल्ली पुलिस ने यूएपीए के तहत मामला दर्ज किया

नयी दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने संसद सुरक्षा चूक की घटना के संबंध में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत मामला दर्ज किया है. अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी.

संसद पर 2001 को हुए आतंकी हमले की बरसी के दिन बुधवार को सुरक्षा में सेंधमारी की बड़ी घटना उस वक्त सामने आयी जब लोकसभा की कार्यवाही के दौरान दर्शक दीर्घा से दो लोग- सागर शर्मा और मनोरंजन डी सदन के भीतर कूद गये, नारेबाजी की और केन के जरिये पीले रंग का धुआं फैला दिया.

इस घटना की योजना छह लोगों ने मिल कर बनाई थी : इस बीच कुछ सांसदों ने दोनों को पकड़ लिया. लगभग उसी वक्त दो अन्य आरोपियों अमोल शिंदे और नीलम देवी ने संसद परिसर के बाहर केन से रंगीन धुआं छोड़ा और तानाशाही नहीं चलेगी के नारे लगाये. पुलिस ने कहा कि इस घटना की योजना छह लोगों ने मिल कर बनाई थी और ये चारों लोग उसी समूह का हिस्सा हैं.

त्रिशक्ति कोर ने चलाया बचाव अभियान

सेना ने पूर्वी सिक्किम में फंसे हुए 800 से अधिक पर्यटकों को निकाला

एजेंसी। नयी दिल्ली

खास बातें

- सैनिकों ने बैरक खाली कर फंसे हुए पर्यटकों को ठहराया
- पर्यटकों को गर्म कपड़े, भोजन आदि भी दिए

भारतीय सेना की ओर से बड़ी खबर आयी है. खबर यह है कि सेनाने बुधवार को पूर्वी सिक्किम में ऊंचाई वाले इलाकों में फंसे हुए 800 से अधिक पर्यटकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया. सेना के अधिकारियों के अनुसार बर्फबारी और खराब मौसम की वजह से पर्यटक पूर्वी सिक्किम के विभिन्न इलाकों में फंसे हुए थे, इन पर्यटकों में बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे भी थे. जानकारी दी गयी है कि भारतीय सेना की त्रिशक्ति कोर द्वारा चलाया गया बचाव अभियान बुधवार देर शाम तक चला. इस क्रम में फंसे हुए सभी पर्यटकों को सुरक्षित क्षेत्रों में पहुंचा दिया गया. पर्यटकों ने सेना द्वारा सुरक्षित बाहर निकाले जाने, राहत प्रदान करने के लिए सेना का आभार व्यक्त किया. जान लें कि भारतीय सेना हिमालय के अत्यधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में सीमा की रक्षा में लगी रहती है, वह , पर्यटकों और स्थानीय आबादी को सहायता प्रदान करने में आगे रहती है.

अमेरिका में भी घरों पर जलेंगे दीये

भाषा। वाशिंगटन

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर हो रही तैयारी

अमेरिका में रहने वाले हिंदू समुदाय के लोग अगले महीने अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर अपने घरों में पांच दीये जला कर इसका जश्न मनाने की योजना बना रहे हैं. अमेरिकी हिंदू समुदाय ने इस मौके पर कई कार्यक्रम भी आयोजित करने की योजना बनाई है, जिसमें विभिन्न शहरों में कार रैलियां निकालना, भव्य उद्घाटन समारोह का सीधा प्रसारण करना तथा सामुदायिक सभा आदि शामिल हैं. शिकागो में हिंदू समुदाय के नेता भरत बराई ने पीटीआई को बताया, यह हम सभी के लिए एक सपने के सच होने जैसा है. हमने अपने जीवन में कभी नहीं सोचा था कि हम यह दिन देख पाएंगे.

वह क्षण आ गया है. यह अयोध्या में राम मंदिर (उद्घाटन) का जश्न मनाने का समय है. अगले साल 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भाग लेने के लिए मंदिर अधिकारियों द्वारा आमंत्रित लोगों में से एक डॉ. बरई ने कहा कि बड़ी संख्या में हिंदू अमेरिकियों ने राम जन्मभूमि आंदोलन में भाग लिया था. विश्व हिंदू परिषद ऑफ अमेरिका (वीएचपीए) ने इन समारोहों में 1,000 से अधिक मंदिरों और व्यक्तियों की भागीदारी की सुविधा के लिए एक वेबसाइट लॉन्च की है. यह संस्था यहां समारोहों का नेतृत्व कर रही है. वीएचपीए ने सभी हिंदू अमेरिकियों से मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह का जश्न मनाने के लिए अपने घरों में कम से कम पांच दीये जलाने का आह्वान किया है. उन्होंने कहा, हिंदू अमेरिकियों के बीच अभूतपूर्व उत्साह है. बड़ी संख्या में भारतीय अमेरिकी इस ऐतिहासिक समारोह का हिस्सा बनने के लिए अयोध्या जाना चाहते हैं.

ईंट भट्ठे की चिमनी मजदूरों पर गिरने से चार की मौत

भाषा। कोलकाता

खास बातें

- प. बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले की घटना
- हादसे में तीन मजदूर गंभीर रूप से घायल भी हो गए हैं

पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में एक ईंट भट्ठे की चिमनी ढह जाने से कम से कम चार मजदूरों की मौत हो गई और तीन मजदूर घायल हो गए. पुलिस ने यह जानकारी दी. पुलिस ने बताया कि यह घटना बुधवार शाम को बशीरहाट के धल्टिटाह गांव में एक साल से बंद पड़े ईंट भट्ठे को फिर से शुरू करने के दौरान हुई.

बशीरहाट के एक पुलिस अधिकारी ने गुरुवार को कहा, चार लोगों की मौत की पुष्टि हो गई है और तीन को अस्पताल में भर्ती कराया गया है. इस संबंध में एक पुलिस अधिकारी ने कहा, दो लोगों की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि दो शव मलबे के नीचे पाए गए. सभी ईंट भट्ठे के मजदूर थे. अधिकारी ने कहा, दो मजदूरों का बशीरहाट अस्पताल में इलाज चल रहा है, जबकि तीसरे मजदूर की हालत गंभीर है, उसे कोलकाता के आरजी कार अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है. अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान उत्तर प्रदेश के फैजाबाद निवासी जेठूराम और राकेश कुमार तथा स्थानीय निवासी हफीजुल मंडल के रूप में की गई है.

फैसला एएसआई सर्वे कब शुरू होगा, यह 18 दिसंबर को तय किया जाएगा

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर-शाही ईदगाह के सर्वे को मंजूरी

एजेंसी। प्रयागराज

इलाहाबाद हाईकोर्ट से एक महत्वपूर्ण खबर आयी है. खबर यह है कि हाईकोर्ट ने मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर से सटे शाही ईदगाह परिसर के एएसआई सर्वे को मंजूरी दे दी है. साथ ही कोर्ट ने शाही ईदगाह परिसर के सर्वेक्षण के लिए अदालत की निगरानी में एक एडवोकेट कमिश्नर की नियुक्ति की मांग मान ली है. हिंदू पक्ष के वकील विष्णु जैन ने जानकारी दी कि कोर्ट ने शाही ईदगाह परिसर के एएसआई सर्वे पर मुहर लगा दी है. बताया गया है कि एएसआई सर्वे कब शुरू होगा, यह 18 दिसंबर को तय किया जायेगा. मामले का तह में जायें तो भगवान श्री कृष्ण विराजमान और सात अन्य लोगों ने वकील हरि शंकर जैन, विष्णु शंकर जैन, प्रभाष पांडे और देवकी नंदन के माध्यम से इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर कर एएसआई सर्वे कराने की गुहार लगाई थी. हिंदू पक्ष द्वारा याचिका में दावा किया गया था कि भगवान श्री कृष्ण का जन्मस्थान मस्जिद के नीचे है.

ईदगाह परिसर में कई संकेत हैं जो स्थापित करते हैं कि मस्जिद एक हिंदू मंदिर था. अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन के अनुसार, याचिका में इलाहाबाद हाई कोर्ट को बताया गया था कि वहां एक कमल के आकार का स्तंभ मौजूद है और यह हिंदू मंदिरों की विशेषता है.

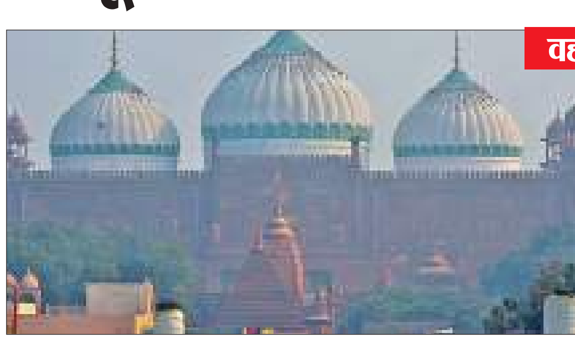

वहां शेषनाग की एक छवि भी मौजूद है, जो हिंदू देवता हैं

याचिका में दर्शाया गया था कि वहां शेषनाग की एक छवि भी मौजूद है, जो हिंदू देवता हैं, उन्होंने (शेषनाग) जन्म वाली रात भगवान कृष्ण की रक्षा की थी. अदालत को बताया गया कि मस्जिद के स्तंभों के निचले भाग पर हिंदू धार्मिक प्रतीक और नक्काशी है. याचिकाकर्ताओं ने इलाहाबाद कोर्ट से आग्रह किया कि निर्धारित समयावधि में शाही ईदगाह मस्जिद का सर्वेक्षण करने के बाद अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए विशिष्ट निर्देशों के साथ कमीशन की नियुक्ति की जा सकती है. एक बात और कि याचिकाकर्ताओं ने हाई कोर्ट से शाही ईदगाह मस्जिद के एएसआई सर्वे की पूरी कार्यवाही की फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी कराने का निर्देश देने का आग्रह किया था. जस्टिस मयंक कुमार जैन ने संबंधित पक्षों को सुनने के बाद आवेदन पर 16 नवंबर को आदेश सुरक्षित रख लिया था.

आओ जानें

तमिलनाडु : सामान्य ज्ञान

1. तमिलनाडु को राज्य को इसका वर्तमान नाम कब मिला? – 14 जनवरी 1969
2. तमिलनाडु का राजकीय नृत्य कौन सा है? – भरतनाट्यम
3. राज्य पक्षी का नाम बताएं? –पन्ना कबूतर
4. तमिलनाडु का राज्य पशु? – नीलगिरि तहर
5. राज्य पुष्प एवं वृक्ष कौन से हैं? ग्लोरियोसा लिली और पाम ट्री
6. राज्य खेल कौन सा है? – कबड्डी
7. मामल्लापुरम को यूनेस्को विरासत स्थल कब घोषित किया गया था? – 1984 में
8. तमिलनाडु के पहले मुख्यमंत्री कौन थे? – पीएस. कुमारस्वारमी
9. तमिलनाडु के पहले राज्यपाल कौन थे? – आर्क्रीबाल्ड एड्वर्ड नाइ
10. तमिलनाडु में लोकसभा की सीटें कितनी हैं? – 39 सीटें
11. तमिलनाडु में राज्यसभा की सीटें कितनी हैं? – 18 सीटें

दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को 500 इलेक्ट्रिक बस को हरी झंडी दिखाई. इसके साथ ही राष्ट्रीय राजधानी में ऐसी बस की संख्या 1,300 हो गई. सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा कि देश के किसी अन्य शहर में इतनी अधिक इलेक्ट्रिक बस नहीं हैं.

ब्रीफ खबरें

नड्डा 17 दिसंबर तक हिमाचल का दौरा करेंगे

शिमला। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' में भाग लेने के लिए 15 से 17 दिसंबर तक हिमाचल प्रदेश के दौरे पर रहेंगे. भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव बिंदल ने गुरुवार को एक बयान में बताया कि नड्डा शुक्रवार को बिलासपुर में अपने गांव विजयपुर पहुंचेंगे, जहां वह रात को ठहरेंगे, शनिवार को वह बिलासपुर में पार्टी द्वारा आयोजित एक सम्मान समारोह में भाग लेंगे. वहां से वह सड़क मार्ग से मंडी जिले के सुंदरनगर जाएंगे.

चीन की खदान में दुर्घटना में तीन की मौत

बीजिंग। उत्तरी चीन के शांक्सी प्रांत में एक कोयला खदान में दुर्घटना होने से तीन लोगों की मौत हो गई. चीन के सरकारी प्रसारक सीसीटीवी ने गुरुवार को यह जानकारी दी. सरकारी प्रसारक के मुताबिक, बुधवार को जब यह हादसा हुआ, उस वक्त चार लोग कोयला भंडारण के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले बंकर की सफाई कर रहे थे. यह स्पष्ट नहीं है कि दुर्घटना की वजह क्या है. रिपोर्ट के मुताबिक, हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई व बचावकर्मी एक व्यक्ति को बचाने में सफल रहे.

आदमखोर बाघ मारने के लिए कदम उठाए

कोट्टायम (केरल)। केरल के वन मंत्री ए के शशिंद्रन ने गुरुवार को कहा कि कुछ दिन पहले वायनाड में एक व्यक्ति पर हमला कर उसे मार डालने वाले बाघ की पहचान 13 वर्षीय नर बाघ (डब्ल्यूडब्ल्यूएल 45) के रूप में की गयी है. उन्होंने बताया कि इस आदमखोर बाघ को देखते ही गोली मारने के लिए कदम उठाए गए हैं. वायनाड के कालपेट्टा में एक वन्य क्षेत्र के समीप नौ दिसंबर को वाकेरी निवासी प्रजीश का अध-खाया हुआ शव मिला था.

64 लोगों के शव परिजनों को सौंपे गए

नयी दिल्ली। मणिपुर में जातीय हिंसा के दौरान मारे गए 64 लोगों के शव गुरुवार को उनके परिजनों को सौंप दिए गए. अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ये शव अस्पताल के मुर्दाघर में रखे हुए थे. मई में मणिपुर में शुरू हुई हिंसा के दौरान मारे गए इन लोगों में से 60 लोग कुकी समुदाय से थे. अधिकारियों ने बताया कि चार अन्य शव मेइती समुदाय के लोगों के हैं जिन्हें चुराचांदपुर के अस्पतालों में रखा गया था. शव शांतिपूर्वक परिजनों को सौंप दिए गए हैं.

तेलंगाना के दो सांसदों का लोस से इस्तीफा मंजूर

नयी दिल्ली। तेलंगाना विधानसभा चुनाव में विधायक निर्वाचित कोटा प्रभाकर रेड्डी और उत्तम कुमार रेड्डी ने अपनी लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है. लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को सदन को सूचित किया कि तेलंगाना के मेडक निर्वाचन क्षेत्र से सांसद के. प्रभाकर रेड्डी और नलगोंडा से सांसद उत्तम कुमार रेड्डी ने अपनी लोकसभा की सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया है. उन्होंने कहा, मैंने उनका त्यागपत्र 13 दिसंबर से स्वीकार कर लिया है.

सौम्या की जमानत याचिका खारिज की

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कथित कोयला 'लेवी' धनशोधन मामले में आरोपी व छत्तीसगढ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की उप सचिव सौम्या चौरसिया की जमानत याचिका गुरुवार को खारिज कर कर दी. न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने अनुचित बयान देकर तथ्यों को गलत तरीके से पेश करने के लिए चौरसिया पर एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया.

वाहन पलटा, नौसेना के जवान की मौत, 14 घायल

सैन डिएगो (अमेरिका)। अमेरिका के सैन डिएगो में प्रशिक्षण के दौरान एक लड़ाकू वाहन के पलट जाने से नौसेना के एक जवान की मौत हो गयी और 14 अन्य घायल हो गए. अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी. 'ग्राउंड मूवमेंट ट्रेनिंग' के दौरान 'मरीन कॉर्प्स बेस कैंप पेंडलटन' में मंगलवार शाम करीब छह बजे यह हादसा हुआ. घायलों को इलाज और जांच के लिए क्षेत्रीय अस्पतालों में भर्ती कराया गया है.

अपनी मांगों को अमलीजामा पहनाने के लिए कुड़मी समाज के सभी संगठनों को एकजुट करने की मुहिम तेज हुई

लोकसभा में गूंजेगा कुड़मी को एसटी बनाने का मामला, हुई बैठक

संवाददाता। चांडिल

अपनी मांगों को अमलीजामा पहनाने के लिए कुड़मी समाज के सभी संगठनों को एकजुट करने की मुहिम शुरू हो चुकी है. सभी एक मंच पर आकर अपनी मांगों को लेकर आवाज बुलंद करने का प्रयास कर रहे हैं. इसको लेकर कुरमी/कुड़मी (महतो) समन्वय समिति झारखंड, पश्चिम बंगाल व ओड़िशा और आदिवासी कुड़मी समाज बंगाल की संयुक्त बैठक नई दिल्ली में हुई. सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी के सरकारी आवास 21 नॉर्थ एवेन्यू नई दिल्ली में हुई बैठक की अध्यक्षता सांसद चौधरी ने की, जबकि संचालन राज्यसभा सदस्य खीरु महतो ने किया. मौके पर जमशेदपुर के सांसद विद्युत वरण महतो, ओडिशा की राज्यसभा सदस्य ममता महंता भी उपस्थित थे. बैठक में कुड़मी को अनुसूचित जनजाति की सूची में सूचीबद्ध कराने और क्षेत्रीय भाषा को त्याग कर अपने समाज की भाषा को मान्यता देने पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया.

बैठक के दौरान चंद्रप्रकाश चौधरी, ममता महंता व खीरू महतो.

खास बातें

- बैठक की अध्यक्षता सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने की
- नयी दिल्ली में हुई बैठक में दो प्रस्ताव पारित किए गए

फरवरी के दूसरे सप्ताह में होगी संयुक्त बैठक

नयी दिल्ली में हुई बैठक में दो प्रस्ताव पारित किए गए. जिनमें समाज को अनुसूचित जनजाति की सूची में सूचीबद्ध कराने के लिए लोकसभा में आवाज बुलंद करने का निर्णय लिया गया. इसके लिए सभी सांसदों से अनुरोध किया गया. वहीं फरवरी के दूसरे सप्ताह में झारखंड, पश्चिम बंगाल और ओड़िशा के समाज के सभी संगठनों, प्रमुख समाजसेवियों व बुद्धिजीवियों का संयुक्त मंथन शिविर का आयोजित करने का निर्णय लिया गया. मंथन शिविर की तिथि व स्थान का चयन कोर कमेटी की बैठक में तय किया जाएगा. जिसकी सूचना समाज को दिया जाएगा. बैठक में आदिवासी कुड़मी समाज के प्रमुख अजीत प्रसाद महतो, कुरमी/कुड़मी (महतो) समन्वय समिति झारखंड, पश्चिम बंगाल व ओडिशा के संयोजक लालचन महतो, अशोक कुमार महतो, दीनानाथ महतो, देवेन महतो आदि उपस्थित थे.

आओ जानें

15 दिसंबर का इतिहास

1749 : छत्रपति शिवाजी के पोते शाहू की मौत हुई. 1794 : फ्रांस में क्रांतिकारी ट्रिब्यूनल को समाप्त कर दिया गया.
1803 : ईस्ट इंडिया कंपनी ने ओडिशा पर कब्जा किया.
1911 : बनारस हिन्दू युनिवर्सिटी सोसाइटी की स्थापना हुई.
1916 : प्रथम विश्व युद्ध के दौरान वेरदून में हुए लड़ाई में फ्रांस ने जर्मनी को हराया.
1917 : मॉल्डोवा गणराज्य ने रूस से स्वतंत्र होने की घोषणा की.
1953 : भारत की एस विजयलक्ष्मी पंडित संयुक्त राष्ट्र महासभा के आठवें सत्र की प्रथम महिला अध्यक्ष चुनी गई.
1976 : न्यूजीलैंड से स्वतंत्र हुआ समोआ संयुक्त राष्ट्र का सदस्य बना.
1991 : जाने माने फिल्म निर्माता सत्यजीत रे को सिनेमा जगत में उनकी उपलब्धियों के लिए स्पेशल ऑस्कर से नवाजा गया.
1993 : जेनेवा में गैट विश्व व्यापार समझौते पर 126 देशों द्वारा हस्ताक्षर किया गया.
2000 : चेरनोबिल रिएक्टर सदा के लिए बंद हुआ.

बिना किट व जर्सी के जिला स्तरीय प्रतियोगिता शुरू

मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल प्रतियोगिता

शुभम किशोर। रांची

मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल प्रतियोगिता पूरे राज्य के पंचायत, प्रखंड और जिलों में शुरू हो चुका है. पंचायत, प्रखंड और जिला स्तरीय प्रतियोगिता के बाद जोनल और राज्य स्तर पर प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा. बता दें कि इस प्रतियोगिता के शुरू होने से पहले प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को किट और जर्सी दी जानी थी मगर, जिला स्तरीय प्रतियोगिता के शुरू होने के बाद भी अब तक खिलाड़ियों को न तो जर्सी उपलब्ध करायी जा सकी है और न ही किट. आलम यह है की खिलाड़ी या तो पुरानी जर्सी या अपने-अपने क्लब की जर्सी पहनकर खेल रहे है. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पंचायत से लेकर जिला स्तर पर खेल और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए इस महत्वकांक्षी योजना को शुरू किया था. लेकिन वास्तव में फुटबॉल नहीं कुव्यवस्था का खेल चल रहा है. जानकारी के अनुसार अभी तक किसी भी जिले को पैसे आवंटित नहीं किए गए हैं. कुछ जिलों में टेंडर तो फाइनल हो गया है, लेकिन वहां पैसे के आवंटन का इंतजार किया जा रहा है. तो कई जिला अभी भी जर्सी व किट की खरीदारी के लिए टेंडर मक्कड़जाल में ही उलझी हुई है.

रांची में 9 दिसंबर को खोला गया था टेंडर

रांची में गुरुवार से जिला स्तरीय प्रतियोगिता शुरू हो गई है. रांची में टेंडर 1 दिसंबर को हुआ था जो 9 दिसंबर को खोला गया. मिली जानकारी के अनुसार समानों की गुणवत्ता पसंद नहीं आने की कारण उस टेंडर को रद्द कर दोबारा टेंडर निकाला गया है जो 19 दिसंबर तक चलेगा. इन सभी मामलों को लेकर शुभम संदेश के संवाददाता द्वारा खेल निदेशक से बात करने की कोशिश की गई लेकिन संपर्क नहीं हो सका.

राजधानी रांची समेत पूरे राज्य के मौसम में लगातार हो रहा है बदलाव

बेदर्द सर्दी से जमने लगे हाथ-पैर

संवाददाता। रांची

राजधानी रांची समेत पूरे राज्य के मौसम में लगातार बदलाव हो रहा है. राजधानी के तापमान में लगातार गिरावट हो रही है. देर रात राजधानी का तापमान 10 के नीचे पहुंच रहा है. मौसम विज्ञान केंद्र रांची के वरीय विज्ञानी अभिषेक आनंद के मुताबिक, रांची का न्यूनतम आगामी दिनों 8-9 के आसपास रहेगा.

सुबह में कोहरा या धुंध और बाद में आसमान साफ रहेगा व मौसम शुष्क बना रहेगा. बताया कि यह सिलसिला अगले पांच दिनों तक बना रहेगा और न्यूनतम तापमान में कुछ खास बदलाव नहीं होगा. हालांकि, पिछले कुछ दिनों से लगातार घट रहे तापमान को लेकर मौसम विभाग ने येलो अलर्ट भी जारी किया है. अभिषेक आनंद ने बताया कि राजधानी समेत पूरे राज्य में बादल के छंटने के साथ ही तापमान में जबरदस्त गिरावट दर्ज की गयी है. वहीं रांची शहर के कांके में न्यूनतम तापमान ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है. पिछले तीन दिनों से कांके का न्यूनतम तापमान 9 के आसपास ही है. यह सिलसिला 17 दिसंबर तक बना रहेगा, वहीं 19 दिसंबर को इसके घट कर 8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने के आसार हैं.

खास बातें

- अभी तो जनवरी बाकी है, दिसंबर ने ही कर दिया बेहाल
- आनेवाले 4 दिन बाद जमीन पर पैर रखना होगा मुश्किल

ऐसा रहेगा राज्य का मौसम

15 दिसंबर : सुबह में कोहरा या धुंध, बाद में आसमान मुख्यत: साफ रहेगा और मौसम शुष्क बना रहेगा.
16 दिसंबर : सुबह में कोहरा या धुंध, बाद में आसमान मुख्यत: साफ रहेगा और मौसम शुष्क बना रहेगा.
17 दिसंबर : सुबह में कोहरा या धुंध, बाद में आसमान मुख्यत: साफ रहेगा और मौसम शुष्क बना रहेगा.

मैकलुस्कीगंज में बर्फ में बदली ओस की बूंदे

वहीं मैकलुस्कीगंज में ठंड ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं. आने वाले दिनों और ठंड बढ़ने की संभावना है, तापमान में गिरावट शुरू हो गई है. मैकलुस्कीगंज में तापमान मापक यंत्र में न्यूनतम तापमान साढ़े छह डिग्री और अधिकतम 20 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. मैकलुस्कीगंज का तापमान बीते वर्षों में शून्य डिग्री सेल्सियस से भी नीचे पहुंच गया था, झाड़ियों और घासों पर पड़ी ओस की बूंदें बर्फ में परिवर्तित हो गई थीं. यह पहली बार है कि मैकलुस्कीगंज का तापमान हिमाचल प्रदेश के केलांग शहर के नीचे चला गया है. वर्तमान में केलांग का तापमान 7 डिग्री है, जबकि मैकलुस्कीगंज का तापमान साढ़े छह डिग्री तक पहुंच चुका है.

चाईबासा का तापमान सबसे कम

पिछले 24 घंटे के मौसम की बात करें तो पूरे राज्य का मौसम शुष्क बना रहा. सबसे अधिक अधिकतम तापमान 28.4 डिग्री चाईबासा का जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 9 डिग्री चाईबासा का ही रिकार्ड किया गया. वहीं राजधानी रांची का अधिकतम तापमान 22.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 10.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया.

नेशनल तीरंदाजी में पदक विजेताओं का भव्य स्वागत

सुकेश कुमार। चाईबासा

गुजरात में आयोजित अंडर-19 एसजीएफआई स्कूल नेशनल तीरंदाजी प्रतियोगिता में पदक विजेता खिलाड़ियों का चाईबासा रेलवे स्टेशन पर फूलमाला पहनाकर भव्या स्वागत किया गया. साथ ही पदक जीतने की बधाई और भविष्य की शुभकामनाएं दी गयीं. नेशनल प्रतियोगिता में जिले के तीन तीरंदाजों ने शानदार प्रदर्शन कर पदक जीते थे. पदक जीतनेवाले ये सारे तीरंदाज कुमारडुंगी स्थित आवासीय तीरंदाजी प्रशिक्षण केंद्र के प्रशिक्षु हैं. नेशनल लेबल की इस प्रतियोगिता में जहां तीरंदाज सुनीता सावैयां तथा सरीना बुड़ीउली ने महिला वर्ग की इंडियन राउंड टीम इवेंट में गोल्ड मेडल जीता. वहीं सुनील हेस्सा ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया. जबकि प्रतियोगिता में तीरंदाज माधुरी कुंकल पदक से चूक गयी. सारे तीरंदाज झारखंड तीरंदाजी टीम का प्रतिनिधित्व कर रहे थे. जानकारी के मुताबिक स्वर्ण पदक विजेता सुनीता सावैयां तांतनगर प्रखंड के छोटा कोयता गांव की रहनेवाली है. तो सरीना बुड़ीउली झींकपानी प्रखंड के बिस्टुम्पुर गांव की निवासी है. जबकि सुनील हेस्सा कुमारडुंगी प्रखंड के जमुदा नामक गांव के बाशिंदे हैं. लेकिन माधुरी कुंकर हाटगम्हरिया प्रखंड के बलांडिया गांव की रहनेवाली है. स्वागत करनेवालों में जिला खेला पदाधिकारी रूपा रानी तिर्की, तुरतुंग तीरंदाजी प्रशिक्षण केंद्र सिकुरसाई के मुख्य प्रशिक्षक महर्षि महेंद्र सिंकू, अंतरराष्ट्रीय तीरंदाज रीता सावैयां, शीतल जारिका, हीरामुनी सिंकू, विजया धनवा, भीमसेन हेंब्रम आदि शामिल थें.

खास बातें

- सुनीता सावैयां व सरीना बुड़ीउली ने जीता गोल्ड मेडल
- सुनील हेस्सा ने सिल्वर मेडल पर जमाया कब्जा

कॅरियर-काउंसिलिंग

पशु चिकित्सा के क्षेत्र में युवा बना सकते हैं अपना कॅरियर

मुख्य बातें

- वैक्सीनेशन और चेक अपकर के इम्युनिटी के लिए देखभाल प्रदान करना.
- जानवरों की जांच करना, घावों का इलाज करना और सर्जरी करना.
- जानवरों की आपातकालीन देखभाल और इच्छा मृत्यु प्रदान करना.
- जानवरों के मालिकों को देखभाल और दवाएं देने के बारे में सलाह देना.

प्रकार

- पालतू जानवरों के पशु चिकित्सक आमतौर पर निजी अस्पतालों में पाए जाते हैं और बिल्लियों, कुत्तों, पक्षियों आदि को उपचार प्रदान करते हैं.
- कैटल एनिमल के पशु चिकित्सक भेड़ , बकरी जैसे जानवरो की बीमारी और चोटों से निपटने के लिए पशुपालकों को पशुओं के भोजन और अन्य स्वास्थ्य पद्धतियों के बारे में जागरूक करते है.
- फूड सिक्योरिटी और इंस्पेक्शन पशु चिकित्सक आम तौर पर जानवरों और मनुष्यों के बीच संचारित होने वाले पशु रोगों की रोकथाम खोजने के लिए शोध करते हैं.
- घोड़े के पशुचिकित्सक घोड़ों के उपचार की सुविधा प्रदान करते है.
- अनुसंधान पशु चिकित्सक नए निदान और शल्य चिकित्सा तकनीक के अनुसंधान में शामिल होते हैं.

10वीं के बाद पशु चिकित्सा कोर्स

- डिप्लोमा इन वेटरनरी फार्मासी
- डिप्लोमा इन वेटरनरी लैब टेक्निशियन
- डिप्लोमा इन एनिमल हस्बेंड्री एंड डायरिंग
- डिप्लोमा इन वेटरनरी असिस्टेंस

दुनिया की टॉप यूनिवर्सिटीज

- रॉयल वेटरनरी कॉलेज, लंदन विश्वविद्यालय
- कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, डेविस
- यूट्रेक्ट विश्वविद्यालय
- कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय
- कर्नेल विश्वविद्यालय
- एडिनबर्ग विश्वविद्यालय
- गुएल्फी विश्वविद्यालय
- ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी
- सिडनी विश्वविद्यालय
- लिवरपूल विश्वविद्यालय
- मिशिगन स्टेट विश्वविद्यालय
- कोपेनहेगन विश्वविद्यालय

पशु चिकित्सक बनने के लिए अतिरिक्त योग्यता

एक पशु चिकित्सक के रूप में, आप सर्जरी, आंतरिक चिकित्सा, दंत चिकित्सा, रेडियोलॉजी, व्यवहार, प्रयोगशाला पशु चिकित्सा, पोषण, आपातकालीन और महत्वपूर्ण देखभाल जैसी अतिरिक्त योग्यता प्राप्त करने पर विचार कर सकते हैं. आपके पास अतिरिक्त योग्यता के प्रमाण पत्र के लिए पात्र होने के लिए 3-4 साल का अनुभव या अतिरिक्त प्रशिक्षण होना चाहिए.

रजनीश प्रसाद। एजुकेशन रिपोर्टर

पशु चिकित्सा विज्ञान की एक विशेष शाखा है, जिसमें जानवरों और पक्षियों में विभिन्न प्रकार के रोगों का उपचार होता है. यह मानव चिकित्सा विज्ञान के समान है क्योंकि उनका प्राथमिक उद्देश्य भी बीमारियों की रोकथाम, उन्मूलन और जैविक जीवों को स्वस्थ जीवन देना है. पशु चिकित्सक कैसे बने, इसके लिए आपको पशु चिकित्सा विज्ञान में बैचलर डिग्री के बाद पशु चिकित्सा विज्ञान में डीएम या कोई विशेष पशु चिकित्सक बनने के लिए स्पेशलाइजेशन भी हासिल करनी होगी. पशु चिकित्सकों या पशु चिकित्सा डॉक्टरों को आमतौर पर 'पशु चिकित्सक' कहा जाता है क्योंकि वे उन पालतू जानवरों, पशुओं और अन्य जानवरों का निदान और इलाज करने में माहिर होते हैं, जो बीमारियों का सामना कर रहे हैं.

12वीं के बाद पशु चिकित्सा कोर्स

- बैचलर ऑफ वेटरनरी साइंस
- बैचलर ऑफ वेटरनरी साइंस वेटरनरी पैथोलॉजी
- बैचलर ऑफ वेटरनरी साइंस एनिमल न्यूट्रिशन
- बैचलर ऑफ वेटरनरी साइंस एनिमल जेनेटिक्स एंड ब्रिडिंग
- बैचलर ऑफ वेटरनरी साइंस वेटरनरी माइक्रोबाइलॉजी

पशु चिकित्सा में लाइसेंस प्राप्त करें

पशु चिकित्सक बनने की प्रक्रिया के अंत में लाइसेंस प्राप्त मिलता है. एक बार जब आप डीवीएम डिग्री पा लेते हैं तो, आप परीक्षा लाइसेंसिंग के लिए आवेदन और आवश्यक शुल्क जमा कर इंटरनेशनल काउंसिल फॉर वेटरनरी असेसमेंट द्वारा आयोजित परीक्षा जैसे नोर्थ अमेरिकन वेटरनरी लाइसेसिंग एग्जामिनेशन दे सकते हैं, जिसमें राज्य कानूनों और नियमों संबंधी परीक्षा को भी शामिल किया गया है. लाइसेंस प्राप्त करने के बाद यह सुनिश्चित करे कि आपको उन राज्य से लाइसेंस प्राप्त हो जिसमें आप कार्यरत हैं क्योंकि लाइसेंस आमतौर पर अन्य राज्यों में स्थानांतरित नहीं होता है.

भारत के टॉप कॉलेज

- इंडियन वेटरनरी रिसर्च इंस्टिट्यूट (आईवीआरआई), बरेली
- नैशनल डेरी रिसर्च इंस्टिट्यूट (एनडीआरआई), कर्नल।
- गोविंद बल्लभपंत यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी, पंत नगर
- वेटरनरी कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टिट्यूट (वीसीआरआई), चेन्नई
- कॉलेज ऑफ वेटरनरी मेडिसिन एंड एनिमल साइंसेज(सीवीएएस), बीकानेर
- मुंबई यूनिवर्सिटी (एमयू)
- अन्नामलाई यूनिवर्सिटी (एयू), चिदंबरम
- बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी (बीएचयू)
- जूनागढ़ एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, जूनागढ़ी
- सरदार वल्लभभाई पटेल यूनिवर्सिटी ऑफ़ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी
- चौधरी सरवन कुमार हिमाचल प्रदेश एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा राजकमल प्लाजा, रूम नंबर 102 जयप्रकाश नगर, डीनोवली स्कूल रोड बरटांड़, धनबाद-826001 झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **दीपक कुमार अम्बष्ठ***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)